RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिवी हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

गणपति बप्पा मोरया

वर्ष :16 । अंक:18। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद,14 सितंबर 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

ब्रिक्स सम्मेलन का आधिकारिक समापन

पीएम मोदी बोले- 'नई दिल्ली डिक्लेरेशन' साझा विजन को देगा नई दिशा

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का समापन हो गया। समापन सत्र को संबोधित करते

हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'ब्रिक्स' सिर्फ देशों का समूह नहीं बल्कि समाधान का इकोसिस्टम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि 'नई दिल्ली डिक्लेरेशन' साझा विजन को नई दिशा देगा। पीएम ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी सदस्य देशों का आभार जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मेलन में शामिल सभी सदस्यों का आभार जताया। पीएम मोदी ने कहा कि आपके महत्वपूर्ण विचारों और सुझावों ने हमारे सहयोग को व्यापकता भी दी है और गहराई भी दी है। आप सबकी मौजूदगी ब्रिक्स की बढ़ती उपयुक्तता, उदारता और समावेशिता का प्रमाण है। पीएम मोदी ने कहा, पिछले दो दिनों की हमारी चर्चाओं ने हमारा विश्वास और मजबूत किया है कि ब्रिक्स केवल देशों का समूह नहीं, समाधान का एक इकोसिस्टम है। हम आशा करते हैं इस समिट से उसमें जोड़े गए 'नई दिल्ली डिक्लेरेशन' हमारे साझा विजन और भविष्य के सहयोग को स्पष्ट दिशा देगा। हमें सभी परिणाम को समयबद्ध एक्शन और अंतिम पायदान पर प्रभाव से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा हमारे फ्रेमवर्क फाइल्स से आगे बढ़कर वास्तविक जीवन में प्रभाव पैदा करें, इसके लिए हम सब मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा, ब्रिक्स अपने तीसरे दशक में प्रवेश करने जा रहा है। अब दुनिया हमसे केवल विचार और प्रतिबद्धता नहीं, कंक्रीट परिणाम की अपेक्षा करती है। मुझे विश्वास है कि हम साझा प्रयासों से इन अपेक्षाओं पर जरूर खरे उतरेंगे।

इस मौके पर पीएम मोदी ने ब्रिक्स के अगले होस्ट के तौर पर चीन को एक बार फिर बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, नई दिल्ली समिट को सफल बनाने के लिए मैं आप सभी का और आप सबकी टीम्स का विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं। आप सभी की सुखद और सुरक्षित यात्रा की कामना करता हूं। आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एआई से लेकर ट्रेड तक पांच नई पहलों का प्रस्ताव दिया

नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दूसरे सत्र में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हिस्सा लिया। अपने संबोधन के दौरान राष्ट्रपति जिनपिंग ने ब्रिक्स सहयोग को और मजबूत करने के लिए पांच नई पहलें प्रस्तावित कीं। चीन के विदेश मंत्रालय अनुसार, 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ओपन सोर्स और समावेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पहल पर बात करते हुए कहा कि चीन ब्रिक्स के तहत एक एआई ओपन सोर्स समुदाय बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। वह बड़े भाषा मॉडल के विकास और उनके उपयोग में सहयोग को बढ़ावा देगा। उन्?होंने बताया कि? चीन एआई से जुड़े विशेष सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा तथा एआई के लिए एक खुला और सहयोगी इकोसिस्टम बनाने में मदद करेगा।

ब्रिक्स समिट में शामिल होने के बाद रूसी राष्ट्रपति पुतिन स्वदेश रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 18वें ब्रिक्स समिट में शामिल होने के बाद स्वदेश रवाना हो गए। दो दिन तक चले शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की और न्यू दिल्ली डिक्लेरेशन को मंजूरी दी। पुतिन दो दिन के समिट से पहले नई दिल्ली पहुंचे थे। इस समिट को भारत की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था। इस समिट में ब्रिक्स के सदस्य देशों और पार्टनर देशों के नेता भारत में इकट्ठा हुए। अपनी यात्रा के दौरान, पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी की। दोनों नेताओं ने भारत-रूस संबंधों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें व्यापार और आर्थिक सहयोग मुख्य एजेंडा में शामिल थे।

ब्रिक्स समिट में शामिल होने के बाद चीन रवाना हुए शी जिनपिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के बाद राष्ट्रपति शी जिनपिंग चीन रवाना हो गए। दूसरे दिन आउटरीच बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुनने के बाद उन्होंने फैमिली फोटो भी खिंचवाई। ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए वो सात साल बाद भारत आए थे। शिखर सम्मेलन से इतर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। जिसमें उन्होंने कहा कि दोनों देश एक-दूसरे के प्रतिद्वंदी नहीं बल्कि साझेदार हैं।

'सोच-समझकर किया गया आत्मसमर्पण...'

ब्रिक्स में मोदी-शी की मुलाकात के बाद कांग्रेस ने पूछे चार सवाल

एजेंसी

बेंगलुरू। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद कांग्रेस ने चार सवाल पूछे हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पीएम मोदी ने बीजिंग के सामने सोच-समझकर आत्मसमर्पण कर दिया है। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने रविवार को अपने ङ्ग हैंडल पर सवाल किया, 'क्या 19 जून, 2020 को चीन को दी गई आपकी कुख्यात क्लीन चिट ने भारत को कमजोर नहीं किया? 'जयराम रमेश ने पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लद्दाख एवं अब अरुणाचल प्रदेश में चीन को क्षेत्रीय बढ़त हासिल करने की अनुमति क्यों दी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, '15-16 जून, 2020 की रात गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ आमने-सामने की लड़ाई में हमारे 20 जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था और यह 45 साल में सीमा पर इस तरह जान गंवाने की पहली घटना थी।' रमेश ने कहा, 'इसके सिर्फ चार दिन बाद 19 जून, 2020 को आपने सर्वदलीय बैठक में बिना किसी स्पष्ट कारण के कहा था, 'न कोई हमारी

सीमा में घुस आया है, न ही कोई घुसा हुआ है।' इस बयान को कभी वापस नहीं लिया गया। क्या इससे बाद की बातचीत में हमारी स्थिति काफी कमजोर नहीं हुई? ' कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि पूर्वी लद्दाख के बड़े हिस्से में गश्त और चराई के हमारे परंपरागत अधिकार चुपचाप लेकिन निश्चित रूप से छोड़ दिए गए हैं।

चीनी अतिक्रमण का मुद्दा उठाया

रमेश ने दावा किया कि इस बीच अरुणाचल प्रदेश में चीनी अतिक्रमण की खबरें भी सामने आई हैं जिनमें भारत की कुछ गश्ती चौकियों तक पहुंच खत्म होने और नया गतिरोध पैदा होने की खबरें भी शामिल हैं। कांग्रेस नेता ने बयान में कहा, 'अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन का रुख और सख्त हुआ है। वह शहरों के नाम बदल रहा है, उस क्षेत्र पर फिर दावा जता रहा है जिसे वह 'दक्षिण तिब्बत' कहता है और ब्रह्मपुत्र के 'ग्रेट बेंड' पर 60,000 मेगावाट की मेदोग महाबांध परियोजना को आगे बढ़ा रहा है। यह परियोजना उसे हमारे पूरे पूर्वोत्तर की जल सुरक्षा पर दबदबा बनाने की स्थिति में ला देती है। '

मिस्र के राष्ट्रपति सिसी और प्रधानमंत्री मोदी ने की द्विपक्षीय बैठक

भारत- मिस्र के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंध हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को यहां 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। भारत- मिस्र के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंध हैं। संबंधों की शुरुआत 18 अगस्त 1947 को हुई थी। तब राजदूत स्तर पर राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे। वहीं, जनवरी 2024 में इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई के साथ मिस्र ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बना था।

दिन की शुरुआत, राष्ट्रपति अल-सीसी और पीएम मोदी ने नई दिल्ली में ब्रिक्स सदस्य और सहयोगी देशों के नेताओं, आउटरीच के लिए आमंत्रित प्रतिनिधियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों संग एक 'फैमिली फोटो' खिंचवा कर की।

रविवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन पहुंचने पर पीएम मोदी ने ब्रिक्स समूह के विस्तार के बाद शामिल हुए नेताओं का स्वागत किया।

'भाजपा इमरजेंसी लगाकर शासन नहीं कर सकती, ये कांग्रेस की संस्कृति हैं'

जेन-जी आंदोलन से जुड़े सवाल पर बोले अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और संवैधानिक पद पर रहते हुए 25 साल पूरे होने पर भाजपा पूरे देश में 'सेवा संकल्प अभियान' शुरू कर रही है। इसको लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान गृह मंत्री ने जेन जी आंदोलन से जुड़े सवाल का जवाब भी दिया। जेन जी आंदोलन पर अमित शाह ने कहा कि हम लोकतंत्र में हैं और कई विषयों पर लोगों का अपना मत होता है, जिसे व्यक्त करना भी जरूरी है। भाजपा की सरकार इमरजेंसी लगाकर शासन नहीं कर सकती। यह कांग्रेस की संस्कृति है, लेकिन हमारी नहीं। हम बातचीत करते हैं। प्रेस

कॉन्फ्रेंस के दौरान 'सेवा संकल्प अभियान' के बारे में अमित शाह ने कहा कि हम सब जानते हैं कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। पहले गुजरात में और बाद में देशभर में भाजपा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक तथा कई स्थानों पर एक सप्ताह तक सेवा सप्ताह के रूप में उनका जन्मदिन मनाया जाता था, लेकिन इस वर्ष इसका एक विशेष उद्देश्य है। लंबी संगठनात्मक प्रक्रिया के बाद 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं और उनका कार्यकाल अभी जारी है। इस देश में बहुत कम नेता ऐसे हुए हैं, जिन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार जनसेवा का ऐसा रिकॉर्ड बनाया हो।

एक व्यक्ति और एक परिवार की कीमत चुकाता था पूरा उत्तर प्रदेशः सीएम योगी

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गलती एक व्यक्ति करता है, लेकिन उसकी कीमत पूरे संस्थान को चुकानी पड़ती है। ठीक वैसे ही एक व्यक्ति और एक परिवार की कीमत उत्तर प्रदेश को पहचान के संकट, कानून व्यवस्था के भीषण संकट, अराजकता और भ्रष्टाचार के रूप में चुकानी पड़ती थी। उन्?होंने कहा कि कृत्य एक व्यक्ति गलत करता था और कीमत पूरा प्रदेश चुकाने को मजबूर होता था। आज पारदर्शिता और शुचिता के साथ आगे बढ़ रहे उत्तर प्रदेश के सामने पहचान का संकट नहीं है। प्रदेश के लोग कहीं भी सीना तानकर कह सकते हैं कि वे उत्तर प्रदेश के हैं। मुख्यमंत्री योगी रविवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के षष्ठम स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया जितनी पारदर्शी होगी, परिणाम उतने ही फलदायी होंगे। अच्छे लोगों का चयन नहीं होगा, चयन प्रक्रिया में विसंगति, भेदभाव और शुचिता का अभाव होगा तो उसकी कीमत पूरे संस्थान को चुकानी पड़ेगी। पिछले साढ़े नौ वर्ष में प्रदेश में 9.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। कोई यह नहीं कह सकता कि नियुक्ति में उसके साथ भेदभाव हुआ या किसी प्रकार का लेनदेन हुआ।

आकृति चौधरी मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं नोएडा डीएम

•इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को दी चुनौती

एजेंसी

नोएडा। दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा आकृति चौधरी के खिलाफ एनएसए लगाने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। गौतमबुद्ध नगर की डीएम मेधा रूपम ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें कहा गया था कि उनकी पर्सनल सैलरी से 5 लाख रुपए का मुआवजा वसूला जाए और वो मुआवजा डीयू की स्टूडेंट आकृति

चौधरी को दिया जाए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डीयू की छात्रा आकृति चौधरी की एनएसए के तहत हिरासत को गैरकानूनी बताया था। दरअसल, अप्रैल 2026 में नोएडा में हुए मजदूरों के आंदोलन के दौरान आकृति चौधरी को गिरफ्तार किया गया था और बाद में उन पर एनएसए लगा दिया गया था।

दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा आकृति चौधरी के खिलाफ एनएसए लगाने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।

'मैं अपनी गलती की कीमत चुका रहा हूं'

मुंबई के ट्रैफिक जाम में फंसे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मुंबई के भारी ट्रैफिक जाम में फंस गए। वर्ली से कार्यक्रम स्थल तक जाने में गडकरी को पूरे एक घंटे की देरी हुई। हालांकि, स्थिति पर गुस्सा जाहिर करने के बजाय, उन्होंने साफ तौर पर माना कि यह मेरी अपनी पिछली गलतियों का नतीजा है। इसके बाद वहां पर मौजूद लोग हंस पड़े। गडकरी ने मुंबई में आयोजित 'इंडो-अमेरिकन कॉर्पोरेट एक्सीलेंस अवार्ड्स' में कहा, 'आज इस कार्यक्रम में पहुंचने में मुझे एक घंटे की देरी हुई क्योंकि वर्ली से निकलने के बाद मैं ट्रैफिक में फंस गया था। लेकिन सच कहूं तो, मैं अपनी ही गलती की कीमत चुका रहा हूं। 1995 और 2000 के बीच, महाराष्ट्र के लोक निर्माण मंत्री के तौर पर, मुझे 55 फ्लाईओवर, बांद्रा-वर्ली सी लिंक और मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे बनाने का मौका मिला था। हालांकि, आज जो आधुनिक टेक्नोलॉजी उपलब्ध है, वह उस समय मौजूद नहीं थी। '

'पटाखे मत फोड़ो, शंख मत बजाओ...'

•बीजेपी बोली- गणेशोत्सव मनाने पर लोगों को परेशान कर रही कर्नाटक सरकार

एजेंसी

बेंगलुरू। कर्नाटक के वरिष्ठ बीजेपी नेता आर. अशोक ने रविवार को कांग्रेस सरकार पर गणेशोत्सव मनाने को लेकर लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस शोभा यात्राओं पर प्रतिबंध लगा रही है, जबकि माहौल खराब करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अशोक ने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि सरकार त्योहार को लेकर एकतरफा रवैया अपना रही है। उन्होंने टी. नरसीपुर में गणेशोत्सव के आयोजकों को कथित तौर पर धमकाने वाले एक पुलिस अधिकारी को तत्काल निलंबित करने की मांग की।

पटाखे मत फोड़ो, शंख मत बजाओ, यह कैसा न्याय- अशोक

आर अशोक ने कहा, 'अगर हिंदुओं से कहा जा रहा है कि वे अपने ही देश में खुले तौर पर और श्रद्धापूर्वक गणेशोत्सव नहीं मना सकते, तो हम इस सरकार से क्या कहें? पटाखे मत फोड़ो, शंख मत बजाओ, बोलो मत- यह कैसा न्याय है? '

टी. नरसीपुर में एक पुलिस अधिकारी के साथ कथित बातचीत का जिक्र करते हुए अशोक ने कहा कि श्रद्धालुओं से मस्जिदों के सामने से शोभायात्रा नहीं निकालने, पटाखे नहीं फोड़ने और नृत्य नहीं करने तथा केवल शांतिपूर्ण जुलूस निकालने को कहा गया था। अशोक एक वायरल वीडियो का हवाला दे रहे थे, जिसमें कथित तौर पर एक पुलिस अधिकारी को गणेश पूजा समिति के सदस्यों को चेतावनी देते हुए सुना जा सकता है।

भारत और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों ने द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद से मुलाकात की और द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'ब्रिक्स इंडिया 2026 के मौके पर सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद से मिलकर खुशी हुई। क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों के साथ-साथ हमारे द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।' भारत और सऊदी अरब ने गुरुवार को रक्षा सहयोग पर चर्चा की और अपनी रणनीतिक साझेदारी को और

मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। यह चर्चा तब हुई जब भारतीय राजदूत विपुल ने सऊदी अरब के सहायक रक्षा मंत्री खालिद बिन हुसैन अल बियारी से मुलाकात की। सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'सऊदी अरब में भारत के राजदूत विपुल ने रियाद में सऊदी अरब के सहायक रक्षा मंत्री डॉ. खालिद बिन हुसैन अल बियारी से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने भारत-सऊदी अरब रक्षा सहयोग पर चर्चा की और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया, दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। ' विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह भी 5 से 8 सितंबर तक सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर थे।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का मेगा IPO 17 सितंबर को खुलेगा प्राइस बैंड 1,700 रुपये - 1,785 रुपये तय; इन्वेस्टर्स में ज़बरदस्त उत्साह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश के सबसे बड़े और दुनिया के लीडिंग स्टॉक एक्सचेंज, 'नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया लिमिटेड' ने अपने लंबे समय से इंतज़ार किए जा रहे इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग की ऑफिशियल घोषणा कर दी है। 1 रुपये फेस वैल्यू वाले हर इक्विटी शेयर के लिए प्राइस बैंड 1,700 रुपये से 1,785 रुपये तय किया गया है। मेगा IPO सब्सक्रिप्शन के लिए 17 सितंबर, 2026 को खुलेगा और 21 सितंबर, 2026 को बंद होगा, जबकि एंकर इन्वेस्टर्स के लिए बिडिंग 16 सितंबर को होगी।

ऑफर पीरियड: 17 सितंबर से 21 सितंबर, 2026

प्राइस बैंड: 1,700 रुपये से 1,785 रुपये। 1,785 (हर शेयर)

लॉट साइज़: कम से कम 8 इक्विटी शेयर (और उनके मल्टीपल में)

इश्यू का तरीका: 12,64,36,650 शेयरों का फुल ऑफर-फॉर-सेल

लिस्टिंग: BSE पर लिस्ट होगा। बड़े कॉर्पोरेट शेयरहोल्डर हिस्सेदारी बेचेंगे IPO फुल ऑफर-फॉर-सेल फॉर्म में है, जिसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड, बैंक ऑफ बड़ौदा, द न्यू इंडिया एश्योरेंस, GIC और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस जैसे बड़े इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर अपने शेयर बेचेंगे। इश्यू में 50' क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायस 35' रिटेल इन्वेस्टस और 15' नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिज़र्व है। NSE का दुनिया भर में दबदबा NSE, जिसने 1994 में देश में पहली स्क्रीन-बेस्ड ट्रेडिंग शुरू की थी, आज दुनिया भर में सबसे आगे है डेरिवेटिव्स में नंबर

1: FIA के मुताबिक, साल 2025 में ट्रेडिंग वॉल्यूम के मामले में ह्स्ध दुनिया का सबसे बड़ा डेरिवेटिव्स एक्सचेंज था।

मजबूत मार्केट शेयर: देश में कैश मार्केट में भारत का 93' से ज़्यादा और इक्विटी फ्यूचर्स में लगभग 99.7' मार्केट शेयर है। कंपनी ने जून 2026 को खत्म हुई तिमाही में 4,560 करोड़ रुपये के रेवेन्यू पर 3,121 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया है। टेक्नोलॉजी पर आधारित ह्स्ध प्लेटफॉर्म में माइक्रोसेकंड स्पीड पर हर दिन औसतन 12.46 बिलियन मैसेज प्रोसेस करने की क्षमता है। 30 जून, 2026 तक, ह्स्ध के पास 132.37 मिलियन रजिस्टर्ड इन्वेस्टर हैं, जिनकी देश के 99' से ज़्यादा पिन कोड एरिया तक पहुँच है।

आरोप है कि हवेली पुलिस स्टेशन का एक पुलिसकर्मी चर्च के बाहर एक महिला का सीक्रेट वीडियो बनाते हुए पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जो पुलिस सिस्टम को शर्मसार कर देगी, जिसकी मुख्य ज़िम्मेदारी पब्लिक सेफ्टी और कानून लागू करना है। गंभीर आरोप लगे हैं कि हवेली पुलिस स्टेशन में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी विजयभाई सलाम अपनी असली ड्यूटी छोड़कर चर्च के बाहर खड़ी एक महिला का सीक्रेट वीडियो बनाते हुए रंगे हाथों पकड़े गए। इस घटना के बाद लोकल लोगों और चश्मदीदों में बहुत गुस्सा है। पुलिसवाले की संदिग्ध हरकतें और स्कैम छिपाने के आरोप मिली जानकारी के मुताबिक, हवेली पुलिस स्टेशन के कर्मचारी विजयभाई सलाम बाइक (नंबर: GJ 01 YS 1088) पर मौके पर आए थे। चर्च के बाहर खड़ी महिला का वीडियो बनाते समय वहां मौजूद लोगों का ध्यान भटकते ही हंगामा हो गया। स्थानीय लोगों और पीड़ित पक्ष का आरोप है कि यह पुलिसवाला किसी खास मामले या चल रहे स्कैम को दबाने और मामले को रफा-दफा करने के इरादे से मौके पर आया था। पुलिस की भूमिका पर कई सवाल उठ रहे हैं, जब वे अपना सरकारी काम करने के बजाय महिला का वीडियो बनाने जैसी मामूली और संदिग्ध हरकत करते पकड़े गए। जैसे ही इस पूरी घटना के सीन कैमरे में कैद हुए, यह मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पूरे अहमदाबाद पुलिस सिस्टम के काम करने के तरीके पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

LCB ने सरकारी क्वार्टर में 'ज़हर' बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा मारा: ब्रांडेड बोतलों में नकली शराब बेचने का नेटवर्क पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। गुजरात में शराब बैन की सख्त मांगों के बीच, शराब माफिया और शराब तस्करों की हिम्मत इतनी बढ़ गई है कि अब वे खुलेआम सरकारी पतों का इस्तेमाल गैर-कानूनी कामों के लिए कर रहे हैं। लोकल क्राइम ब्रांच और बोरतलाव पुलिस ने भावनगर के हाडानगर इलाके में रेलवे कॉलोनी के एक सरकारी क्वार्टर में ब्रांडेड बोतलों में नकली शराब बेचने वाली एक मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, लोकल क्राइम ब्रांच को खास जानकारी मिली थी कि भावनगर के हाडानगर रेलवे कॉलोनी में रहने वाले रेलवे कर्मचारी अक्षय राज सिंह के सरकारी क्वार्टर में गैर-कानूनी और नकली विदेशी शराब तैयार की जा रही है। जानकारी के आधार पर, LCB और पुलिस टीम ने सरकारी क्वार्टर पर अचानक छापा मारा।

जैसे ही पुलिस क्वार्टर में घुसी, मौके से नकली शराब बनाने के पूरे रैकेट का पर्दाफाश हो गया।

ब्रांडेड बोतलें, स्टिकर और सीलिंग मशीनें ज़ब्त रेड के दौरान, पुलिस को मौके से ये मिलामशहूर ब्रांड (जैसे इंपीरियल ब्लू, रॉयल स्टैग वगैरह) की बोतलों पर असली जैसे दिखने वाले नकली स्टिकर लगाए गए थे। बड़ी संख्या में खाली कांच की बोतलें और फ्लैट बोतलें ज़ब्त की गईं। बोतलों में नकली केमिकल मिक्सचर भरने और पैक करने के लिए खास सीलिंग मशीनें और दूसरे इक्विपमेंट भी ज़ब्त किए गए हैं। शराब तस्कर ब्रांडेड शराब की खाली बोतलों में घटिया क्वालिटी के पदार्थ और केमिकल मिलाकर उन्हें असली बोतलों के तौर पर पैक करके लोगों को बेच रहे थे। इस सफल ऑपरेशन के दौरान, LCB पुलिस ने रेलवे कर्मचारी अक्षयराज सिंह समेत कुल 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ शराबबंदी और उससे जुड़ी धाराओं के तहत गंभीर मामला दर्ज किया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस के सामने उठे सवाल भावनगर में ज़हरीली शराब की पिछली घटनाओं के बावजूद, सरकारी क्वार्टर के अंदर ऐसी फैक्ट्री चलाई जा रही थी, जैसे शराब तस्करों में कानून का कोई डर ही न हो। अब LCB पुलिस इस दिशा में जांच कर रही है:

1. यह नकली शराब बनाने के लिए केमिकल या कच्चा माल कहां से लाया गया?

2. इस स्कैम में और कौन-कौन से बड़े लोग या सप्लायर शामिल हैं?

3. यह नकली शराब किन-किन इलाकों में सप्लाई की जाती थी?

फिलहाल, पुलिस ने सभी आरोपियों से कड़ी पूछताछ करके पूरे स्कैम की जड़ तक पहुंचने के लिए जांच शुरू कर दी है।

वडनगर के बचपन के दोस्त ने PM मोदी से कहा: 'मेरे भाई नरेंद्र, आपकी पार्टी के MLA ने मेरी ज़मीन छीन ली

81 साल की उम्र में इंसाफ की लड़ाई बचपन के दोस्त पीएम मोदी से लगाई गुहार

1989 में खरीदी जमीन पर 2011 में कथित फर्ज़ीवाड़ा, पूर्व विधायक और बिल्डरों पर गंभीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नई दिल्ली-मुंबई। जब सत्ता का नशा और लैंड माफियाओं की दादागिरी हद पार कर जाए, तो आम नागरिक इंसाफ के लिए कहां जाए? लेकिन जब पीड़ित खुद देश के प्रधानमंत्री का बचपन का दोस्त हो, तो लैंड माफिया कांड सीधे PMO तक पहुंच जाता है! महाराष्ट्र के मीरा-भायंदर इलाके में BJP के पूर्व MLA और बिल्डरों द्वारा किए गए करोड़ों के ज़मीन घोटाले का पर्दाफाश करने के लिए एक 81 साल का बुजुर्ग सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शरण में पहुंचा है।

वडनगर के B. N. असगर अली स्कूल में साथ पढ़ते थे!

वडनगर के B. N. स्कूल जिसकी क्लास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पढ़ते थे, वहां के 81 साल के असगर अली वोरा (बोहरा) सालों से इंसाफ का इंतज़ार कर रहे थे। आखिरकार 8 सितंबर को असगर अली दिल्ली पहुंचे और एक खास मीटिंग में अपने बचपन के दोस्त PM मोदी को पूरा मामला सौंप दिया।

क्या है पूरा ज़मीन घोटाला और

गंभीर आरोप?

ज़मीन की खरीद: असगर अली ने साल 1989 में कानूनी तौर पर रजिस्टर्ड एग्रीमेंट के ज़रिए महाराष्ट्र के भायंदर ईस्ट (नवघर रोड) में 2,810 स्क्वायर मीटर ज़मीन खरीदी थी।

बोगस डॉक्यूमेंट्स से ज़मीन हड़पी: साल 2011 में असली मालिक को अंधेरे में रखकर बोगस और नकली पेपर्स तैयार किए गए। ज़मीन को दो टुकड़ों में बांटा गया।

BJP MLA का नाम सामने आया: BJP के पूर्व MLA नरेंद्र मेहता से जुड़ी कंपनी 'स्वयं बिल्डर्स' ने कथित तौर पर ज़मीन के एक हिस्से पर और BJP के पूर्व MLA नरेंद्र मेहता से जुड़ी कंपनी 'सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शन्स' ने दूसरे हिस्से पर गैर-कानूनी कब्ज़ा किया! पुलिस और प्रशासन की लापरवाही:भले ही असगर अली ने 2015 में FIR दर्ज करवाई थी, लेकिन कथित राजनीतिक दबाव के कारण CID रिपोर्ट में 11 साल की देरी हुई। लोकल म्युनिसिपैलिटी और रेवेन्यू अधिकारियों ने भी मुर्गे की तरह आंखें मूंद लीं।

PM के दौरे के बाद CBI जांच की मांग और एडमिनिस्ट्रेशन में हंगामा!

असगर अली ने खुद प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर एक लेटर दिया और इस पूरे लैंड माफिया स्कैंडल और करप्ट अधिकारियों की मिलीभगत की CBI जांच की पुरजोर मांग की। जैसे ही PM मोदी ने अपने बचपन के दोस्त को इंसाफ का पूरा भरोसा दिया, लोकल एडमिनिस्ट्रेशन ने उनके पेट में तेल डाल दिया। मीटिंग के अगले ही दिन मीरा-भायंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने प्रोसेस शुरू कर दिया है और सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शन्स और स्वयं बिल्डर्स के मालिकों को 16 सितंबर को हियरिंग के लिए पेश होने का सख्त समन जारी किया है। इंसाफ के लिए लड़ रहे 81 साल के इस आदमी ने साबित कर दिया है कि जब दोस्ती और इंसाफ की बात आती है, तो देश के प्रधानमंत्री हमेशा अपने बचपन के दोस्त की मदद के लिए आगे आते हैं। अब देखना यह है कि CBI पूर्व BJP MLA और स्कैम करने वाले बिल्डरों पर कब शिकंजा कसती है!

साइबर फ्रॉड से किसान की मौत: डभोई पुलिस ने बड़े धमाके के साथ ऑपरेशन पराक्रम शुरू किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई / वडोदरा। वडोदरा जिले में साइबर क्राइम के राक्षस द्वारा एक बेकसूर किसान की जान लेने के विवादित मामले में डभोई पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। कयावरोहन गांव के किसान पटेल अतुलभाई हीराभाई ने साइबर गुंडों द्वारा करोड़ों/लाखों की ठगी से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी। इस दिल दहला देने वाली घटना के संबंध में 16-11-25 को डभोई पुलिस स्टेशन में गंभीर अपराध दर्ज किया गया था। इस रहस्यमयी मामले में, आरोपी प्रकाश रमेश गजेरा, जो लंबे समय से पुलिस से बच रहा था और फरार चल रहा था, आखिरकार डभोई पुलिस की त्राटक टीम के जाल में फंस गया है। वडोदरा जिला पुलिस प्रमुख द्वारा अपराध मुक्त जिले के संकल्प के

साथ चलाए जा रहे ऑपरेशन पराक्रम के तहत, सभी फरार अपराधियों को जल्द से जल्द सलाखों के पीछे डालने के सख्त निर्देश दिए गए थे। इस अभियान के तहत, डभोई पुलिस स्टेशन के PI ए.टी. पटेल और उनकी चतुर टीम ने साइबर धोखाधड़ी के इस गंभीर अपराध में मूल रूप से अमरेली जिले के राजुला तालुका के शामदा गांव के रहने वाले और वर्तमान में सूरत में रहने वाले प्रकाश रमेश गजेरा के पीछे तकनीकी निगरानी स्थापित की थी। पुलिस को मिले CDR (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) और बेहद गोपनीय मानव स्रोत मुखबिरों के जरिए सटीक जानकारी मिली कि आरोपी प्रकाश गजेरा हर सुबह सूरत शहर के कपोद्रा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में सहजानंद हब कॉम्प्लेक्स में नाश्ते के लिए आता है। सूचना मिलते ही PI ए.टी. पटेल ने तुरंत एक विशेष पुलिस टीम बनाई और उसे सूरत की ओर भेज दिया। डभोई पुलिस टीम ने कपोद्रा के सहजानंद हब पर भेष बदलकर कड़ी निगरानी स्थापित कर दी थी। जैसे ही आरोपी प्रकाश गजेरा नाश्ते के लिए वहां पहुंचा, पुलिस ने तुरंत उसे घेर लिया और मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी प्रकाश गजेरा को डभोई पुलिस स्टेशन लाकर सख्ती से पूछताछ की गई, जिसकी वजह से कायावरोहन के किसान ने आत्महत्या कर ली।

ओधव पुलिस की छापेमारी: वाहन चोरी का एक आदतन अपराधी कीमती सामान के साथ पकड़ा गया शहर में हुई वाहन चोरी में अपराधियों की गिरफ्तारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पूर्वी क्षेत्र में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं को रोकने और अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने के लिए अहमदाबाद शहर पुलिस द्वारा एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत ओधव पुलिस स्टेशन की टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक आदतन अपराधी को पकड़ा है. ओधव पुलिस स्टेशन

के पीआई और उनकी सर्विलांस टीम अपने इलाके में गश्त पर थे. इस बीच, तकनीकी निगरानी और निजी मानव स्रोतों (मुखबिरों) के माध्यम से, कुछ विवरण प्राप्त हुए कि संदिग्ध इसाम, जो पहले कई वाहन चोरी की घटनाओं में शामिल था और चोरी के वाहनों में हेरफेर कर रहा था, ओधव क्षेत्र से गुजर रहा था। पुलिस ने सूचित स्थान पर निगरानी स्थापित की और चोरी के वाहन के साथ संदिग्ध को पकड़ लिया। गाड़ी के कागजात और मालिकाना हक के बारे में सख्ती से पूछताछ करने पर वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया और थाने लाकर गहन पूछताछ की तो उसने ओढव और आसपास के इलाकों से वाहन चोरी करने की बात कबूल कर ली।

थराद पंथक की आंगनवाड़ियों में 'गंभीर लालीवाड़ी': बच्चे सिर्फ़ कागज़ों पर, सेंटर्स पर ताले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

थराद। सरकार छोटे बच्चों के सर्वांगीण विकास, प्री-प्राइमरी शिक्षा और कुपोषण मुक्त समाज बनाने के लिए बिना सोचे-समझे करोड़ों रुपये का बजट देती है। लेकिन थराद पंथक में यह भयानक स्थिति सामने आई है कि ये सरकारी योजनाएं और आंगनवाड़ी सेंटर भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट चढ़ गए हैं। बच्चों की पढ़ाई और न्यूट्रिशन का अड्डा बनने के बजाय, थराद इलाके के ग्रामीण इलाकों की आंगनवाड़ियां कर्मचारियों की मनमानी और 'लालीवाड़ी' का बड़ा अड्डा बन गई हैं।

चौंकाने वाला मामला: कागज़ों पर मौजूदगी, असल में ज़ीरो!

कोई टाइम लिमिट नहीं: ज़्यादातर आंगनवाड़ी सेंटर तय समय पर नहीं खुलते। कर्मचारी और वर्कर अपनी मर्जी से आते-जाते हैं और जब मन करता है सेंटर पर ताला लगाकर गायब हो जाते हैं।

बच्चे तो किताबों में ही बोलते हैं: सरकारी किताबों में रजिस्टर में बच्चों की पूरी संख्या

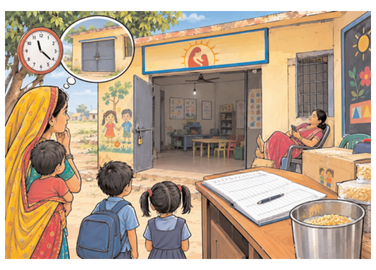

दिखाकर उन्हें साफ-सुथरा रखा जाता है, लेकिन असल में सेंटर पर बच्चों की मौजूदगी न के बराबर होती है। इस झूठी मौजूदगी के पीछे क्या गणित है?

पौष्टिक खाना कहां जाता है?: क्या गरीब और जरूरतमंद बच्चों और दूध पिलाने वाली मांओं के लिए सरकारी पौष्टिक खाना वाकई लाभार्थियों तक पहुंचता है या बिचौलियों और लापरवाह सिस्टम के पेट में पच जाता है? यह एक बड़ा सवाल है।

सफाई और सुविधाओं की कमी: कई सेंटर पर सफाई के नाम पर खानापूर्ति है। पीने के साफ पानी या बच्चों के बैठने के सही इंतजाम का भारी अभाव है।

अभिभावकों का गुस्सा: आखिर जिम्मेदार कौन? गरीब और मिडिल क्लास परिवार अपने बच्चों को आंगनवाड़ी इस उम्मीद में भेजते हैं कि उन्हें अच्छी शिक्षा और पोषण मिलेगा, लेकिन सिस्टम की सख्त निगरानी न होने के कारण बच्चों के भविष्य के साथ खुलेआम खिलवाड़ हो रहा है। लोकल पेरेंट्स गुस्से में सवाल उठा रहे हैं: 'अगर आंगनवाड़ी रेगुलर नहीं चल रही है और बच्चों को सिर्फ़ किताबों में हाज़िर दिखाया जा रहा है, तो बड़े अधिकारी आँखें क्यों मूंदे हुए हैं? क्या सुपरवाइज़र या CDPO कभी अचानक सरप्राइज़ चेक करते हैं? या वे बस टेबल पर बैठकर सब ठीक है की रिपोर्ट तैयार करते हैं? ' थराद पंथक की जनता और जागरूक गाँव वाले अब आंदोलन की हालत में हैं। सिस्टम की इस बड़ी लापरवाही के ख़िलाफ़ ज़बरदस्त गुस्सा है। अगर बड़े अधिकारियों ने तुरंत थराद पंथक की सभी आंगनवाड़ियों में ग्राउंड रिपोर्ट नहीं की और चोरी करने वाले और करप्ट कर्मचारियों के ख़िलाफ़ सस्पेंड करने समेत सख़्त एक्शन नहीं लिया, तो गाँव वालों ने आने वाले दिनों में गांधी चिंध्या की तर्ज़ पर ज़बरदस्त आंदोलन करने की भी धमकी दी है।

इस्कॉन क्रॉस रोड पर AMTS और BRTS ड्राइवरों में झड़प बस के पहिए थमे, यात्री बीच में फंसे

गलत साइड से ओवरटेक करने की कोशिश में बस को कॉरिडोर में छोड़कर ड्राइवर गायब हो गया, गुस्साए ड्राइवरों ने यात्रियों को नीचे उतारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के सबसे बिज़ी माने जाने वाले इस्कॉन क्रॉस रोड के पास पब्लिक ट्रांसपोर्ट सर्विस की बड़ी लापरवाही और ड्राइवरों की दादागिरी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। स्मार्ट सिटी अहमदाबाद की सड़कों पर हर दिन लाखों यात्रियों को उनकी मंज़िल तक पहुंचाने वाली और बसों के ड्राइवरों के बीच एक छोटी सी बात पर जमकर मारपीट हुई और पब्लिक ट्रांसपोर्ट के पहिए थम गए। इस झड़प की वजह से इस्कॉन फ्लाईओवर और कॉरिडोर के पास गंभीर ट्रैफिक जाम लग गया। गलत साइड से ओवरटेक करने पर हुआ झगड़ामिली जानकारी के मुताबिक, BRTS कॉरिडोर में एक AMTS बस के ड्राइवर ने अचानक गलत साइड से ओवरटेक करने की कोशिश की। AMTS ड्राइवर के इस खतरनाक और लापरवाही भरे ओवरटेकिंग से बस ड्राइवर भड़क गए। दोनों पक्षों के बीच लड़ाई शुरू हो गई और मामला देखते ही देखते बहुत तनावपूर्ण हो गया।ƒ स्ल्क्ष्स ड्राइवर के बस छोड़कर भाग जाने से कॉरिडोर पूरी तरह से जाम हो गया। इससे गुस्साए ड्राइवरों ने दूसरी बसों को भी मौके पर ही रोक दिया। ड्राइवरों ने तुरंत यात्रियों को बसों से उतार दिया। सुबह अपनी नौकरी, बिजनेस या कॉलेज के लिए निकले सैकड़ों यात्री सड़क पर फंस गए। ड्राइवरों की आपसी लड़ाई और बदसलूकी के कारण मासूम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस और अहमदाबाद जनमार्ग के अधिकारी मौके पर पहुंचे जैसे ही बसें पब्लिक रोड पर रुकीं और पैसेंजर गुस्सा हो गए, पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही लोकल पुलिस तुरंत इस्कॉन क्रॉस रोड पर पहुंच गई। इसके साथ और अहमदाबाद जनमार्ग लिमिटेड के सीनियर अधिकारी और विजिलेंस टीम भी मौके पर पहुंच गई। अधिकारियों और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला सुलझाया और रुकावट डालने वाली बसों को हटाकर ट्रैफिक और बस सर्विस को फिर से शुरू किया।

इस्कॉन क्रॉस रोड पर UAMTS और BRTS ड्राइवरों में झड़प: बस के पहिए थमे, यात्री बीच में फंसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के सबसे बिज़ी माने जाने वाले इस्कॉन क्रॉस रोड के पास पब्लिक ट्रांसपोर्ट सर्विस की बड़ी लापरवाही और ड्राइवरों की दादागिरी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। स्मार्ट सिटी अहमदाबाद की सड़कों पर हर दिन लाखों यात्रियों को उनकी मंज़िल तक पहुंचाने वाली और BRTS बसों के ड्राइवरों के बीच एक छोटी सी बात पर जमकर मारपीट हुई और पब्लिक ट्रांसपोर्ट के पहिए थम गए। इस झड़प की वजह से इस्कॉन फ्लाईओवर और कॉरिडोर के पास गंभीर ट्रैफिक जाम लग गया। गलत साइड से ओवरटेक करने पर हुआ झगड़ा मिली जानकारी के मुताबिक, BRTS कॉरिडोर में एक के ड्राइवर ने अचानक गलत साइड से ओवरटेक करने की कोशिश की। ड्राइवर के इस खतरनाक और लापरवाही भरे ओवरटेकिंग सेBRTS बस ड्राइवर भड़क गए। दोनों पक्षों के बीच लड़ाई शुरू हो गई और मामला देखते ही देखते बहुत तनावपूर्ण हो गया। तनाव इतना बढ़ गया कि बस ड्राइवर अपनी बस को इस्कॉन क्रॉस रोड पर और BRTS ड्राइवरों में झड़प बस के पहिए थमे, यात्री बीच में फंसे! कॉरिडोर के बीच में ही छोड़कर भाग गया। यात्रियों को बीच रास्ते में ही उतार दिया, कर्मचारी परेशान! ड्राइवर के बस छोड़कर भाग जाने से कॉरिडोर पूरी तरह से जाम हो गया। इससे गुस्साए BRTS ड्राइवरों ने दूसरी बसों को भी मौके पर ही रोक दिया। ड्राइवरों ने तुरंत यात्रियों को बसों से उतार दिया। सुबह अपनी नौकरी, बिजनेस या कॉलेज के लिए निकले सैकड़ों यात्री सड़क पर फंस गए। ड्राइवरों की आपसी लड़ाई और बदसलूकी के कारण मासूम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस और अहमदाबाद जनमार्ग के अधिकारी मौके पर पहुंचे जैसे ही बसें पब्लिक रोड पर रुकीं और पैसेंजर गुस्सा हो गए, पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही लोकल पुलिस तुरंत इस्कॉन क्रॉस रोड पर पहुंच गई। इसके साथ ही और अहमदाबाद जनमार्ग लिमिटेड के सीनियर अधिकारी और विजिलेंस टीम भी मौके पर पहुंच गई। अधिकारियों और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला सुलझाया और रुकावट डालने वाली बसों को हटाकर ट्रैफिक और बस सर्विस को फिर से शुरू किया। विजिलेंस टीम ने इस लापरवाह और लापरवाह AMTS ड्राइवर के खिलाफ सख्त कानूनी और डिसिप्लिनरी एक्शन लेने का फैसला किया है।

महाराष्ट्र का ड्रग तस्कर 10.11 लाख कीमत के कमर्शियल क्वांटिटी गांजा के साथ पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने उन ड्रग माफियाओं पर आंखें मूंद ली हैं जो अहमदाबाद शहर में युवाओं को ड्रग्स के काले धंधे में धकेल रहे हैं। दूसरे राज्यों से शहर में तस्करी करके लाए जाने वाले ड्रग्स के नेटवर्क को खत्म करने के सख्त निर्देशों के बाद, वटवा पुलिस स्टेशन के नारकोटिक्स स्क्वॉड ने एक स्टिंग ऑपरेशन किया

और एक आरोपी को 10.11 लाख कीमत के 20 द्मद् 220 ग्राम हर्बल गांजा के साथ रंगे हाथों पकड़ा। वटवा रिंग रोड पर सीक्रेट जानकारी और फिल्मी स्टाइल का जाल अहमदाबाद सेक्टर-2 के एडिशनल पुलिस कमिश्नर जयपाल सिंह राठौड़, DCP ज़ोन-8 मयूर पाटिल और 'N' डिवीज़न के ACP एन. के. व्यास के गाइडेंस में, वटवा PI ए. ए. वचेता टीम ने असामाजिक तत्वों पर कड़ी नज़र रखी हुई थी। इसी बीच, PSI एन. के. जडेजा, PSI वाई. एन. गोहिल और टीम इलाके में निगरानी कर रहे थे, तभी एक लोकल मुखबिर (A.P.O. रमेशभाई मखाभाई) से खास जानकारी मिली कि 'काली प्रिंटेड शर्ट और नीली जींस पहने एक आदमी गुलाबी और कॉफी रंग के सूटकेस में बड़ी मात्रा में नारकोटिक्स लेकर वटवा रिंग रोड पर रोपड़ा ब्रिज से गुज़रने वाला है। जानकारी मिलते ही, नारकोटिक्स स्क्वॉड ने रिंग रोड पर फिल्मी स्टाइल में लगाए गए जाल में आरोपी को घेर लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की जानकारी (हाउस नंबर 541, तिरंगा चौक के पास झुग्गी, 80 फीट रिंग रोड, शिवाजीनगर, धुले, महाराष्ट्र में रहते हैं) ओडिशा और राजकोट से सप्लाई का कनेक्शन सामने आया पुलिस की शुरुआती पूछताछ में एक इंटर-स्टेट ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश हुआ है।

सर्व समाज संगठन के जिला अध्यक्ष तामेश्वर देवांगन ने छात्रों की समस्याओं को लेकर शिक्षा मंत्री से मुलाकात की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के राजनांदगांव जिला अध्यक्ष तामेश्वर देवांगन ने जिले के पदाधिकारियों के साथ शिक्षा मंत्री से मुलाकात की और छात्रों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। श्री देवांगन ने प्रदेश अध्यक्ष मेघनाथ यादव के मार्गदर्शन में मुख्य रूप से परमानेंट जाति प्रमाण पत्र की जटिल प्रक्रिया को आसान बनाने का मुद्दा मंत्री

के सामने रखा। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव जिले के हजारों गरीब और पिछड़े वर्ग के छात्रों को प्रमाण पत्र न मिलने के कारण स्कॉलरशिप और टीचिंग जॉब के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष तामेश्वर देवांगन ने कहा कि संगठन जिला स्तर पर छात्रों के हित में लगातार सरकार को अवगत कराता रहेगा और प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रयास करता रहेगा।पर 500 जवान, स्पेशल स्क्वाड और पुलिस दोस्त

अहमदाबाद के राखियाल में नकली तेल स्कैम का पर्दाफाश 'धनियावाला ट्रेडर्स' से ब्रांडेड ब्रांड के कनस्तर ज़ब्त किए गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पूर्वी इलाके में स्थित राखियाल से लोगों की सेहत से खुलेआम समझौता करने और एक जाने-माने ब्रांड के नाम पर नकली खाने का तेल. बेचने का एक बड़ा स्कैम सामने आया है। पुलिस ने राखियाल पुलिस स्टेशन की हद में एक दुकान पर छापा मारकर एक ब्रांडेड कंपनी के नाम पर बेचे जा रहे नकली तेल की मात्रा ज़ब्त की है। मिली जानकारी के मुताबिक, हृ.य. प्रोटीन कंपनी के जाने-माने 'तिरुपति कॉटनसीड ऑयल' के नाम पर डुप्लीकेट और नकली तेल के कनस्तर बेचे जा रहे थे, इसकी खास जानकारी मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की तो दुकान से ब्रांडेड पैकिंग जैसे दिखने वाले नकली तेल के डिब्बे बड़ी मात्रा में मिले। पुलिस ने सभी संदिग्ध और नकली तेल के डिब्बे जब्त कर लिए हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। इस पूरे स्कैम में, 'धनियावाला ट्रेडर्स' के संचालक अमित कुशवाहा के खिलाफ रखियाल पुलिस स्टेशन में कॉपीराइट एक्ट और दूसरी संबंधित धाराओं के तहत औपचारिक शिकायत दर्ज की गई है।

ब्रांड नाम का गलत इस्तेमाल: असली ब्रांड की पैकिंग स्टाइल, ट्रेडमार्क और लोगो का गैर-कानूनी तरीके से इस्तेमाल करके ग्राहकों को धोखा दिया जा रहा था।

सेहत के साथ खिलवाड़ः ब्रांडेड डिब्बों में सस्ता और घटिया तेल बेचने से लोगों की सेहत पर गंभीर असर पड़ सकता है।

पुलिस आगे की जांच और नेटवर्क पर नजर रख रही है

1. ये नकली तेल के डिब्बे कहां तैयार किए गए थे?

2. इसके अलावा, यह नकली मात्रा किन और व्यापारियों या खुदरा दुकानदारों को सप्लाई की गई थी? 3. इस नकली तेल रैकेट के पीछे और कौन से बड़े गैंग या मिल मालिक शामिल हैं?

अहमदाबाद में सामने आए इस स्कैम ने कंज्यूमर्स और मार्केट में काफी चर्चा पैदा कर दी है।

सरकार का फसल लोन माफ करने से साफ इनकार, अब सिर्फ SDRF के नियमों के हिसाब से मिलेगा मुआवजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गांधीनगर से एक बड़ी खबर सामने आई है जिससे गुजरात के एग्रीकल्चर सेक्टर और किसान जगत में बड़ी हलचल मच जाएगी। राज्य सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कैबिनेट मीटिंग के बाद रिपोर्टर्स से बात करते हुए सरकार का रुख साफ करते हुए कहा कि राज्य सरकार का किसानों का फसल लोन माफ करने का कोई प्लान नहीं है। किसानों को बेमौसम बारिश, बाढ़ या कमी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के लिए मदद सिर्फ (स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड) के नियमों और गाइडलाइंस के हिसाब से ही दी जाएगी। मंत्री ऋषिकेश पटेल ने सरकार का मजबूती से साथ देते हुए कहा कि सरकार ने किसानों को आत्मनिर्भर और काबिल बनाने के लिए कई स्कीम लागू की हैं। लोन माफ करने से लंबे समय में एग्रीकल्चरल इकॉनमी को फायदा नहीं होता, लेकिन जब भी कोई प्राकृतिक आपदा आती है, तो सरकार किसानों के साथ खड़ी रहती है। प्राकृतिक आपदाओं के समय, नियमों और पॉलिसी के हिसाब से ग्राउंड लेवल पर ट्रांसपेरेंट सर्वे करने के बाद सीधे फाइनेंशियल मदद बैंक अकाउंट में जमा की जाती है। इस घोषणा के बाद पूरे राज्य के किसानों में बहुत निराशा और असंतोष है। पिछले कुछ सालों में मौसम में बार-बार बदलाव, बेमौसम बारिश, ज़्यादा बारिश और कीड़ों के प्रकोप के कारण खेती की लागत दोगुनी हो गई है। खाद, बीज, डीज़ल और मज़दूरी के दाम आसमान पर पहुँचने से आम किसान के लिए कर्ज़ का बोझ उठाना मुश्किल हो गया था। किसानों को उम्मीद थी कि सरकार कर्ज़ माफ़ी या किसी बड़े राहत पैकेज की घोषणा करेगी, लेकिन इस बयान ने किसानों की सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

साल में सिर्फ़ 21 दिन काम, बाकी 339 दिन ग्रीन वेव! करोड़ों के खर्च से चल रही गुजरात विधानसभा के काम पर गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। बहुत चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं, जो गुजरात विधानसभा के काम और लोकतंत्र की गरिमा पर गंभीर सवाल उठाते हैं। दिसंबर 2022 से सितंबर 2026 तक चार साल के समय में गुजरात विधानसभा सिर्फ़ 106 दिन ही चली है। हिसाब लगाएं तो हर साल औसतन सिर्फ़ 21 दिन ही सदन का काम हुआ है। बाकी 339 दिनों में जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये पर चलने वाले इस सिस्टम ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि स्नुऔर प्रशासन 'ग्रीन वेव' कर रहे हैं। जनता पूछ रही है कि हर दिन करोड़ों रुपये खर्च करने के बजाय ऐसे ड्रामे बंद करके विधानसभा का काम 'वर्क फ्रॉम होम' से क्यों नहीं किया जा रहा है? गुजरात साल में सबसे ज़्यादा असेंबली सेशन करने वाले देश के टॉप 15 राज्यों की लिस्ट में भी जगह नहीं बना पाया है। अगर देश के दूसरे राज्यों से तुलना करें, तो केरल 44 दिनों के सेशन के साथ पहले नंबर पर है, ओडिशा 40 दिनों के साथ दूसरे नंबर पर है और पश्चिम बंगाल और कर्नाटक 34 दिनों के साथ तीसरे नंबर पर हैं। गुजरात जैसे विकास का दावा करने वाले राज्य में असेंबली सेशन के दिन लगातार कम होते जा रहे हैं, यह बात अधिकारियों की

सोच को साफ करती है। गौरतलब है कि साल 2002 में पूर्व जस्टिस एम.एन. वेंकटचलैया की अगुवाई वाले कॉन्स्टिट्यूशन रिव्यू कमीशन ने साफ तौर पर छोटे राज्यों में साल में कम से कम 50 दिन और बड़े राज्यों में 90 दिन असेंबली सेशन करने की सिफारिश की थी। पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स के मुताबिक, पॉलिटिकल इच्छाशक्ति की भारी कमी और सरकार के जनता के सवालों और विपक्ष की आक्रामक घेराबंदी से बचने की चाहत के कारण सेशन की संख्या इतनी कम की जा रही है। चूंकि सत्ताधारी पार्टी के पास सदन में भारी बहुमत है, इसलिए स्नुभी बिलों का अध्ययन करने या जनता के बुनियादी सवाल उठाने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाते हैं। हाल ही में खत्म हुआ 15वीं गुजरात विधानसभा का तीन दिन का मानसून सेशन सिर्फ़ 18 घंटे 32 मिनट के काम के साथ खत्म हो गया। इस छोटे से सेशन के दौरान 182 में से सिर्फ़ 52 MLA ने अलग-अलग चर्चाओं में हिस्सा लिया, जबकि बाकी MLA मूक दर्शक बनकर बैठे रहे। इस छोटी सी अवधि में 7 सरकारी बिल पास हुए। सदन में पेश किए गए 135 स्टार वाले सवालों में से सिर्फ़ 29 सवालों पर ही मौखिक चर्चा हो सकी, जबकि 152 बिना स्टार वाले सवालों में से 88 सवाल सदन के पटल पर रखे गए। लोकतंत्र में विधानसभा जनता की आवाज़ उठाने की पवित्र जगह होती है। लेकिन जब करोड़ों की लागत से चलने वाले सदन में साल में सिर्फ़ 21 दिन चर्चा होती है, तो लोकतंत्र का यह ढांचा सिर्फ़ औपचारिकता बनकर रह गया है। यह कड़वा सच अब सामने आ गया है कि सरकार अपनी ज़िम्मेदारियों से बच रही है और जनता के टैक्स का पैसा बर्बाद कर रही है।

'इंसाफ़' के साथ 'इंसानियत' की मिसाल गांधीनगर डिस्ट्रिक्ट जज पिटीशनर की तकलीफ़ समझ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गांधीनगर जिला न्यायालय में आयोजित लोक अदालत के दौरान न्यायपालिका की संवेदनशीलता और इंसानियत की ऐसी मिसाल देखने को मिली, जिसने अदालत परिसर में मौजूद लोगों और कानूनी समुदाय का दिल जीत लिया। आम तौर पर न्याय पाने के लिए फरियादी अदालत तक पहुंचता है, लेकिन इस मामले में फरियादी की शारीरिक स्थिति को देखते हुए न्याय खुद उसके पास पहुंचा। गांधीनगर के मुख्य जिला जज आशीष मल्होत्रा ने अपनी अदालत से बाहर निकलकर पार्किंग स्थल में पहुंचकर एक बीमार और दिव्यांग पिटीशनर की बात सुनी और वहीं उसके मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले के समाधान की प्रक्रिया पूरी कराई। जानकारी के अनुसार लोक अदालत के दौरान एक पिटीशनर मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले के निपटारे के लिए गांधीनगर जिला न्यायालय पहुंचा था। पिटीशनर की तबीयत काफी खराब थी और वह दिव्यांग होने के कारण अदालत की ऊपरी मंजिल तक पहुंचने की स्थिति में नहीं था। ऐसे में उसके सामने न्यायालय की प्रक्रिया में शामिल होने को लेकर परेशानी खड़ी हो गई। पिटीशनर की शारीरिक स्थिति और उसकी परेशानी की जानकारी जब मुख्य जिला जज आशीष मल्होत्रा को हुई तो उन्होंने मामले को केवल प्रशासनिक या औपचारिक व्यवस्था के रूप में नहीं देखा। उन्होंने खुद पार्किंग स्थल पर जाने का निर्णय लिया। इसके बाद जज पार्किंग क्षेत्र में पहुंचे और वहीं बैठकर पिटीशनर की बात बेहद शांतिपूर्वक सुनी। पार्किंग में ही जज ने पिटीशनर से उसके मामले और समाधान को लेकर विस्तार से बातचीत की। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया को भी वहीं पूरा कराया गया। इस तरह जो व्यक्ति अपनी शारीरिक स्थिति के कारण अदालत की ऊपरी मंजिल तक नहीं पहुंच सकता था, उसे न्यायिक प्रक्रिया से वंचित होने की स्थिति नहीं आई और मौके पर ही मामले के समाधान की दिशा में कार्रवाई की गई। इस पूरे घटनाक्रम ने यह संदेश दिया कि न्याय केवल अदालत की चारदीवारी तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचना भी न्याय व्यवस्था की संवेदनशीलता का हिस्सा है। मुख्य जिला जज आशीष मल्होत्रा के इस व्यवहार की अदालत परिसर में मौजूद लोगों और कानूनी समुदाय ने खुलकर सराहना की। लोक अदालत का उद्देश्य भी आपसी सहमति और सरल प्रक्रिया के माध्यम से मामलों का समाधान कर लोगों को राहत पहुंचाना है। ऐसे में एक दिव्यांग और गंभीर रूप से बीमार पिटीशनर की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए न्यायाधीश का स्वयं उसके पास पहुंचना लोक अदालत की भावना को मानवीय रूप में सामने लाता है। इस घटना ने न्यायिक पद की गरिमा के साथ-साथ संवेदनशीलता और इंसानियत के महत्व को भी रेखांकित किया।

सेवा सहकारी समिति सुरगी की वार्षिक आमसभा संपन्न संस्था को 82 लाख रुपये का लाभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। सेवा सहकारी समिति सुरगी, विकासखंड राजनांदगांव की वार्षिक आमसभा आज दिनांक 12 सितंबर 2026 को समिति परिसर में आयोजित की गई। आमसभा में समिति के सदस्यों, किसानों एवं अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में प्राधिकृत अधिकारी श्री लीलाधर साहू द्वारा संस्था की ओर से वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने संस्था की गतिविधियों, किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों तथा समिति की प्रगति की जानकारी सदस्यों के समक्ष रखी, कृषको द्वारा बात रखने पर प्राधिकृत अधिकारी ने यथासंभव समस्या को हल करने की बात कही है। वहीं संस्था प्रबंधक श्री जितेंद्र चंद्राकर द्वारा समिति का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत करते हुए वित्तीय स्थिति की जानकारी दी गई। साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष के लिए प्रस्तावित बजट की जानकारी भी आमसभा के समक्ष रखी गई। संस्था द्वारा वर्ष के दौरान लगभग 82 लाख रुपये का लाभ अर्जित किए जाने की जानकारी दी गई। साथ ही साथ सभी कृषको आगामी धान खरीदी को देखते हुए एग्री स्टेट सभी कृषक एवं सह खातेदारों का भी जल्द से जल्द

कराने की अपील की गई। आमसभा में किसानों को कृषि संबंधी आवश्यक सामग्री एवं सेवाएं उपलब्ध कराने, संस्था की गतिविधियों को और बेहतर बनाने तथा किसानों के हित में आगामी कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में IFFCO की ओर से श्री मुकेश मिस्त्री एवं इफ्को एम सी की ओर से सूर्यकांत यादव एवं वेद प्रकाश एवं पंचायत प्रतिनिधि गुरुचरण सिन्हा, तेज प्रकाश सिन्हा सहित अन्य गणमान्य अतिथि एवं बड़ी संख्या में समिति के सदस्य और किसान भूषण साहू, अशोक साहू, जितेंद्र साहू, ताम्रध्वज साहु, भुवनेश्वर, मेवा साहू, जीवन लाल साहू, हेवन लाल, नारायण ठाकुर, गुमेश ठाकुर, कृष्ण साहु, ओमप्रकाश साहु, महेश दिवाकर, रेवाराम साहु, रामचंद्र चन्द्राकार, आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्था की उपलब्धियों एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान/स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने संस्था की कार्यप्रणाली एवं प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए भविष्य में भी किसानों के हित में और बेहतर कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की।

जैन पर्युषण महापर्व के मौके पर अहमदाबाद के पालडी में आवारा कुत्तों के लिए 90 kg मगस और चूरमा लड्डू की थाली रखी गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जैन धर्म के पवित्र और दया के त्योहार पर्युषण महापर्व के मौके पर अहमदाबाद के पालडी इलाके में दया की एक बहुत ही अनोखी, इमोशनल और प्रेरणा देने वाली मिसाल सामने आई है। पालडी में चल रही 'अनमोल एनिमल हेल्प वेलफेयर सोसाइटी' के फाउंडर अमी शाह और उनके पिता देवेनभाई शाह ने एक खास दया कैंपेन चलाया। पवित्र पर्युषण पर्व के दौरान, जहां सभी जीवों के प्रति दया, क्षमा और सद्भावना का संदेश दिया जाता है, वहीं शाह परिवार ने आस-पास के इलाकों के आवारा कुत्तों के लिए खास तौर पर 90 द्मद् शुद्ध मगस और चूरमा लड्डू तैयार किए। इस कैंपेन के तहत, सोसाइटी के सदस्य और एनिमल वेलफेयर लवर्स ने मिलकर सड़कों

पर जाकर बेसहारा जानवरों को प्यार से लड्डू खिलाए। सबसे हैरानी की बात और तारीफ़ के काबिल बात यह है कि शाह परिवार और उनकी संस्था का यह नेकी का काम कोई एक साल का दिखावा नहीं है। वे पिछले 30 सालों से हर साल पर्यूषण पर्व के दौरान यह कैंपेन बिना रुके और ईमानदारी से चला रहे हैं। सालों से चल रहा यह नेक काम आज अहमदाबाद शहर में इंसानियत और नेकी का एक बड़ा सिंबल बन गया है। लोकल लोगों, सोशल लीडर्स और एनिमल वेलफेयर लवर्स ने शाह परिवार के इस बहादुरी भरे काम की तारीफ़ की है। बेगुनाह जानवरों के प्रति इतनी सेंसिटिविटी दिखाकर उन्होंने समाज को यह मैसेज दिया है कि त्योहारों को सही मायने में सिर्फ़ अपने परिवार तक ही सीमित रखकर नहीं, बल्कि अपने आस-पास के बेसहारा जानवरों की सेवा करके भी मनाया जा सकता है।

अंबाजी, द्वारका और सोमनाथ के सरकारी सर्किट हाउस का प्राइवेटाइजेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। दुनिया भर में मशहूर पवित्र तीर्थस्थलों अंबाजी, द्वारकाजी और सोमनाथजी पर जनता के पैसे से बने सरकारी सर्किट हाउस को प्राइवेट एजेंसी को सौंपने के BJP सरकार के फैसले से पूरे राज्य में विरोध का माहौल है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के जनरल सेक्रेटरी और इंचार्ज रणदीप सिंह सुरजेवाला, प्रदेश कांग्रेस प्रेसिडेंट अमित चावड़ा और विधानसभा में नेता विपक्ष डॉ. तुषार चौधरी ने एक जॉइंट बयान में सरकार की आलोचना करते हुए इस फैसले को धर्म और आस्था के साथ सीधा धोखा बताया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि अयोध्या में 'चंदा चोर', केदारनाथ धाम में सोने की प्लेटिंग में गड़बड़ी और महाकाल धाम में भ्रष्टाचार के बाद, BJP सरकार ने अब गुजरात के पवित्र स्थलों के सरकारी सर्किट हाउस के 75 परसेंट कमरे प्राइवेट कमर्शियल बुकिंग के लिए सौंप दिए हैं। करोड़ों रुपये की लागत से बनी अरबों रुपये की सरकारी प्रॉपर्टी का 75 परसेंट हिस्सा प्राइवेट कंपनियों को सौंपना आस्था का व्यापार करने जैसा है। अगर ऑक्यूपेंसी सिर्फ़ 25 परसेंट थी, तो सरकार को अपना सिस्टम सुधारने की ज़रूरत थी, न कि भक्तों के लिए बनी प्रॉपर्टी को प्राइवेट मुनाफ़ाखोरी में धकेलने की। गुजरात कांग्रेस कमेटी के मीडिया कन्वीनर डॉ. मनीष एम. दोशी के इस बयान में BJP सरकार पर कड़े सवाल उठाए गए हैं क्या BJP सरकार इतनी कंगाल हो गई है कि वह करोड़ों भक्तों के आस्था केंद्रों के सर्किट हाउस को 1.5 करोड़ के किराए पर प्राइवेट हाथों में दे रही है? सरकार अरबों रुपये की इन प्रॉपर्टी को प्राइवेट कंपनी को देकर किस लिंक या व्यक्ति को मुनाफ़ा कमाना चाहती है? क्या प्राइवेटाइज़ेशन के बाद कमरों की बढ़ी हुई कीमतों का सीधा बोझ दर्शन करने आने वाले लाखों आम भक्तों पर नहीं पड़ेगा? क्या यही 'प्राइवेट मॉडल' अब राज्य के सभी सरकारी सर्किट हाउस पर लागू किया जाएगा और सरकारी प्रॉपर्टी बेच दी जाएंगी? कांग्रेस ने साफ चेतावनी दी है कि मंदिर और तीर्थ स्थल आस्था के केंद्र हैं, कमाई के केंद्र नहीं। अगर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और BJP सरकार इस आस्था विरोधी और प्राइवेटाइजेशन के फैसले को तुरंत वापस नहीं लेती है, तो कांग्रेस पार्टी लोगों को साथ लेकर पूरे राज्य में एक बड़ा जन आंदोलन शुरू करेगी।

CM ने वाइब्रेंट समिट और ग्लोबल इवेंट्स को देखते हुए GIFT सिटी कनेक्टिविटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। शहर और GIFT सिटी की ओर बढ़ते ट्रैफिक लोड के साथ-साथ आने वाले ग्लोबल इवेंट्स को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने गांधीनगर में 48.26 करोड़ रुपये के नए डेवलपमेंट और ट्रैफिक से जुड़े कामों की घोषणा की है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डेवलपमेंट वर्क्स प्रोग्राम में यह घोषणा की। नए कामों में गांधीनगर-कोबा-एयरपोर्ट रोड पर भाट-कोटेश्वर क्रॉसिंग पर अंडरपास, रक्षाशक्ति सर्कल से GIFT सिटी-शाहपुर तक साबरमती नदी पर पुल को मजबूत करना, GIFT सिटी से PDP तक जंक्शन और रक्षाशक्ति सर्कल से GIFT सिटी सर्कल तक रोड सेफ्टी और पेवर वर्क्स शामिल हैं।

गणेश पर्व पर पुलिस का फुल एक्शन मोडः हर पंडाल पर 500 जवान, स्पेशल स्क्वाड और पुलिस दोस्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। आने वाले गणेश उत्सव और विसर्जन को शांति, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से पूरा करने के लिए राजनांदगांव पुलिस पूरी तरह अलर्ट और सतर्क है। पुलिस सुपरिटेंडेंट सुश्री अंकिता शर्मा के नेतृत्व में गणेश उत्सव के लिए एक बड़ा सिक्योरिटी और लॉ एंड ऑर्डर प्लान तैयार किया गया है। जिले में त्योहार के दौरान करीब 500 पुलिस वाले तैनात रहेंगे। लॉ एंड ऑर्डर, क्राइम कंट्रोल, ट्रैफिक मैनेजमेंट, पंडाल सिक्योरिटी और नाइट पेट्रोलिंग पर खास जोर दिया गया है। गणेश उत्सव के दौरान क्रिमिनल और असामाजिक तत्वों पर असरदार कंट्रोल के लिए राजनांदगांव पुलिस की तरफ से स्पेशल कैंपेन चलाया जा रहा है। संदिग्ध और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों पर नज़र रखी जा रही है और उनके खिलाफ़ ज़रूरी रोकथाम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की तरफ़ से इलाके के हिसाब से जानकारी इकट्ठा करने और निगरानी को मज़बूत किया गया है ताकि किसी भी संभावित घटना को शुरुआती स्टेज में ही रोका जा सके। गणेश उत्सव के दौरान सोशल मीडिया पर भी खास नज़र रखी जाएगी। इसके लिए एक अलग सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम बनाई गई है, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैलाए जा रहे आपत्तिजनक, गुमराह करने वाले या कानून-व्यवस्था से जुड़े कंटेंट पर लगातार नज़र रखेगी और ज़रूरत पड़ने पर तुरंत कानूनी कार्रवाई पक्का करेगी। क्राइम कंट्रोल और जानकारी इकट्ठा करने को और असरदार बनाने के लिए पुलिस ने स्पेशल एंटी-क्राइम और इंटेलिजेंस कलेक्शन स्क्वॉड* बनाया है। यह टीम खास तौर पर संवेदनशील और पहचाने गए इलाकों में एक्टिव रहेगी ताकि

आपराधिक गतिविधियों, संदिग्ध लोगों और असामाजिक तत्वों पर नज़र रखी जा सके और लोकल लेवल से मिली जानकारी के आधार पर तुरंत कार्रवाई पक्का की जा सके। ट्रांसपोर्ट सिस्टम के लिए भी एक खास एक्शन प्लान तैयार किया गया है। अगले 10 दिनों में शहर के बाज़ार इलाकों में खासकर ट्रैफिक को आसान और व्यवस्थित बनाने के लिए ज़रूरी ट्रैफिक मैनेजमेंट किया जाएगा। भीड़भाड़ वाले मार्केट एरिया में, कारों और ई-रिक्शा की एंट्री तय जगहों के सामने कंट्रोल की जाएगी, ताकि आम लोगों का आना-जाना भी आसान रहे। खास हालात और ज़रूरी सेवाओं को इससे अलग रखा जाएगा। गणेश उत्सव कमेटियों के साथ पुलिस कोऑर्डिनेशन को मज़बूत करने के लिए अब तक दो फेज़ में गणेश पंडाल कमेटियों के साथ मीटिंग हो चुकी हैं। मीटिंग में सिक्योरिटी अरेंजमेंट, ट्रैफिक, पंडाल मैनेजमेंट, CCTV, भीड़ कंट्रोल, इमरजेंसी में पुलिस से कॉन्टैक्ट समेत कई ज़रूरी बातों पर चर्चा हुई है। पंडाल पुलिस मित्र' के तहत हर गणेश पंडाल के लिए एक पुलिस मित्र नियुक्त किया गया है। असरदार पेट्रोलिंग पर खास ज़ोर दिया गया है। सभी फील्ड ऑफिसर और थाना इंचार्ज अपने-अपने इलाकों में रेगुलर पेट्रोलिंग और निगरानी रखकर पुलिस की असरदार और साफ़ मौजूदगी पक्का करेंगे। खासकर रात की पेट्रोलिंग को मज़बूत रखा जाएगा, ताकि नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा बना रहे और असामाजिक तत्वों पर असरदार तरीके से लगाम लगाई जा सके। राजनांदगांव पुलिस ने साफ़ कर दिया है कि गणेश उत्सव शांति, सद्भाव और अनुशासन के साथ मनाया जाए। पुलिस की तरफ से असामाजिक और अपराधी तत्वों को साफ़ संदेश दिया गया है कि कानून-व्यवस्था पर असर डालने वाली कोई भी गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपराधी तत्व अपनी हरकतों में सुधार लाएं और कानून का पालन करें, नहीं तो उनके खिलाफ़ सख्त कानूनी कार्रवाई करके जेल भेजा जाएगा। राजनांदगांव पुलिस आम नागरिकों और गणेश उत्सव समिति से अपील करती है कि वे पुलिस के साथ तालमेल बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या कानून-व्यवस्था से जुड़ी जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

800 साल पुराने रत्नेश्वर महादेव मंदिर में दानपात्र चोरी, सीसीटीवी में कैद हुआ युवक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। शहर के आदर्श नगर स्थित करीब 800 वर्ष पुराने रत्नेश्वर महादेव मंदिर में दानपात्र चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना 11 सितंबर की सुबह की बताई जा रही है। मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक युवक दानपात्र उठाकर ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है। चोरी की वारदात सामने आने के बाद क्षेत्रवासियों में नाराजगी है। लोगों ने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर जल्द गिरफ्तार करने और चोरी हुए दानपात्र को बरामद करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार 11 सितंबर की सुबह एक युवक रत्नेश्वर महादेव मंदिर परिसर में पहुंचा। मंदिर में मौजूद गतिविधियों के बीच उसने मौका तलाशा। इसके बाद वहां रखा दानपात्र उठाया और उसे लेकर मंदिर परिसर से बाहर निकल गया। युवक के दानपात्र लेकर जाते हुए दृश्य मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गए। घटना के बाद जब मंदिर परिसर में दानपात्र नहीं मिला तो चोरी की जानकारी सामने आई। बताया जा रहा है कि दानपात्र में श्रद्धालुओं की ओर से भगवान के दर्शन और पूजा-अर्चना के दौरान चढ़ाई जाने वाली राशि जमा होती थी। मंदिर काफी पुराना और क्षेत्र में धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र होने के कारण यहां चोरी की घटना से स्थानीय लोगों में रोष है। लोगों का कहना है कि धार्मिक स्थल पर इस तरह चोरी की घटना गंभीर मामला है और आरोपी के खिलाफ जल्द कार्रवाई होनी चाहिए। घटना की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्रवासियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर युवक की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। फुटेज में युवक के दानपात्र उठाकर ले जाने की पूरी गतिविधि रिकॉर्ड होने से पुलिस को आरोपी तक पहुंचने में मदद मिलने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की जल्द पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाए। साथ ही चोरी हुए दानपात्र को बरामद कर घटना का खुलासा किया जाए।

प्रार्थना सभा को प्रभावी और विद्यालय को तीर्थ बनाने की दिशा में शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (विद्यालय शिक्षा) जिला सिरोही की ओर से 'प्रभावी प्रार्थना सभा' और 'हमारा विद्यालय, हमारा तीर्थ' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला आदर्श विद्या मंदिर राम झरोखा, सिरोही में आयोजित हुई। इसमें जिले के शिक्षकों ने भाग लेकर विद्यालयी वातावरण को अधिक प्रभावी, अनुशासित और संस्कारयुक्त बनाने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। जिला मंत्री डूंगर सिंह देवड़ा ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार राजस्थानभर में इन दोनों महत्वपूर्ण विषयों को लेकर एक दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सिरोही जिले में भी कार्यशाला आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को प्रार्थना सभा की उपयोगिता और विद्यालय को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी एवं संस्कार निर्माण का केंद्र बनाने की दिशा में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना था। कार्यशाला के पहले सत्र में 'प्रभावी प्रार्थना सभा' विषय पर परबत सिंह देवड़ा ने शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि प्रार्थना सभा केवल दिन की शुरुआत के लिए आयोजित होने वाली औपचारिक गतिविधि नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, संस्कार, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हो सकती है। उन्होंने प्रार्थना सभा को अधिक रुचिकर और प्रभावी बनाने के विभिन्न तरीकों पर विस्तार से चर्चा की तथा इसकी एक उपयोगी रूपरेखा शिक्षकों के सामने रखी। दूसरे सत्र में 'हमारा विद्यालय, हमारा तीर्थ' विषय पर लक्ष्मी नारायण खंडेलवाल ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि विद्यालय को केवल पढ़ाई का स्थान मानने के बजाय ऐसा वातावरण विकसित किया जाना चाहिए, जहां विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना भी मिले। उन्होंने विद्यालय को तीर्थ के रूप में विकसित करने में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों ने दोनों विषयों को लेकर चर्चा की और विद्यालयों में इन्हें व्यवहारिक रूप से लागू करने के तरीकों पर विचार साझा किए। आयोजन में शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता के साथ संस्कार और सकारात्मक वातावरण विकसित करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्ति प्रकोष्ठ सदस्य कानाराम प्रजापति, जिलाध्यक्ष नारायण लाल पुरोहित, जिला संगठन मंत्री विजय प्रकाश गौतम, अरविंद परमार, विनोद सरेल, गणपत राजपुरोहित, भरत सिंह राव, हिंदूराम, भरत रावल, महेश चंद्र व्यास, अनिल कुमार, खंगार सिंह राठौड़ और आनंद सिंह देवड़ा सहित अन्य पदाधिकारी एवं शिक्षक मौजूद रहे।

चुनाव की व्यस्तता के बीच जेसीबी से फोरलेन का डिवाइडर तोड़ा, अवैध कट का वीडियो सामने आने से हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेन ट्रेड GIFT सिटी कैंपस ने 'NEXUS 2026: कनेक्टिंग टैलेंट, टेक्नोलॉजी और ग्लोबल बिज़नेस' प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ किया। प्रोग्राम में Gen Z यानी आज की नई युवा पीढ़ी, नई टेक्नोलॉजी, AI और भविष्य के वर्कप्लेस जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रोग्राम में कंपनियों के HR ऑफिसर, इंडस्ट्री से जुड़े लोग, टीचर और स्टूडेंट्स शामिल हुए। प्रोग्राम का मुख्य मकसद स्टूडेंट्स और इंडस्ट्री के बीच सीधा कॉन्टैक्ट बढ़ाना था। एक्सपर्ट्स ने इस बारे में अपने आइडिया पेश किए कि नई पीढ़ी के युवाओं को जॉब में कैसे जोड़ा जाए, उन्हें आगे बढ़ने के मौके कैसे दिए जाएं और उन्हें लंबे समय तक कंपनी से कैसे जोड़ा जाए। पहली चर्चा 'वर्कप्लेस पर Gen ' टॉपिक पर हुई। डिस्कशन में ॥स्थ्र ग्लासकोट लिमिटेड और YASH ग्रुप के CHRO पार्थोल डांगर, अपलर्स और मावलर्स की डायरेक्टर दीपा मिश्रा, ज़ाइडस ग्रुप के अनिल नायर और GIFT कंपनी लिमिटेड के ष्ट॥त्र्ह विशाल छाबर मौजूद थे। डिस्कशन में कहा गया कि आज के युवाओं की नौकरी और काम करने के तरीके को लेकर उम्मीदें पिछली पीढ़ी से अलग हैं। युवा सिर्फ़ सैलरी ही नहीं, बल्कि नौकरी पर सीखने का मौका, खुद को एक्सप्रेस करने की आज़ादी, अच्छा माहौल और काम और पर्सनल लाइफ़ के बीच बैलेंस भी चाहते हैं। इसलिए, कंपनियों के लिए यह ज़रूरी है कि वे युवाओं की उम्मीदों को समझें और उसके हिसाब से काम करने का तरीका बदलें। दूसरा डिस्कशन 'ग्रेट प्लेस टू वर्क 2.0' टॉपिक पर हुआ। इसमें दीपक ग्रुप, APM टर्मिनल्स पिपावाव, अभिनंदन वेंचर्स और एस्ट्रल लिमिटेड के अधिकारी शामिल हुए। डिस्कशन में कहा गया कि AI यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वजह से ऑफिस और कंपनियों में काम करने का तरीका तेज़ी से बदल रहा है। एक्सपर्ट्स ने कहा कि टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ने के साथ-साथ कर्मचारियों के लिए काम करने का अच्छा और आसान माहौल बनाए रखना भी ज़रूरी है।

उथमन टोल पर ओवरलोड ट्रेलर का चालान बना मौत का कारण, टोलकर्मी को घसीटकर कुचला

चालान से नाराज चालक ने ताराराम मीणा को हाथ से पकड़कर दूर तक घसीटा, चलते ट्रेलर से छोड़ा तो नीचे आ गए; पाली के जार्डन टोल से वाहन जब्त, परिजनों को मुआवजे का आश्वासन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। ब्यावर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर पालडीएम क्षेत्र स्थित उथमन टोल प्लाजा पर शनिवार रात एक दर्दनाक हादसे में टोलकर्मी ताराराम मीणा की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक ओवरलोड ट्रेलर का चालान होने से नाराज चालक ने टोलकर्मी को हाथ से पकड़कर चलते वाहन के साथ काफी दूर तक घसीटा। इसके बाद जैसे ही चालक ने ताराराम को छोड़ा, वे सड़क पर गिरकर ट्रेलर के नीचे आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शनिवार रात करीब 11:17 बजे पालडीएम पुलिस और टोल प्लाजा के अधिकारी-कर्मचारियों को पुलिस नियंत्रण कक्ष से सूचना मिली कि सड़क किनारे एक कर्मचारी गंभीर हालत में पड़ा है और किसी ट्रेलर की चपेट में आने से घायल हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। वहां ताराराम मीणा गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले और उनकी हालत बेहद नाजुक थी। उन्हें तत्काल सिरोही ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस और टोल प्रबंधन को घटना की जानकारी भी करीब आधे घंटे बाद मिली। घटना के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर मौके से निकल गया था। पुलिस ने तलाश शुरू की और बाद में पाली जिले के जार्डन टोल से संबंधित वाहन को जब्त कर लिया गया। इधर, ताराराम की मौत की खबर मिलते ही परिजनों और

समाज के लोगों में आक्रोश फैल गया। शव को सिरोही अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया और परिजनों को सूचना दी गई। रविवार सुबह बड़ी संख्या में परिजन और समाज के लोग उथमन टोल प्लाजा के पास एकत्र हो गए। लोगों ने मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग उठाई। घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व विधायक संयम लोढ़ा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों से बातचीत कर उनकी मांगें सुनीं। इसके बाद टोल प्लाजा के अधिकारियों को सिरोही अस्पताल की मोर्चरी में बुलाया गया, जहां दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई। लोढ़ा की मौजूदगी में परिजनों और टोल प्लाजा प्रबंधन के बीच समझौता कराया गया। हादसे के बाद क्षेत्र में टोल कर्मचारियों की सुरक्षा और भारी वाहनों की निगरानी को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

उथमन टोल पर ओवरलोड ट्रेलर का चालान बना मौत का कारण, टोलकर्मी को घसीटकर कुचला

चालान से नाराज चालक ने टोलकर्मी ताराराम मीणा को चलते ट्रेलर के साथ घसीटा, छोड़ते ही वाहन के नीचे आए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। ब्यावर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर पालडीएम क्षेत्र स्थित उथमन टोल प्लाजा पर शनिवार रात एक दर्दनाक हादसे में टोलकर्मी ताराराम मीणा की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक ओवरलोड ट्रेलर का चालान होने से नाराज चालक ने टोलकर्मी को हाथ से पकड़कर चलते वाहन के साथ काफी दूर तक घसीटा। इसके बाद जैसे ही चालक ने ताराराम को छोड़ा, वे सड़क पर गिरकर ट्रेलर के नीचे आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शनिवार रात करीब 11:17 बजे पालडीएम पुलिस और टोल प्लाजा के अधिकारी-कर्मचारियों को पुलिस नियंत्रण कक्ष से सूचना मिली कि सड़क किनारे एक कर्मचारी गंभीर हालत में पड़ा है और किसी ट्रेलर की चपेट में आने से घायल हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। वहां ताराराम मीणा गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले और उनकी हालत बेहद नाजुक थी। उन्हें तत्काल सिरोही ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस और टोल प्रबंधन को घटना की जानकारी भी करीब आधे घंटे बाद मिली। घटना के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर मौके से निकल गया था। पुलिस ने तलाश शुरू की और बाद में पाली जिले के जार्डन टोल से संबंधित वाहन को जब्त कर लिया गया। इधर, ताराराम की मौत की खबर मिलते ही परिजनों और समाज के लोगों में आक्रोश फैल गया। शव को सिरोही अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया और परिजनों को सूचना दी गई। रविवार सुबह बड़ी संख्या में परिजन और समाज के लोग उथमन टोल प्लाजा के पास एकत्र हो गए। लोगों ने मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग उठाई। घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व विधायक संयम लोढ़ा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों से बातचीत कर उनकी मांगें सुनीं। इसके बाद टोल प्लाजा के अधिकारियों को सिरोही अस्पताल की मोर्चरी में बुलाया गया, जहां दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई। लोढ़ा की मौजूदगी में परिजनों और टोल प्लाजा प्रबंधन के बीच समझौता कराया गया। हादसे के बाद क्षेत्र में टोल कर्मचारियों की सुरक्षा और भारी वाहनों की निगरानी को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

परिणाम से पहले जैसलमेर में कांग्रेस प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी

परिणाम से पहले जैसलमेर में कांग्रेस प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी, डीजे पर जमकर थिरके पार्षद प्रत्याशी; कालबेलिया कलाकारों के साथ मस्ती का वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। नगर परिषद चुनाव के परिणाम घोषित होने से पहले जैसलमेर में बाड़ेबंदी में रखे गए जालोर कांग्रेस के पार्षद प्रत्याशियों का डांस करते हुए वीडियो सामने आया है। वीडियो में कांग्रेस के पार्षद प्रत्याशी डीजे की धुन पर नाचते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान वे कालबेलिया कलाकारों के साथ भी नृत्य और मनोरंजन करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद यह मामला राजनीतिक चर्चाओं में आ गया है। जानकारी के अनुसार जालोर नगर परिषद चुनाव के लिए 9 सितंबर को मतदान संपन्न हुआ था। मतदान के बाद कांग्रेस ने अपने पार्षद प्रत्याशियों को एकजुट रखने और परिणाम आने तक किसी तरह की राजनीतिक जोड़-तोड़ से बचाने के लिए बाड़ेबंदी करने का फैसला किया। 10 सितंबर को सभी प्रत्याशियों को बस के जरिए जैसलमेर ले जाया गया था। शनिवार शाम को बाड़ेबंदी से जुड़ा वीडियो सामने आया, जिसमें

प्रत्याशी अलग-अलग गीतों पर नृत्य करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में प्रत्याशी 'नाचेगी छोरी नाचेगी' सहित अन्य गीतों पर डीजे की धुन पर जमकर थिरकते नजर आ रहे हैं। उनके आसपास कालबेलिया कलाकार भी प्रस्तुति देते दिखाई दे रहे हैं। चुनाव परिणाम से पहले प्रत्याशियों के इस तरह मनोरंजन करते हुए वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय राजनीतिक गलियारों में इसकी चर्चा शुरू हो गई है। गर परिषद चुनाव में परिणाम आने के बाद बोर्ड गठन को लेकर राजनीतिक समीकरण बनने की संभावना रहती है। इसी को देखते हुए कांग्रेस नेतृत्व ने अपने पार्षद प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी की है। पार्टी की कोशिश है कि परिणाम घोषित होने तक सभी प्रत्याशी एकजुट रहें और किसी तरह के राजनीतिक दबाव या जोड़-तोड़ का हिस्सा न बनें। परिणाम आने के बाद अध्यक्ष पद और बोर्ड गठन को लेकर पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस के वार्ड संख्या 38, 39 और 40 के प्रत्याशी बाड़ेबंदी में शामिल नहीं हुए। बताया गया कि इन प्रत्याशियों ने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए जैसलमेर जाने से इनकार कर दिया। हालांकि पार्टी के अन्य प्रत्याशियों को जैसलमेर में एक साथ रखा गया है। नगर परिषद चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद ही तस्वीर साफ होगी कि किस दल के पास बोर्ड बनाने के लिए पर्याप्त संख्या में पार्षद हैं। फिलहाल कांग्रेस प्रत्याशियों की जैसलमेर बाड़ेबंदी और डांस का वीडियो स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

उथमन टोल पर ओवरलोड ट्रेलर का चालान बना मौत का कारण, टोलकर्मी को घसीटकर कुचला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। ब्यावर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर पालडीएम क्षेत्र स्थित उथमन टोल प्लाजा पर शनिवार रात एक दर्दनाक हादसे में टोलकर्मी ताराराम मीणा की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक ओवरलोड ट्रेलर का चालान होने से नाराज चालक ने टोलकर्मी को हाथ से पकड़कर चलते वाहन के साथ काफी दूर तक घसीटा। इसके बाद जैसे ही चालक ने ताराराम को छोड़ा, वे सड़क पर गिरकर ट्रेलर के नीचे आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शनिवार रात करीब 11:17 बजे पालडीएम पुलिस और टोल प्लाजा के अधिकारी-कर्मचारियों को पुलिस नियंत्रण कक्ष से सूचना मिली कि सड़क किनारे एक कर्मचारी गंभीर हालत में पड़ा है और किसी ट्रेलर की चपेट में आने से घायल हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। वहां ताराराम मीणा गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले और उनकी हालत बेहद नाजुक थी। उन्हें तत्काल सिरोही ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस और टोल प्रबंधन को घटना की जानकारी भी करीब आधे घंटे बाद मिली। घटना के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर मौके से निकल गया था। पुलिस ने तलाश शुरू की और बाद में पाली जिले के जार्डन टोल से संबंधित वाहन को जब्त कर लिया गया।

क्या पायलट और चौहान पर होगी कार्रवाई

टोंक में चुनाव आयोग के नियमों की उड़ी धज्जियां, पत्रकारों से बदतमीजी, नेताओं की चमचागिरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

टोंक। जिला मुख्यालय में लोकतंत्र के महापर्व के नाम पर प्रशासन ने जो भद्दा मजाक किया है, वह बेहद शर्मनाक है! चुनाव आयोग के नियम-कानून क्या सिर्फ आम आदमी और पत्रकारों को कुचलने के लिए रह गए हैं? एक तरफ पुलिस का खौफ दिखाकर पत्रकारों को जलील किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ रसूखदार नेताओं के लिए बूथ के अंदर सरेआम रेड कार्पेट बिछाए जा रहे हैं।

नियमों की कब्रगाह: पायलट और चौहान के लिए बिछा रेड कार्पेट!

चुनाव आयोग के सख्त नियमों के अनुसार किसी भी व्यक्ति को मतदान केंद्र के अंदर जाकर फोटो खिंचवाने का अधिकार नहीं है। लेकिन टोंक में कांग्रेस और भाजपा, दोनों के रसूखदारों ने इन नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ा दीं। टोंक से कांग्रेस विधायक व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट हों या भाजपा के जिला अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान–दोनों ही नेता शान से बूथ के अंदर गए और बकायदा अपनी तस्वीरें व वीडियो खिंचवाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। सवाल यह है कि जब अंदर फोटो खींचना सख्त मना है, तो इन VVIPs को यह विशेषाधिकार किसने दिया? क्या प्रशासन इन नेताओं की चाटुकारिता में नतमस्तक था?

चौथे स्तंभ का चीरहरण: सरेआम हुई 65 वर्षीय पत्रकार की बेइज्जती एक तरफ बड़े नेताओं की चमचागिरी हो रही थी, तो दूसरी तरफ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को जलील किया जा रहा था। नियम के मुताबिक जिन पत्रकारों को खुद निर्वाचन विभाग अंदर जाकर रिपोर्टिंग करने का अधिकृत कार्ड जारी करता है, उन्हें पुलिस ने धक्के मारकर बाहर निकाल दिया। हद तो तब हो गई जब टोंक के एक 65 वर्षीय वरिष्ठ पत्रकार–जिन्हें पूरा शहर सलाम करता है–उनके साथ पुलिस ने सरेआम बदतमीजी की, उन्हें धकेला और घटिया तरीके से बहस की। यह कृत्य बेहद निंदनीय है। क्या यही पत्रकारों की सुरक्षा है? क्या प्रशासन का डंडा सिर्फ सच दिखाने वालों पर ही चलता है?

कलेक्टर टीना डाबी से सीधा सवाल: क्या पायलट और चौहान पर होगी कार्रवाई?

प्रशासन का यह दोहरा चरित्र टोंक में चुनावी पारदर्शिता पर एक बदनुमा दाग है। अब टोंक की जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर टीना डाबी पर सबसे बड़ा सवालिया निशान है। क्या कलेक्टर टीना डाबी में इतनी हिम्मत है कि वह चुनाव आयोग के नियमों को ठेंगा दिखाकर बूथ के अंदर 'फोटो सेशन' करवाने वाले सचिन पायलट और चंद्रवीर सिंह चौहान पर कोई सख्त कानूनी कार्रवाई कर पाएं? या फिर उनके सारे नियम-कायदे और पुलिस की दबंगई सिर्फ एक बुजुर्ग पत्रकार को जलील करने और उन्हें बूथ से धक्के मारने के लिए ही बनी है? प्रशासन को जवाब देना ही होगा!

सम्पादकीय

गुजरात विधानसभा के इस हालिया सेशन के दौरान सदन में हुए सभी काम

गांधीनगर गुजरात विधानसभा का हालिया अहम सेशन खत्म हो गया है। सेशन की शुरुआत से लेकर आखिरी दिन तक सदन का माहौल बेहद गर्म और बहस वाला रहा। जनता के टैक्स के पैसे से चलने वाले लोकतंत्र के इस पवित्र स्थल में राज्य के करोड़ों नागरिकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों, विकास के कामों, सरकारी नीतियों और कानूनी सुधारों पर लंबी और गरमागरम बहस हुई। सदन के काम का डिटेल्ड स्टैटिस्टिकल और थीमैटिक रिव्यू

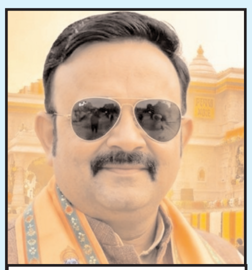

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

1. विधायकों की एक्टिविटी और बहस में हिस्सा

विधानसभा सेक्रेटेरिएट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सेशन में रूलिंग पार्टी BJP, मेन अपोज़िशन पार्टी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के ज़्यादातर विधायकों ने सदन की बहस में एक्टिवली हिस्सा लिया। विधायकों ने अपने इलाकों के लोकल मुद्दे जैसे पीने और सिंचाई का पानी, सड़कों की खस्ता हालत, हेल्थ सेंटर में डॉक्टरों की कमी और एजुकेशन के मुद्दे ज़ोरदार तरीके से उठाए। बजट के एलोकेशन और अलग-अलग सरकारी डिपार्टमेंट की मांगों पर घंटों लंबी बहस हुई।

2. क्वेश्चन एंड आंसर सेशन (क्वेश्चन पीरियड)

सेशन के दौरान क्वेश्चन एंड आंसर सेशन बहुत एग्रेसिव रहा।

विधायकों की तरफ से पेश किए गए स्टार्ड (जिनके लिए ओरल जवाब चाहिए) और अनस्टार्ड सवालों के ज़रिए सरकार को घेरने की कोशिश की गई। मंत्रियों से सरकारी रिक्रूटमेंट एग्जाम, किसानों को फसल के नुकसान का मुआवज़ा और बिजली, राज्य में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति और महंगाई जैसे मुद्दों पर जवाब देने को कहा गया। संबंधित कैबिनेट और राज्य मंत्रियों ने स्टैटिस्टिकल डिटेल्स के साथ अपने जवाब सदन के टेबल पर पेश किए। 3. लेजिस्लेटिव काम और ज़रूरी बिल सरकार ने राज्य के पूरे विकास और एडमिनिस्ट्रेटिव सुधारों के लिए सदन में कई ज़रूरी बिल पेश किए। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच बिलों पर, हर क्लॉज़ पर डिटेल में चर्चा हुई। विपक्ष ने कुछ बिलों में बदलाव का सुझाव दिया, लेकिन आखिर में सभी ज़रूरी बिल सदन में बहुमत से पास हो गए।

तीनों बड़ी राजनीतिक पार्टियों का रवैया और स्ट्रैटेजी

भारतीय जनता पार्टी : सरकार ने अपनी उपलब्धियों, डबल इंजन सरकार के फ़ायदों, राज्य के आर्थिक विकास की दर और अलग-अलग वेलफेयर स्कीमों पर सही आंकड़े पेश करके विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्रियों ने सदन को भरोसा दिलाया कि उठाए गए जनता के मुद्दों को जल्दी हल किया जाएगा। विपक्षी कांग्रेस के विधायकों ने अग्रेसिव रवैया अपनाया और किसानों के मुद्दे, फसल बीमा, महंगाई, बेरोज़गारी और MGNREG जैसे मुद्दों पर सरकार को रोकने की कोशिश की। कांग्रेस ने कुछ मुद्दों पर नाराज़गी जताते हुए सदन से वॉकआउट भी किया। आम आदमी पार्टी AAP के विधायकों ने भी अपने इलाकों के बुनियादी मुद्दों, सरकारी स्कूलों की हालत और अस्पतालों की सुविधाओं को लेकर आवाज़ उठाई और सरकार का ध्यान खींचा। सेशन के आखिर में स्पीकर ने सदन की कार्यवाही अनिश्चित समय के लिए स्थगित कर दी। अब यह देखना ज़रूरी होगा कि इस पूरे सेशन में हुई चर्चाओं और पास हुए कानूनों का असली फ़ायदा गुजरात के लोगों तक कितनी जल्दी पहुँचता है।

गांधीनगर में अपना ऑफिस बताकर उसे जाल में फंसाया, 50 लाख की डील हुई

गांधीनगर के पेठापुर में ओला-उबर टैक्सी चलाकर गुज़ारा करने वाले एक ड्राइवर से ऑस्ट्रेलियन वीज़ा दिलाने के नाम पर ?12.10 लाख की ठगी हुई। ठग एजेंट कपल ने नकली डॉक्यूमेंट्स दिए और वादे करके पैसे ऐंठ लिए, पेठापुर पुलिस स्टेशन में क्राइम रजिस्टर किया गया है। भरतपुरी अमृतपुरी गोस्वामी, जो मूल रूप से भिलोडा के नवा वंजार गांव के रहने वाले हैं और अभी पेठापुर में रह रहे हैं, अक्सर मुगल माताजी मंदिर जाते थे। सितंबर 2025 को उनकी मुलाकात वहां जयकुमार मुकेशभाई मोदी और उनकी पत्नी ईशाबेन से हुई। कपल ने दावा किया कि उनके ऑफिस गांधीनगर सेक्टर-11 और एस.जी. हाईवे, अहमदाबाद में हैं और माना जा रहा है कि वे विदेश में पैसे भेजने का बिजनेस करते हैं। कपल शिकायत करने वाले के घर गया और ऑस्ट्रेलिया में कुल 50 लाख रुपये भेजने का तय किया। लालच में आकर शिकायत करने वाले ने 7 सितंबर, 2025 को प्रॉमिसरी नोट के रूप में 50 हजार रुपये दे दिए। उसके बाद नोटरी एग्रीमेंट करके कपल के अकाउंट में टुकड़ों में कुल 14 लाख रुपये जमा करवाए, जो रिश्तेदारों से बैंक ट्रांसफर और कैश के जरिए ब्याज पर लिए गए।

राशिफल

(सोमवार) 14 सितंबर 2026

- **मेष** — मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, नए काम में सफलता के योग हैं
- **तुला** — नया अवसर मिल सकता है, रिश्तों में मधुरता और सहयोग बना रहेगा
- **वृषभ** — धन संबंधी मामलों में लाभ होगा, परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी
- **वृश्चिक** — धन लाभ के योग हैं, विवादों से दूर रहना और धैर्य रखना फायदेमंद होगा
- **मिथुन** — रुके काम पूरे होंगे, नौकरी-व्यवसाय में नई संभावनाएं मिल सकती हैं
- **धनु** — यात्रा या नए संपर्क लाभ दे सकते हैं, कार्यों में उत्साह और सफलता मिलेगी
- **कर्क** — आत्मविश्वास बढ़ेगा, महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर लेना लाभदायक रहेगा
- **मकर** — जिम्मेदारियां बढ़ेंगी लेकिन मेहनत से अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे
- **सिंह** — कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान मिलेगा, आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं
- **कुंभ** — जिम्मेदारियां बढ़ेंगी लेकिन मेहनत से अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे
- **कन्या** — मेहनत रंग लाएगी, व्यापार और नौकरी में प्रगति के अवसर मिलेंगे
- **मीन** — गांधीनगर में अपना ऑफिस बताकर उसे जाल में फंसाया

गणेशोत्सव : सृजन शक्ति, शुभारंभ और विघ्नों पर विजय का पर्व

गणेश चतुर्थी केवल भगवान गणेश की पूजा का पर्व नहीं, बल्कि सृजन, शुभारंभ और जीवन में आने वाली बाधाओं पर विजय प्राप्त करने की भारतीय चेतना का उत्सव है। यह पर्व हमें उस अद्भुत सृजन शक्ति का स्मरण कराता है, जिसका सबसे विराट स्वरूप माता पार्वती में दिखाई देता है। स्त्री केवल जीवन की जननी नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता भी है। शून्य से जीवन की रचना करने की मातृत्व शक्ति स्वयं में एक अलौकिक सृष्टि है और माता पार्वती द्वारा गणेश जी की उत्पत्ति इसी दिव्य शक्ति का प्रतीक मानी जाती है। महाराष्ट्र से आरंभ हुआ सार्वजनिक गणेशोत्सव आज उत्तर भारत सहित देश के कोने-कोने में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। भारतीय सनातन परंपरा में किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत गणेश वंदना और स्वस्तिक अंकन से करने की परंपरा है। विवाह हो या गृहप्रवेश, व्यापार का आरंभ हो या यज्ञ-अनुष्ठान—सबसे पहले गणेश जी का स्मरण किया जाता है। इसके पीछे केवल धार्मिक मान्यता नहीं, बल्कि एक गहरा जीवन-दर्शन भी छिपा है। किसी भी नए कार्य की शुरुआत करने से पहले बुद्धि, विवेक और धैर्य की आवश्यकता होती है और भगवान गणेश इन्हीं गुणों के प्रतीक हैं। गणेश जी को विघ्नहर्ता और प्रथम पूज्य कहा गया है। मान्यता है कि जहां गणेश जी की आराधना होती है, वहां ऋद्धि-सिद्धि का वास होता है और शुभ-लाभ की प्राप्ति होती है। ऋद्धि और सिद्धि को गणेश जी की पत्नियों तथा शुभ और लाभ को उनके पुत्रों के रूप में माना गया है। इसीलिए गणेश पूजन केवल विघ्नों को दूर करने की प्रार्थना नहीं, बल्कि जीवन में समृद्धि, सफलता और सद्बुद्धि के संतुलन की कामना भी है। इस वर्ष भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी 14 सितंबर 2026, सोमवार को प्रातः 7 बजकर 14 मिनट से प्रारंभ हो रही है। गणेश जी की स्थापना के लिए मध्यान्ह काल में अभिजीत मुहूर्त प्रातः 11 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक रहेगा। हालांकि स्थान के अनुसार सूर्योदय और सूर्यास्त के समय में अंतर होने से मुहूर्त में कुछ मिनट का अंतर संभव है।

चंद्रास्त रात्रि 7 बजकर 49 मिनट पर होगा। ज्योतिषीय दृष्टि से भी इस बार गणेश चतुर्थी को विशेष माना जा रहा है। चित्रा नक्षत्र दोपहर 3 बजकर 16 मिनट तक रहेगा, जिसके बाद स्वाति नक्षत्र का संचरण होगा। सूर्य अपनी राशि सिंह में और शुक्र अपनी राशि तुला में स्थित हैं। चंद्रमा भी तुला राशि में रहेगा। वहीं देवगुरु बृहस्पति का उच्च राशि कर्क में होना इस पर्व की विशेषता को और बढ़ाता है। इन ग्रह स्थितियों को शुभता, विवेक और सकारात्मक ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है। गणेश जी केवल विघ्नहर्ता ही नहीं, बल्कि ज्ञान और लेखन के भी प्रतीक हैं। महाभारत की रचना में वेदव्यास जी के साथ गणेश जी की भूमिका का उल्लेख भारतीय परंपरा में मिलता है। यही कारण है कि गणेश जी को बुद्धि, स्मृति, ज्ञान और लेखन का अधिष्ठाता भी माना जाता है। उनका स्वरूप हमें यह संदेश देता है कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए केवल शक्ति नहीं, बल्कि विवेक और दूरदृष्टि भी आवश्यक है।

ऋग्वेद में कहा गया है—
न ऋते त्वम् क्रियते किं चनारे''
ऋग्वेद 10.12.9

अर्थात् हे गणेश! तुम्हारे बिना कोई भी कार्य प्रारंभ नहीं किया जाता। गणेशोत्सव का वास्तविक संदेश शायद यही है कि जीवन में कोई भी नया कदम केवल उत्साह में नहीं, बल्कि बुद्धि, संयम और सकारात्मक संकल्प के साथ उठाया जाए। विघ्न जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं। हर नई शुरुआत के सामने कठिनाइयां आती हैं, लेकिन उनका सामना करने का साहस ही व्यक्ति और समाज को आगे बढ़ाता है। आज जब जीवन तेजी से बदल रहा है, प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और मनुष्य अनेक प्रकार के तनाव और अनिश्चितताओं से घिरा हुआ है, तब गणेशोत्सव का संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। गणेश जी का बड़ा मस्तक हमें व्यापक सोच, बड़े कान धैर्यपूर्वक सुनने, छोटी आंखें लक्ष्य पर एकाग्रता और बड़ा उदर परिस्थितियों को सहजता से स्वीकार करने की प्रेरणा देता है। इसलिए गणेश चतुर्थी केवल प्रतिमा स्थापना और विसर्जन तक सीमित पर्व नहीं होना चाहिए। यह आत्मचिंतन का अवसर भी बने। हम अपने भीतर के अहंकार, अज्ञान, क्रोध और अविवेक जैसे विघ्नों का विसर्जन करें और बुद्धि, विवेक, करुणा, परिश्रम तथा सद्भाव को जीवन में स्थापित करें। गणपति की आराधना का सार यही है—शुभ कार्य का संकल्प हो, बुद्धि का प्रकाश हो, कर्म में निरंतरता हो और बाधाओं के सामने मन विचलित न हो। जब सृजन की शक्ति, विवेक की बुद्धि और कर्म का संकल्प एक साथ चलते हैं, तभी व्यक्ति, समाज और राष्ट्र वास्तविक प्रगति की ओर बढ़ते हैं।

गणपति बप्पा मोरया। विघ्नों का नाश हो, सद्बुद्धि का प्रकाश हो और प्रत्येक शुभ संकल्प सफल हो।

जिस माता-पिता ने जीवन दिया, उनकी वृद्धावस्था को अकेलापन न दें

मनुष्य के जीवन में अनेक रिश्ते आते हैं, लेकिन माता-पिता का रिश्ता ऐसा होता है, जिसमें कोई स्वार्थ नहीं होता। संतान के जन्म से लेकर उसे अपने पैरों पर खड़ा करने तक माता-पिता अपनी अनेक इच्छाओं का त्याग करते हैं। संतान की खुशी में अपनी खुशी और संतान के दुःख में अपना दुःख देखने वाले माता-पिता जब वृद्ध होते हैं, तब उन्हें सबसे अधिक आवश्यकता होती है—संतानों के प्रेम, समय और साथ की। बचपन में जब हम गिर जाते थे, तब माता-पिता हमें उठाते थे। रात में बुखार आता था, तब अपनी नींद भूलकर हमारे सिर पर हाथ फेरते थे। हमारी छोटी-सी जरूरत के लिए भी वे अपनी बड़ी जरूरत को पीछे रख देते थे। लेकिन समय का चक्र ऐसा है कि एक दिन उन्हीं माता-पिता के कदम धीमे पड़ जाते हैं, याददाश्त कुछ कमजोर हो जाती है और शरीर को सहारे की जरूरत पड़ने लगती है। आज की भरी जिंदगी में संतान नौकरी, व्यवसाय और परिवार की

जिम्मेदारियों में व्यस्त रहती है। परिणामस्वरूप कई बार घर में माता-पिता मौजूद होते हुए भी उनसे बात करने वाला कोई नहीं होता। वृद्धावस्था का सबसे बड़ा दर्द कई बार बीमारी नहीं, बल्कि अकेलापन होता है। वृद्ध माता-पिता को हमेशा महंगे उपहारों या आलीशान सुविधाओं की जरूरत नहीं होती। उन्हें तो कोई प्रेम से पूछ ले, 'पिताजी, आज कैसे हैं?' या 'माँ, दवा ले ली?' इतना भर भी उनके चेहरे पर संतोष की मुस्कान ला सकता है। वे बार-बार पुरानी बातें करें तो उनसे ऊबें नहीं। वे एक ही बात दोबारा पूछें तो उन पर गुस्सा न करें। उनके कदम धीमे हो गए हों तो उनके साथ दो कदम धीमे चलें। क्योंकि एक दिन हमारे कदम भी धीमे पड़ेंगे और तब हमें भी किसी के धैर्यपूर्ण साथ की जरूरत होगी। माता-पिता की सेवा केवल हमारा कर्तव्य नहीं, बल्कि अपने जीवन के प्रति हमारी कृतज्ञता है। संतान अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देना चाहती है तो इसकी शुरुआत घर के बुजुर्गों के प्रति अपने व्यवहार से करनी चाहिए। क्योंकि बच्चे उपदेशों से अधिक हमारे व्यवहार से सीखते हैं। आज हम अपने माता-पिता को जो मान-सम्मान देंगे, कल हमारे बच्चे भी उन्हीं संस्कारों को आगे बढ़ाएंगे पैसा फिर कमाया जा सकता है, घर फिर बनाया जा सकता है और खोई हुई कई चीजें फिर हासिल की जा सकती हैं। लेकिन माता-पिता के साथ बिताया हुआ खोया समय वापस नहीं पाया जा सकता। उनके निधन के बाद तस्वीर के सामने दीपक जलाया जा सकता है, श्रद्धांजलि दी जा सकती है, लेकिन जीवित रहते हुए उनकी बगल में बैठकर की गई दो मिनट की बातचीत का स्थान कोई नहीं ले सकता। इसलिए जब तक माता-पिता हमारे साथ हैं, तब तक उनकी कीमत समझें। उनकी छोटी-सी जरूरत को बोझ न समझें। उनकी वृद्धावस्था को अपने जीवन की बाधा नहीं, बल्कि हमारी सेवा और संस्कार की कसौटी मानें। जिसने हमें उंगली पकड़कर चलना सिखाया था, आज उसी उंगली को हमारे हाथ की जरूरत है। आइए, उनके जीवन की संध्या को अकेलेपन से नहीं, बल्कि सम्मान, प्रेम और आत्मीयता से रोशन करें।

सदन में बहसों का महासंग्राम, जानें सभी कामों की सटीक डिटेल्स

विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी ऑफिशियल आंकड़े

गांधीनगर। गुजरात विधानसभा का हालिया अहम सेशन खत्म हो गया है। सेशन की शुरुआत से लेकर आखिरी दिन तक सदन का माहौल बेहद गर्म और बहस वाला रहा। जनता के टैक्स के पैसे से चलने वाले लोकतंत्र के इस पवित्र स्थल में राज्य के करोड़ों नागरिकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों, विकास के कामों, सरकारी नीतियों और कानूनी सुधारों पर लंबी और गरमागरम बहस हुई। सदन के काम का डिटेल्ड स्टैटिस्टिकल और थीमैटिक रिव्यू

1. विधायकों की एक्टिविटी और बहस में हिस्सा:

विधानसभा सेक्रेटेरिएट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सेशन में रूलिंग पार्टी BJP, मेन अपोज़िशन पार्टी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के ज़्यादातर विधायकों ने सदन की बहस में एक्टिवली हिस्सा लिया।

विधायकों ने अपने इलाकों के लोकल मुद्दे जैसे पीने और सिंचाई का पानी, सड़कों की खस्ता हालत, हेल्थ सेंटर में डॉक्टरों की कमी और एजुकेशन के मुद्दे ज़ोरदार तरीके से उठाए।

बजट के एलोकेशन और अलग-अलग सरकारी डिपार्टमेंट की मांगों पर घंटों लंबी बहस हुई।

2. क्वेश्चन एंड आंसर सेशन (क्वेश्चन पीरियड):

सेशन के दौरान क्वेश्चन एंड आंसर सेशन बहुत एग्रेसिव रहा।

विधायकों की तरफ से पेश किए गए स्टार्ड (जिनके लिए ओरल जवाब चाहिए) और अनस्टार्ड सवालों के ज़रिए सरकार को घेरने की कोशिश की गई। मंत्रियों से सरकारी रिक्रूटमेंट एग्जाम, किसानों को फसल के नुकसान का मुआवज़ा और बिजली, राज्य में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति और महंगाई जैसे मुद्दों पर जवाब देने को कहा गया। संबंधित कैबिनेट और राज्य मंत्रियों ने स्टैटिस्टिकल डिटेल्स के साथ अपने जवाब सदन के टेबल पर पेश किए।

3. लेजिस्लेटिव काम और ज़रूरी बिल

सरकार ने राज्य के पूरे विकास और एडमिनिस्ट्रेटिव सुधारों के लिए सदन में कई ज़रूरी बिल पेश किए। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच बिलों पर, हर क्लॉज़ पर डिटेल में चर्चा हुई।

विपक्ष ने कुछ बिलों में बदलाव का सुझाव दिया, लेकिन आखिर में सभी ज़रूरी बिल सदन में बहुमत से पास हो गए। तीनों बड़ी राजनीतिक पार्टियों का रवैया और स्ट्रैटेजी

भारतीय जनता पार्टी: सरकार ने अपनी उपलब्धियों, डबल इंजन सरकार के फ़ायदों, राज्य के आर्थिक विकास की दर और अलग-अलग वेलफेयर स्कीमों पर सही आंकड़े पेश करके विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया।

मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्रियों ने सदन को भरोसा दिलाया कि उठाए गए जनता के मुद्दों को जल्दी हल किया जाएगा। विपक्षी कांग्रेस के विधायकों ने अग्रेसिव रवैया अपनाया और किसानों के मुद्दे, फसल बीमा, महंगाई, बेरोज़गारी और MGNREGA जैसे मुद्दों पर सरकार को रोकने की कोशिश की। कांग्रेस ने कुछ मुद्दों पर नाराज़गी जताते हुए सदन से वॉकआउट भी किया। आम आदमी पार्टी के विधायकों ने भी अपने इलाकों के बुनियादी मुद्दों, सरकारी स्कूलों की हालत और अस्पतालों की सुविधाओं को लेकर आवाज़ उठाई और सरकार का ध्यान खींचा।

दस हजार का लालच और दस लाख का जहर

नशे के कारोबार का खतरनाक चेहरा

अहमदाबाद में 20.220 किलो गांजे के साथ एक युवक की गिरफ्तारी सिर्फ एक पुलिस कार्रवाई भर नहीं है। यह घटना नशे के उस खतरनाक कारोबार की एक झलक है, जिसमें हजारों रुपये नहीं बल्कि युवाओं की मजबूरियां खरीदी जाती हैं और बदले में समाज को नशे का जहर परोसा जाता है। मामले में पुलिस के अनुसार महाराष्ट्र के एक युवक को महज 10 हजार रुपये के बदले ओडिशा से गांजा लाकर राजकोट तक पहुंचाने के लिए तैयार किया गया था। उसके पास से बरामद गांजे की कीमत करीब 10.11 लाख रुपये बताई गई है। यानी जिस व्यक्ति को कुछ हजार रुपये का लालच दिया गया, उसके हाथों लाखों रुपये का नशीला माल पहुंचाने की कोशिश की जा रही थी। सबसे गंभीर सवाल यही है कि नशे का असली लाभार्थी कौन है? जो युवक पकड़ा गया, वह पुलिस जांच में आरोपी है और कानून अपना काम करेगा। लेकिन यदि आर्थिक तंगी का फायदा उठाकर उसे इस अवैध धंधे में इस्तेमाल किया गया है, तो यह समस्या कहीं अधिक गहरी है। नशे का कारोबार अब केवल नशा बेचने वालों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके पीछे ऐसे नेटवर्क भी सक्रिय हो सकते हैं जो कमजोर आर्थिक स्थिति वाले लोगों को आसान कमाई का सपना दिखाकर अपना मोहरा बनाते हैं। यहां समाज को भी एक कठिन सवाल खुद से पूछना होगा। क्या बेरोजगारी, आर्थिक दबाव और जल्दी पैसा कमाने की चाह युवाओं को अपराध की ओर धकेल रही है? यदि इसका उत्तर हां है, तो केवल गिरफ्तारी से समस्या समाप्त नहीं होगी। पुलिस को उस व्यक्ति तक पहुंचना होगा जो बैग लेकर चलने वाले युवक के पीछे था। ओडिशा से अहमदाबाद और फिर राजकोट तक पहुंची इस कथित खेप की पूरी कड़ी सामने आनी चाहिए। गांजा कहां से आया, किसने उपलब्ध कराया, किसने परिवहन की व्यवस्था की और अंतिम खरीदार कौन था—इन सवालों के जवाब नशे के नेटवर्क की असली तस्वीर सामने ला सकते हैं। नशे के खिलाफ लड़ाई में सबसे बड़ी गलती यह होगी कि केवल छोटे वाहक को पकड़कर कार्रवाई को सफलता मान लिया जाए। असली सफलता तब होगी, जब उस नेटवर्क की जड़ तक पहुंचा जाए जो युवाओं को लालच देता है, नशे का बाजार तैयार करता है और समाज की नई पीढ़ी को धीरे-धीरे खोखला करता है। दस हजार रुपये किसी व्यक्ति की तत्काल जरूरत पूरी कर सकते हैं, लेकिन नशे का कारोबार एक पूरी पीढ़ी की कीमत वसूल सकता है। इसलिए जरूरत सिर्फ कानून की सख्ती की नहीं, बल्कि रोजगार, जागरूकता, परिवार और समाज की जिम्मेदारी को मजबूत करने की भी है। नशे का कारोबार केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं है। यह सामाजिक भविष्य का सवाल है। एक युवक आज दस हजार के लालच में गांजा ढोता है, तो कल कोई दूसरा इससे भी बड़े लालच में अपराध की राह पकड़ सकता है। इसलिए सवाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि पुलिस ने गांजा किससे पकड़ा। सवाल यह भी होना चाहिए—गांजे की वह खेप भेजने वाला कौन था, और उसके पीछे खड़ा पूरा नेटवर्क आखिर कब पकड़ा जाएगा?

प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली समेत 50-60 कार्यकर्ताओं पर एफआईआर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्रावस्ती। जिला मुख्यालय भिनगा में बिना अनुमति सड़क पर शक्ति प्रदर्शन और रोड शो करना एआईएमआईएम नेताओं और कार्यकर्ताओं को भारी पड़ गया। पुलिस ने पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली, हाजी दद्दन खां समेत करीब 50 से 60 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद जिले के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। मामले में पुलिस ने रोड शो के लिए अनुमति नहीं लिए जाने को कार्रवाई का आधार बताया है। बताया जा रहा है कि बसपा से निष्कासित नेता हाजी दद्दन खां को एआईएमआईएम में शामिल कराने के लिए शनिवार को बड़ी संख्या में समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता जुटे थे। इसी दौरान समर्थकों के काफिले के साथ भिनगा शहर में शक्ति प्रदर्शन और रोड शो निकाला गया। पुलिस के अनुसार, सार्वजनिक मार्ग पर जुलूस निकालने के लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली गई थी। इसके बाद पुलिस ने काफिले को रोकने की कार्रवाई शुरू कर दी। भिनगा कोतवाली के पास पहुंचते ही पुलिस ने काफिले को रोक लिया। मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया और एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली समेत अन्य नेताओं से पूछताछ की गई। पुलिस ने रोड शो को आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद मामले में शामिल लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। दद्दन खां की एआईएमआईएम में एंट्री भी इस पूरे घटनाक्रम का अहम हिस्सा मानी जा रही है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, हाजी मोइनुद्दीन उर्फ दद्दन खां ने बाद में एआईएमआईएम की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने सिरसिया स्थित उनके आवास पर उन्हें पार्टी में शामिल कराया। उनके साथ कई स्थानीय समर्थकों और नेताओं के भी पार्टी में आने की बात सामने आई है। दद्दन खां इससे पहले बहुजन समाज पार्टी से जुड़े थे और भिनगा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव भी लड़ चुके हैं। अगस्त में बसपा ने उन्हें संगठनात्मक अनुशासन से जुड़े आरोपों के बीच पार्टी से निष्कासित किया था। इसके बाद से ही उनके अगले राजनीतिक कदम को लेकर जिले में चर्चाएं चल रही थीं।

पुल पर मिले जूते और कथित सुसाइड नोट; तलाश में जुटी पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

फतेहपुर। बांदा-फतेहपुर सीमा पर स्थित यमुना पुल पर शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब 19 वर्षीय इंटरमीडिएट की छात्रा ने कथित तौर पर नदी में छलांग लगा दी। छात्रा की पहचान संगीता यादव पुत्री शिवकुमार यादव, निवासी कठार गांव, थाना कमासिन, जनपद बांदा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि छात्रा पुल पर अपने जूते-चप्पल और कथित सुसाइड नोट छोड़कर उफनती यमुना में कूद गई। घटना की जानकारी सामने आते ही पुल पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बांदा और फतेहपुर पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और छात्रा की तलाश के साथ पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। पुल पर छात्रा के जूते-चप्पल और कथित सुसाइड नोट मिलने के बाद पुलिस ने मौके से जरूरी जानकारी जुटाई। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि छात्रा पुल तक कैसे पहुंची और नदी में छलांग लगाने से पहले उसके साथ क्या घटनाक्रम हुआ। कथित सुसाइड नोट में क्या लिखा है और उसमें किन कारणों का उल्लेख किया गया है, इसकी भी जांच की जा रही है। तेज बहाव के कारण तलाश में चुनौती यमुना में इन दिनों पानी का बहाव तेज बताया जा रहा है। ऐसे में नदी में छात्रा की तलाश करना राहत और बचाव टीमों के लिए चुनौती बना हुआ है। पुलिस ने राज्य आपदा मोचन बल को भी सूचना दी है। इसके बाद नदी में तलाश अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस और राहत दल संभावित स्थानों पर लगातार खोजबीन कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही छात्रा के परिवार में कोहराम मच गया। परिजन मौके पर पहुंचे और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लोग छात्रा के सुरक्षित मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं। फिलहाल छात्रा का कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें यमुना नदी में लगातार तलाश अभियान चला रही हैं। छात्रा ने यह कदम क्यों उठाया, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है।

सुरक्षा व्यवस्था में खर्च किए जाएंगे 23 करोड़ रुपये, जानिए पूरा प्लान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। शासन ने राम जन्मभूमि परिसर, गोरखनाथ मंदिर, जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा और पुलिस बल को आधुनिक बनाने के लिए एक साथ कई बड़े खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी है। सिर्फ गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को एआई आधारित निगरानी प्रणाली से लैस करने पर 23.07 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जबकि राम मंदिर और अन्य अति संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए विशेष हथियार और उपकरण खरीदे जाएंगे। मंदिर की सुरक्षा में खर्च होंगे 23 करोड़ रुपये सबसे बड़ा खर्च गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा के लिए किया गया है, जहां मौजूदा सीसीटीवी नेटवर्क को एआई आधारित सर्विलांस सिस्टम, फेशियल रिकग्निशन सिस्टम, ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर), इंटीग्रेटेड पब्लिक एड्रेस सिस्टम और इंटीग्रेटेड कमांड ऐंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा जाएगा। 392 कैमरों के लिए वीडियो मैनेजमेंट सिस्टम इंटीग्रेशन तैयार होगा। वीवीआईपी रूट, हेलिपैड और प्राचीन मानसरोवर मंदिर क्षेत्र तक निगरानी का दायरा बढ़ाया जाएगा। इसके लिए 23.07 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। आधुनिक टियर स्मोक म्यूनिशन दिए जाएंगे प्रदेश पुलिस को कानून-व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए आधुनिक टियर स्मोक म्यूनिशन (धुएं वाले बम) उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसमें 20000 टियर स्मोक शेल, 10000 टियर स्मोक ग्रेनेड, 10000 स्टन ग्रेनेड, 5000 पावा ग्रेनेड, 4000 डाई मार्कर ग्रेनेड, 3000 कैंडल स्मोक समेत विभिन्न श्रेणी के उपकरण शामिल हैं। इस पर 10.25 करोड़ रुपये खर्च होंगे। राम मंदिर, हाईकोर्ट और लोकभवन के लिए QRT अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर परिसर, एयरपोर्ट, लोकभवन, मेट्रो, आरआरटीएस, हाईकोर्ट और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए यूपीएसएसफ की त्वरित प्रतिक्रिया टीम और बम निरोधक दस्तों को नई क्षमताएं दी जाएंगी। इसके तहत तीन स्नाइपर राइफल और 14 टेलीस्कोपिक सर्च मिरर खरीदे जाएंगे। इस पर 52.60 लाख रुपये खर्च होंगे। जनप्रतिनिधियों और VVIP की सुरक्षा होगी और मजबूत जनप्रतिनिधियों और वीवीआईपी की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पुराने हथियारों की जगह 800 नई 9 एमएम सब मशीन गन और 2.56 लाख कारतूस खरीदे जाएंगे। इस खरीद पर 5.59 करोड रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा पीएसी की तीन महिला बटालियनों के लिए 373 पिस्टल और 90 ऑटोमैटिक असॉल्ट राइफलें खरीदी जाएंगी, जिस पर 1.94 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

गोंडा में विनोद साहनी के परिवार से मिलने जा रहे चंद्रशेखर आजाद बाराबंकी में रोके गए, पुलिस से तीखी बहस और धक्का-मुक्की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाराबंकी। गोंडा के कारोबारी विनोद साहनी की हत्या के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। पीड़ित परिवार से मिलने गोंडा जा रहे नगीना सांसद और भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद को रविवार को बाराबंकी जिले में शाहवपुर टोल गेट के पास पुलिस ने रोक लिया। काफिला रोके जाने के बाद चंद्रशेखर आजाद और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी बहस हुई। इस दौरान उनके समर्थकों और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। घटना के बाद मौके पर काफी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। काफिला रोके जाने की जानकारी मिलते ही चंद्रशेखर आजाद अपने वाहन से नीचे उतरे और पुलिस अधिकारियों के पास पहुंचे।

उन्होंने पुलिस से गोंडा जाने से रोकने का कारण पूछा। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बहस होती रही। आजाद ने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताई और अपने समर्थकों के साथ वहीं धरने पर बैठ गए। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि पीड़ित परिवार से मिलना उनका अधिकार है और वह विनोद साहनी के परिजनों का दुख बांटने के लिए गोंडा जा रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर किसी कारोबारी की हत्या के बाद उसके परिवार से मिलने जाने वाले नेताओं को भी रोका जाएगा तो यह गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में सरकार और प्रशासन को जिम्मेदारी लेनी होगी। आजाद ने कहा कि वह विनोद साहनी से करीब दो महीने पहले मिले थे। उनके मुताबिक, विनोद साहनी आगामी विधानसभा चुनाव में करनैलगंज क्षेत्र से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हत्या की घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है और सरकार को पीड़ित परिवार की सुरक्षा तथा आर्थिक मदद के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। पीड़ित परिवार के लिए बड़ी मांगें चंद्रशेखर आजाद ने सरकार से विनोद साहनी के परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने और एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि परिवार को न्याय मिलने तक वह उनके साथ खड़े रहेंगे। इस बीच पुलिस की ओर से काफिला रोके जाने को लेकर अभी विस्तृत आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है। हाल ही में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को भी विनोद साहनी के परिवार से मिलने गोंडा जाते समय इसी शाहवपुर टोल के पास रोका गया था और उन्हें मसौली थाने ले जाया गया था। विनोद साहनी हत्याकांड के बाद अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं के गोंडा पहुंचने की कोशिशों से मामला लगातार राजनीतिक रूप लेता जा रहा है। चंद्रशेखर आजाद को रोके जाने के बाद समर्थकों में नाराजगी देखी गई। फिलहाल पुलिस और प्रशासन की निगरानी में स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

ग्वालियर में बच्चों से भरी स्कूल बस पर फायरिंग! पहले चालक को पीटा, फिर दागीं 4 गोलियां, बस में सवार थे 50 से ज्यादा बच्चे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में बच्चों से भरी स्कूल बस पर फायरिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। डबरा के पिछोर थाना क्षेत्र में बड़ी अकबई गांव के पास सड़क पर खड़ी कार को हटाने को लेकर स्कूल बस चालक और कार सवार युवकों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर कार सवार युवकों ने पहले बस चालक के साथ मारपीट की और इसके बाद कट्टे से चार राउंड फायर कर दिए। घटना के समय बस में 50 से ज्यादा बच्चे सवार थे। गनीमत रही कि फायरिंग में किसी बच्चे को चोट नहीं आई। हालांकि बस चालक छर्रे लगने से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, स्कूल बस चालक खेम सिंह बच्चों को लेकर बड़ी अकबई गांव के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान सड़क पर एक कार खड़ी थी, जिसकी वजह से बस को आगे निकलने में परेशानी हो रही थी। चालक ने कार सवार युवकों से वाहन हटाने के लिए कहा। आरोप है कि युवकों ने बताया कि कार का पेट्रोल खत्म हो गया है और इसी वजह से उसे सड़क से हटाना संभव नहीं है। इसके बाद बस चालक ने कार को धक्का देकर सड़क के किनारे करने

की बात कही। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोप है कि कार सवार युवकों ने बस चालक खेम सिंह के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के बाद फायरिंग से मची दहशत आरोप है कि विवाद के दौरान युवकों ने कट्टा निकाल लिया और बस चालक की ओर चार राउंड फायर कर दिए। गोली चलने की आवाज से बस में बैठे बच्चों में दहशत फैल गई। अचानक हुई फायरिंग से बच्चे घबरा गए। इस दौरान बस चालक को छर्रे लग गए और वह घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और बस चालक तथा मौजूद लोगों से घटना की जानकारी ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी सौरभ कुमार ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शुरू की आरोपियों की तलाश घटना के बाद कार सवार युवक मौके से फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस अब उनकी पहचान और तलाश में जुटी है। आसपास के क्षेत्र में लगे कैमरों की फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। घायल बस चालक को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए ग्वालियर रेफर किया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि फायरिंग के दौरान बस में 50 से ज्यादा बच्चे मौजूद होने के बावजूद किसी बच्चे को चोट नहीं आई। मामूली विवाद के बाद खुलेआम हुई फायरिंग ने स्कूल बसों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सतना में छात्रा को सुनसान जगह ले जाकर बेरहमी से पीटा, संबंध बनाने से इनकार पर सहेलियों पर गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सतना। मध्य प्रदेश के सतना में कॉलेज में पढ़ने वाली एक छात्रा के साथ कथित तौर पर मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि छात्रा ने कॉलेज में पढ़ने वाले एक युवक के साथ संबंध बनाने से इनकार किया तो उसके साथ पढ़ने वाली एक छात्रा और उसकी तीन सहेलियों ने उसे सुनसान जगह पर ले जाकर बेरहमी से पीटा। इस घटना का वीडियो करीब 38 दिन बाद सामने आया, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। कोलगवां थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के अनुसार, कॉलेज का एक छात्र उसे लगातार संदेश भेजकर परेशान कर रहा था। छात्रा ने जब उसे फटकार लगाई तो उसके साथ कॉलेज में पढ़ने वाली और पड़ोस में रहने वाली एक अन्य छात्रा ने उस पर उक्त युवक के साथ संबंध बनाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। पीड़िता ने इसका विरोध किया और साफ तौर पर इनकार कर दिया। आरोप है कि इसके बाद छात्रा को सबक सिखाने की योजना बनाई गई। 6 अगस्त को आरोपी छात्रा बाजार जाने के बहाने पीड़िता को अपनी स्कूटी पर बैठाकर ले गई। कुछ देर शहर में

घूमने के बाद उसे रिश्तेदार के घर जाने की बात कहकर उतैली स्थित नगर वन के सामने सुनसान इलाके में ले जाया गया। वहां तीन अन्य युवतियां पहले से मौजूद थीं। सुनसान जगह पहुंचते ही चारों युवतियों ने कथित तौर पर पीड़िता को घेर लिया और उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि एक युवती ने डंडे से उसकी आंख और कान के आसपास वार किया, जबकि अन्य युवतियों ने लात-घूंसों से पीटा। मारपीट के दौरान पीड़िता को धमकाया भी गया। वीडियो कॉल पर छात्र से मंगवाई माफी पीड़िता ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसी युवक को वीडियो कॉल किया, जिसके साथ संबंध बनाने के लिए उस पर दबाव डाला जा रहा था। छात्रा से कथित तौर पर जबरन माफी मंगवाई गई। काफी देर तक धमकाने और मारपीट के बाद जब पीड़िता ने युवक की बात मानने की हामी भरी, तब उसे सेमरिया चौराहे के पास छोड़ दिया गया। आरोपियों ने पूरी घटना का मोबाइल से वीडियो भी बनाया था। घटना के बाद छात्रा काफी डर गई और उसने तत्काल परिजनों को इसकी जानकारी नहीं दी। परिवार की परिस्थितियों के कारण भी वह कुछ समय तक चुप रही। करीब एक महीने बाद मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया के जरिए उसके रिश्तेदारों तक पहुंचा। इसके बाद परिजनों ने छात्रा से पूछताछ की तो पूरी घटना सामने आई। इसके बाद परिजन छात्रा को लेकर कोलगवां थाने पहुंचे और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने वायरल वीडियो और शिकायत की जांच के बाद मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी सुदीप सोनी के अनुसार, वीडियो का तकनीकी परीक्षण कराया जा रहा है और मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब वीडियो में दिखाई दे रही युवतियों की पहचान, घटना की वास्तविक परिस्थितियों और मारपीट के पीछे के पूरे विवाद की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वीडियो किसने बनाया और इसे सोशल मीडिया पर कैसे प्रसारित किया गया। मामले में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जमीनें उगल रहीं जहरीली शराब, पाउच और फ्रूटी में बिक रही मौत; गुना में ताबड़तोड़ कार्रवाई से मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। सागर में जहरीली शराब से हुई त्रासदी के बाद गुना जिले में पुलिस और आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। पिछले कुछ दिनों में जिले के कई इलाकों में संयुक्त टीमों ने दबिश देकर बड़ी मात्रा में हाथ भट्टी की शराब और गुड़-महुआ लहान जब्त कर नष्ट किया है। हालिया कार्रवाई में ही करीब 30 लाख रुपये से अधिक मूल्य की अवैध शराब और लहान नष्ट किए जाने की जानकारी सामने आई है ,9 सितंबर को राघौगढ़ क्षेत्र के राजपुरा, गोचा आमल्या, बरसत और मधुसूदनगढ़ में तड़के कार्रवाई की गई। टीमों को झाड़ियों, पठार और आसपास के इलाकों में छिपाकर रखी गई प्लास्टिक की केनों में हाथ भट्टी की शराब मिली। इसके अलावा प्लास्टिक के ड्रमों और मिट्टी के बर्तनों में बड़ी मात्रा में गुड़-महुआ लहान सड़ाया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान 370 लीटर हाथ भट्टी की शराब और करीब 8,600 किलोग्राम लहान जब्त किया गया। जब्त सामग्री की कीमत

करीब 14 लाख रुपये बताई गई है। लहान के नमूने लेने के बाद उसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। जिले में अवैध शराब के कई पुराने ठिकानों पर लगातार निगरानी की जा रही है। राघौगढ़, चांचौड़ा, धरनावदा और बजरंगगढ़ क्षेत्र के कई गांवों में जंगल, खेत, नालों और दुर्गम इलाकों का फायदा उठाकर शराब तैयार किए जाने की शिकायतें और कार्रवाई सामने आती रही हैं। कुछ स्थानों पर जमीन के भीतर टंकियां या बनाकर लहान छिपाने और वहीं से कच्ची शराब तैयार करने का तरीका भी सामने आया है। सबसे गंभीर बात यह है कि अवैध शराब की बिक्री छोटे-छोटे पाउच और फ्रूटी जैसे पैकेटों के जरिए किए जाने का आरोप सामने आया है। इससे शराब का कारोबार गांवों और आम आबादी के बीच आसानी से पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है। सागर की घटना के बाद गुना में हुई कार्रवाई ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि यदि इन इलाकों में लंबे समय से अवैध शराब तैयार हो रही थी, तो पहले नियमित और प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई। प्रशासन की मौजूदा कार्रवाई निश्चित तौर पर जरूरी है, लेकिन असली चुनौती इन ठिकानों को दोबारा सक्रिय होने से रोकने की है। केवल लहान और भट्टियां नष्ट करने के बजाय अवैध शराब की आपूर्ति, बिक्री और इसके पीछे सक्रिय लोगों तक पहुंचना भी जरूरी होगा। सागर जैसी त्रासदी के बाद गुना में हुई कार्रवाई ने खतरे की गंभीरता को सामने ला दिया है।

स्पा सेंटर पर देर रात पुलिस की दबिश, तीन युवतियां समेत आठ लोग हिरासत में; बाहर की रहने वाली हैं युवतियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंडवा। शहर के मोघट रोड थाना क्षेत्र के आनंद नगर में संचालित द बेस्ट स्पा सेंटर पर शनिवार देर रात पुलिस ने अचानक दबिश देकर कार्रवाई की। पुलिस को सेंटर में मसाज की आड़ में संदिग्ध और अनैतिक गतिविधियां संचालित होने की शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के आधार पर पुलिस ने पहले सेंटर की गतिविधियों पर नजर रखी और जानकारी की पुष्टि के बाद देर रात टीम ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार मौके से तीन युवतियों समेत आठ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। कार्रवाई के दौरान कुछ आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक अगम जैन के नेतृत्व में टीम गठित कर इस स्पा सेंटर की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही थी। स्थानीय लोगों की लगातार शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने सेंटर की गतिविधियों की जानकारी जुटाई। इसके बाद महिला पुलिस बल के साथ देर रात दबिश दी गई। पुलिस के पहुंचते ही सेंटर में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के मुताबिक कार्रवाई के दौरान सेंटर के अंदर तीन युवतियां, चार अन्य व्यक्ति और एक कर्मचारी मिला। सभी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। कर्मचारी की पहचान सद्दाम के रूप में बताई गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि सेंटर में वास्तव में किस तरह की गतिविधियां संचालित हो रही थीं और वहां मौजूद लोगों की क्या भूमिका थी। बाहर से आई थीं तीनों युवतियां कार्रवाई में मिली तीनों युवतियां खंडवा की रहने वाली नहीं हैं। नगर पुलिस अधीक्षक अभिनव बारंगे के अनुसार, युवतियां इंदौर और दिल्ली की रहने वाली बताई गई हैं। पुलिस उनके दस्तावेजों और पहचान का सत्यापन कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वे स्पा सेंटर में कब से काम कर रही थीं, उन्हें किसके माध्यम से यहां बुलाया गया और सेंटर में उनकी भूमिका क्या थी। पुलिस ने युवतियों को वन स्टॉप सेंटर भेजे जाने की भी जानकारी दी है। लिस की कार्रवाई के दौरान मौके से मिली आपत्ति जनक सामग्री को भी जब्त किया गया है। अब इन सामानों और पूछताछ से सामने आने वाली जानकारी के आधार पर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी। इसके साथ ही स्पा सेंटर के संचालक, कर्मचारियों के दस्तावेज, लाइसेंस और सेंटर के संचालन से जुड़े रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।सीएसपी अभिनव बारंगे के मुताबिक शहर में तीन मसाज सेंटरों को लेकर पुलिस के पास शिकायतें

पहुंची थीं। पुलिस ने शिकायतों की जांच के लिए अलग-अलग स्तर पर जानकारी जुटाई और निगरानी की। इसी दौरान द बेस्ट स्पा सेंटर में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिलने के बाद कार्रवाई की गई। पुलिस अब यह भी देख रही है कि सेंटर निर्धारित नियमों और आवश्यक अनुमति के तहत संचालित हो रहा था या नहीं। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद स्पा सेंटर के आसपास रहने वाले लोगों ने राहत की सांस ली है।

डूसू चुनाव के बीच सोशल मीडिया पोस्ट से बवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव 2026 को लेकर परिसर में राजनीतिक सरगर्मी तेज है। इसी बीच विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी और अदिति महाविद्यालय की प्राचार्य की सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि दोनों की सोशल मीडिया पोस्ट में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रत्याशियों या उसके पैनल के समर्थन का संकेत दिखाई दिया। इसको लेकर कांग्रेस समर्थित नेशनल

स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया ने विश्वविद्यालय प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए संबंधित अधिकारियों को पद से हटाने की मांग की है। विवाद दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त डीन स्टूडेंट वेलफेयर ए.के. सिंह की एक फेसबुक पोस्ट से शुरू हुआ। पोस्ट में उनकी तस्वीर एबीवीपी के चुनावी पैनल के साथ दिखाई दी। पोस्ट सामने आने के बाद छात्र संगठनों के बीच इसको लेकर चर्चा तेज हो गई। विवाद बढ़ने पर ए.के. सिंह ने पोस्ट हटा दी और अपनी सफाई में कहा कि तस्वीर चुनावी ड्यूटी के दौरान ली गई थी। ए.के. सिंह के अनुसार, नामांकन वापसी के दिन वह चुनावी प्रक्रिया से संबंधित गतिविधियों के दौरान दोनों प्रमुख छात्र संगठनों के पैनल की तस्वीर लेने का प्रयास कर रहे थे। उनका कहना था कि एनएसयूआई के प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट होने में समय लगने के कारण तस्वीर लेने में देरी हुई। उन्होंने कहा कि किसी तरह के पक्षपात का संदेश न जाए, इसलिए उन्होंने बाद में पोस्ट हटा दी। अदिति महाविद्यालय की प्राचार्य नीलम राठी को लेकर भी सोशल मीडिया पर इसी तरह के आरोप सामने आए। आरोप है कि उनके खाते से एबीवीपी को मतदान करने की अपील वाली सामग्री साझा हुई थी। हालांकि, प्राचार्य ने इसे गलती से साझा हुई पोस्ट बताया और कहा कि जानकारी सामने आने के बाद उसे तुरंत हटा दिया गया। अदिति महाविद्यालय से संबंधित विश्वविद्यालय के दस्तावेजों में नीलम राठी का नाम चुनाव अधिकारी और कार्यवाहक प्राचार्य के रूप में भी दर्ज रहा है।

फैक्ट्री की छत से गिरकर युवक की संदिग्ध मौत, हादसा या धक्का देकर गिराया गया? पुलिस जांच में जुटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शाहदरा जिले के गांधीनगर इलाके में रविवार सुबह एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। नामदेव गली में एक कपड़ा फैक्ट्री के पास 30 वर्षीय दीपक का शव सड़क पर पड़ा मिला। पुलिस को सुबह करीब 5:20 बजे सूचना मिली कि एक युवक सड़क पर पड़ा है और उसके सिर से खून बह रहा है। सूचना मिलते ही गांधीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के

अनुसार, युवक के शरीर पर चोट के निशान भी मिले हैं। मामले की परिस्थितियों को देखते हुए स्थानीय पुलिस के साथ अपराध जांच दल और वैज्ञानिक जांच टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस फिलहाल यह पता लगाने में जुटी है कि दीपक की मौत छत से दुर्घटनावश गिरने के कारण हुई या उसे किसी ने धक्का देकर नीचे गिराया। कुछ पहलुओं में अन्य संभावनाओं की भी जांच की जा रही है। बिहार के किशनगंज का रहने वाला था दीपक मृतक की पहचान 30 वर्षीय दीपक के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बिहार के किशनगंज जिले के पिपला गांव का रहने वाला बताया गया है। परिजनों के अनुसार दीपक पिछले करीब दो वर्षों से गांधीनगर इलाके की एक कपड़ा फैक्ट्री में काम कर रहा था। वह शादीशुदा था और काम के सिलसिले में दिल्ली में रह रहा था। परिजनों को घटना की जानकारी पुलिस के पहुंचने के बाद मिली। बताया गया कि पुलिस ने सुबह फैक्ट्री खुलवाई, जिसके बाद दीपक के रिश्तेदारों को उसके छत से गिरने और मौत की जानकारी मिली। मृतक के जीजा के भाई निरंजन कुमार सिंह ने भी पुलिस के माध्यम से घटना की जानकारी मिलने की बात कही है। मौत से पहले क्या हुआ, पुलिस खंगाल रही कड़ियां घटना को लेकर इलाके में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं, लेकिन पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि दीपक आखिर फैक्ट्री की छत पर कैसे पहुंचा और वह वहां से नीचे कैसे गिरा। यदि यह हादसा था तो परिस्थितियां क्या थीं और यदि उसे धक्का दिया गया तो इसके पीछे कौन था, पुलिस इन सभी सवालों के जवाब तलाश रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। इसके अलावा फैक्ट्री में काम करने वाले लोगों और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की जा सकती है।

हाथ-पांव बांधे, मुर्गा बनाकर पीटा... दिल्ली के युवक की पीट-पीटकर हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के एक 18 वर्षीय युवक की हरियाणा के सोनीपत में कथित तौर पर बेरहमी से पिटाई के बाद मौत हो गई। आरोप है कि ट्रक से केबल और अन्य सामान चोरी करने के शक में कुछ लोगों ने युवक को पकड़ लिया, उसके हाथ-पैर बांधे और उसे मुर्गा बनाकर लाठी-डंडों से पीटा। आरोपियों ने पूरी पिटाई का वीडियो भी बनाया और युवक के परिजनों को भेजकर 10 हजार रुपये की मांग की। परिजनों ने रकम देकर युवक को छुड़ाया, लेकिन करीब 10 दिन बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान कलंदर कॉलोनी निवासी राम कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त की

शाम करीब सात बजे राम कुमार अपने चार साथियों के साथ भलस्वा डेयरी इलाके में मौजूद था। आरोप है कि कुछ ट्रक चालकों ने उन्हें ट्रकों से केबल और अन्य सामान निकालने की कोशिश करते हुए पकड़ लिया। इसके बाद चोरी के शक में राम कुमार के साथ मारपीट की गई। आरोप है कि बाद में उसे सोनीपत ले जाया गया, जहां उसके साथ दोबारा बेरहमी से मारपीट की गई। हाथ-पैर बांधकर बनाया वीडियो मामले से जुड़े सामने आए वीडियो में युवक के हाथ-पैर बंधे दिखाई दे रहे हैं। आरोपियों ने उसे जमीन पर मुर्गे की तरह बैठाकर उसके साथ मारपीट की और गालियां दीं। इसी दौरान पूरी घटना का वीडियो बनाया गया। आरोप है कि बाद में यह वीडियो युवक के परिजनों को भेजा गया और उसे छोड़ने के बदले 10 हजार रुपये की मांग की गई। परिजनों ने किसी तरह रकम जुटाई और सोनीपत पहुंचकर युवक को आरोपियों के कब्जे से छुड़ाया। इसके बाद राम कुमार को दिल्ली लाया गया। 30 अगस्त को उसे बुराड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुरुआती जांच में उसके हाथ पर खरोंच, आंख के आसपास काला निशान औ र पैर में चोट के निशान मिले थे। उस समय कोई गंभीर अंदरूनी चोट या रक्तस्राव नहीं मिलने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई थी।

दिल्ली में दोनों हाथों से गोलियां चलाने वाला शार्पशूटर बना पहेली, दो दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। आनंद विहार के कड़क ड़डूमा कम्युनिटी सेंटर के बाहर देर रात हुई ताबड़तोड़ फायरिंग के मामले में दोनों हाथों में पिस्टल लेकर गोलियां चलाने वाला नकाबपोश शूटर अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर है। घटना को दो दिन बीत चुके हैं, लेकिन शाहदरा जिला पुलिस के साथ विशेष प्रकोष्ठ और अपराध शाखा की टीमें भी हमलावरों तक पहुंचने के लिए लगातार जांच कर रही हैं। पुलिस ने घायलों, कैफे कर्मचारियों और उनके साथ मौजूद लोगों से कई दौर की पूछताछ की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस सुराग सामने नहीं आया है। फायरिंग में गाजियाबाद के मुरादनगर निवासी अफसर उर्फ बादशाह और पुराना सीलमपुर निवासी मोहम्मद इरशाद घायल हुए हैं। दोनों को गोली लगी थी। शुरुआती पुलिस जानकारी के अनुसार दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद की रिपोर्टों में अफसर को कई गोलियां लगने की बात सामने आई है, जबकि इरशाद भी फायरिंग में घायल हुआ। मामले में आनंद विहार थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इरशाद के बयान पर दर्ज हुआ मामला पुराना सीलमपुर निवासी इरशाद ने पुलिस को बताया कि वह कबाड़ का कारोबार करता है। 10 सितंबर की रात करीब 11 बजे वह अपने दोस्तों के साथ स्कॉर्पियो से हाइपर कैफे पहुंचा था। वहां खाना खाने

के बाद सभी लोग रात करीब डेढ़ बजे बाहर निकले। इसी दौरान वे कम्युनिटी सेंटर के पास एक खाली जगह पर खड़े थे। इसी बीच कैफे से अफसर भी वहां पहुंच गया। तभी स्कूटर पर सवार दो नकाबपोश युवक वहां आए और अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों ने कई राउंड गोलियां चलाईं और दोनों युवक घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी स्कूटर से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार अलग-अलग रिपोर्टों में करीब 12 से 15 राउंड फायरिंग की बात सामने आई है। किसे निशाना बनाने आए थे शूटर? जांच में सबसे बड़ा सवाल यह है कि हमलावरों का असली निशाना कौन था। सूत्रों के मुताबिक, घायल अफसर ने पुलिस को बताया कि नकाबपोश शूटर शायद उसे निशाना बनाने नहीं आए थे और उनका लक्ष्य इरशाद हो सकता है। हालांकि पुलिस अभी इस दावे की पुष्टि नहीं कर रही है। जांच टीम यह पता लगाने में जुटी है कि फायरिंग किसी पुरानी रंजिश का नतीजा थी, किसी व्यक्तिगत विवाद से जुड़ी थी।

वसई-विरार में गणेश प्रतिमा लेकर जा रही ट्रॉली पलटी, नीचे गिरी बप्पा की मूर्ति; बड़ा हादसा टला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वसई-विरार। गणेशोत्सव की तैयारियों के बीच महाराष्ट्र के वसई-विरार में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गणेश प्रतिमा को मंडप तक ले जा रही ट्रॉली अचानक पलट गई। ट्रॉली के पलटने से उस पर रखी गणेश प्रतिमा भी नीचे गिर गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद गणेश मंडल के कार्यकर्ताओं ने तुरंत स्थिति संभाली और प्रतिमा को सुरक्षित उठाया। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। जानकारी के अनुसार, घटना वसई-विरार के यशवंत गौरव इलाके की है। गणेश मंडल के कार्यकर्ता मूर्तिकार की कार्यशाला से भगवान गणेश की प्रतिमा लेकर मंडप की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में ट्रॉली अचानक असंतुलित होकर पलट गई। ट्रॉली के साथ प्रतिमा भी नीचे गिर गई, जिससे कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रतिमा के नीचे गिरते ही वहां मौजूद कार्यकर्ता तुरंत आगे आए और स्थिति को संभाला। कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा को उठाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। घटना के बाद गणेश मंडल के सदस्यों में दुख और नाराजगी भी देखने को मिली। हालांकि, किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। बारिश और खराब सड़क बनी परेशानी बताया जा रहा है कि वसई-विरार में इन दिनों तेज बारिश का दौर जारी है। कई इलाकों में जलभराव और खराब सड़कों के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में गणेश प्रतिमाओं को कार्यशालाओं से मंडप तक पहुंचाने में गणेश मंडलों के कार्यकर्ताओं को काफी सावधानी बरतनी पड़ रही है। बारिश के कारण सड़क पर फिसलन और की वजह से वाहनों तथा ट्रॉलियों के असंतुलित होने का खतरा भी बढ़ जाता है। गणेशोत्सव के मद्देनजर वसई-विरार प्रशासन ने भी सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर तैयारियां की हैं। बड़ी गणेश प्रतिमाओं के सुरक्षित परिवहन और विसर्जन के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। प्रशासन की ओर से यातायात प्रबंधन और आपात स्थिति में सहायता के लिए भी इंतजाम किए गए हैं। गणेश प्रतिमा के ट्रॉली से गिरने की घटना ने एक बार फिर बारिश के दौरान प्रतिमाओं के सुरक्षित परिवहन को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, समय रहते कार्यकर्ताओं ने स्थिति संभाल ली और किसी बड़े हादसे की नौबत नहीं आई।

13 साल से जंगल पार कर स्कूल पहुंच रहे शिक्षक, सिर्फ दो बच्चियों के लिए रोज 5 किमी पैदल चलते हैं जीवन मिथारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोल्हापुर। आमतौर पर शिक्षक स्कूल पहुंचने के लिए वाहन या सार्वजनिक परिवहन का सहारा लेते हैं, लेकिन महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के जीवन मिथारी की कहानी इससे बिल्कुल अलग है। 55 वर्षीय जिला परिषद शिक्षक पिछले 13 वर्षों से घने जंगल, फिसलन भरे रास्ते और जंगली जानवरों के बीच से होकर रोजाना करीब 5 किलोमीटर पैदल चलकर कवलटेक धनगरवाड़ा के दुर्गम स्कूल पहुंचते हैं। उनका मकसद है कि गांव की बच्चियां सिर्फ इसलिए पढ़ाई से दूर न हो जाएं क्योंकि उनका स्कूल बेहद दूर और कठिन रास्ते पर है। सबसे खास बात यह है कि इस स्कूल में फिलहाल औपचारिक रूप से सिर्फ एक छात्रा, स्वरा बोडके, पढ़ती है। स्वरा तीसरी कक्षा की छात्रा है। उसकी पांच वर्षीय छोटी बहन रेशमा अभी औपचारिक रूप से स्कूल में दाखिल नहीं हुई है, लेकिन मिथारी उसे भी अक्षर और गिनती सिखाते हैं। अगले वर्ष उसके पहली कक्षा में आने की उम्मीद है। इस तरह शिक्षक की मेहनत सिर्फ एक छात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि वह दोनों बहनों की शिक्षा जारी रखने में जुटे हैं। खुद चुनी थी इतनी कठिन जिम्मेदारी जीवन मिथारी ने 26 जुलाई 2013 को इस स्कूल में काम शुरू किया था। बताया जाता है कि उन्होंने खुद इस दुर्गम स्कूल में तबादला लिया था। उस समय वे कोल्हापुर जिला प्राथमिक शिक्षक सहकारी बैंक के अध्यक्ष रह चुके थे। उनके साथियों का कहना था कि प्रभावशाली शिक्षकों को आमतौर पर सुविधाजनक स्थानों पर नियुक्ति मिल जाती है, जबकि दूसरे शिक्षकों को दुर्गम इलाकों में जाना पड़ता है। मिथारी ने इस बात को चुनौती के रूप में लिया और खुद कठिन इलाके में जाने का फैसला किया। कवलटेक धनगरवाड़ा सिंधुदुर्ग सीमा के पास गगनबावड़ा तालुका में स्थित है। यहां बिजली की सुविधा नहीं है और स्कूल तक वाहन से पहुंचना संभव नहीं है। मुख्य सड़क से स्कूल तक पहुंचने के लिए

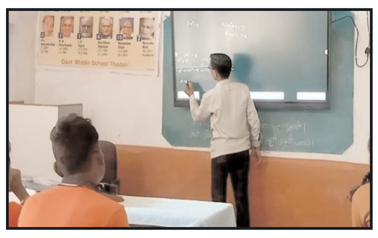

करीब ढाई किलोमीटर का जंगल और कठिन चढ़ाई पार करनी पड़ती है। मिथारी अपने घर काले गांव से पहले वाहन से लंबा सफर तय करते हैं और फिर जंगल के रास्ते पैदल स्कूल पहुंचते हैं।

छोटा राजन गैंग के नाम पर मुंबई के डेवलपर से 11 करोड़ की रंगदारी, 5 गिरफ्तार; एनजीओ मालिक की तलाश तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई के बांद्रा इलाके में एक पुनर्विकास परियोजना को लेकर डेवलपर से कथित तौर पर 11 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि रंगदारी मांगने वाले लोगों ने अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन के नाम का इस्तेमाल करते हुए डेवलपर और उसके कर्मचारियों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने मामले में एक महिला समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, मामले में नामजद एनजीओ मालिक क्लेमेंटिनस फारो समेत अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार मामला बांद्रा पश्चिम के पेरेरा रोड स्थित एक पुरानी संपत्ति के पुनर्विकास से जुड़ा है। आरोप है कि परियोजना पर काम शुरू होने के बाद कुछ लोगों ने डेवलपर पर दबाव बनाना शुरू किया। शुरुआत में कथित तौर पर 32 करोड़ रुपये की मांग की गई। बाद में बातचीत के बाद यह रकम घटाकर 11 करोड़

रुपये किए जाने का आरोप है। डेवलपर को धमकी दी गई कि यदि रकम नहीं दी गई तो काम में बाधा डाली जाएगी और उसे गंभीर आपराधिक मामलों में फंसाया जा सकता है। 25 लाख की पहली किश्त के लिए बिछाया जाल कथित रंगदारी की पहली किश्त के रूप में 25 लाख रुपये देने की बात तय हुई। डेवलपर ने मामले की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने जाल बिछाया। पुलिस ने असली 25 लाख रुपये देने के बजाय बच्चों के खेलने वाली नकली नोटों की गड्डियां तैयार कीं। गड्डियों के ऊपर और नीचे असली 500 रुपये के नोट लगाए गए, ताकि पहली नजर में रकम असली दिखाई दे। तय स्थान पर जैसे ही आरोपी पहली किश्त लेने पहुंचे, पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए उन्हें पकड़ लिया। 2 सितंबर को पांच आरोपी गिरफ्तार पुलिस कार्रवाई में एथेल स्टीवन, डेनियल स्टीवन, नसीर शेख, अब्दुल्ला खान और रेमी फर्नांडीस को गिरफ्तार किया गया। इनमें से तीन आरोपियों को कथित तौर पर 25 लाख रुपये की पहली किश्त लेते समय मौके से पकड़ा गया, जबकि दो अन्य आरोपियों को बाद में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया। पुलिस अब उनसे पूछताछ कर इस कथित रंगदारी नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने में जुटी है। एनजीओ के लिए भी 1 करोड़ मांगने का आरोप मामले की जांच के दौरान एनजीओ मालिक क्लेमेंटिनस फारो का नाम भी सामने आया है। प्राथमिकी में फारो को आठवें आरोपी के तौर पर दर्ज किया गया है। आरोप है कि उसने परियोजना के विकास में कोई बाधा नहीं डालने के बदले अपने एनजीओ के लिए करीब 1 करोड़ रुपये की रकम मांगी थी। पुलिस अब फारो और टोनी नाम के एक अन्य आरोपी की तलाश कर रही है।

मनोज जरांगे पाटिल का मुंबई मार्च का ऐलान, 15 सितंबर को अंतरवाली से कूच; 19 को आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन अनशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालना। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर अंतरवाली सराटी में चल रहे आंदोलन के बीच मनोज जरांगे पाटिल ने मुंबई कूच की तारीख का ऐलान कर दिया है। जरांगे ने घोषणा की है कि वे 15 सितंबर को अंतरवाली सराटी से मुंबई के लिए मार्च शुरू करेंगे और 19 सितंबर को मुंबई के आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करेंगे। उन्होंने साफ कहा कि आरक्षण की मांग पूरी होने तक आंदोलन से पीछे हटने का सवाल नहीं है। जरांगे के अनुसार मुंबई मार्च के दौरान अलग-अलग स्थानों पर पड़ाव तय किए गए हैं। 15 सितंबर को मार्च शुरू होने के बाद पहला पड़ाव बीड जिले के पाटोदा में होगा। 16 सितंबर को आंदोलनकारी अहिल्यानगर जिले के श्रीगोंदा पहुंचेंगे। 17 सितंबर को पुणे के हडपसर में रुकने की योजना है, जबकि 18 सितंबर को खोपोली में पड़ाव होगा। इसके बाद आंदोलनकारी मुंबई की ओर बढ़ेंगे और 19 सितंबर को आजाद मैदान में आंदोलन शुरू करने की तैयारी है। कुछ रिपोर्टों में नवी मुंबई के कोपरखैराने में भी पड़ाव का उल्लेख किया गया है। मराठा समाज से भावुक अपील मुंबई मार्च की घोषणा करते हुए जरांगे पाटिल ने महाराष्ट्र के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले मराठा समुदाय

के लोगों से एकजुट होकर आंदोलन में शामिल होने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से खानदेश और विदर्भ सहित राज्य के दूरदराज इलाकों के मराठा समाज से भी आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आपसी मतभेदों को भुलाकर समाज को एकजुट होकर अपनी मांग सरकार के सामने रखनी चाहिए। जरांगे ने उन लोगों से भी आंदोलन का समर्थन करने की अपील की, जो किसी कारण से मुंबई तक नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग रास्ते में आंदोलनकारियों का स्वागत करें और उनका हौसला बढ़ाएं। हालांकि, उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों से मुंबई पहुंचने के लिए कर्ज लेने से बचने की भी अपील की। शांतिपूर्ण आंदोलन पर जोर मनोज जरांगे ने समर्थकों को आंदोलन के दौरान अनुशासन और संयम बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मुंबई तक जाने वाला मार्च शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से होना चाहिए। किसी भी तरह की पत्थरबाजी, हिंसा या कानून तोड़ने की घटना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से रास्ते से नहीं भटकने और निर्धारित तरीके से आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने सरकार और पुलिस प्रशासन से भी आंदोलनकारियों के रास्ते में अनावश्यक बाधाएं नहीं खड़ी करने की अपील की। जरांगे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पुलिस प्रशासन से कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से मुंबई जा रहे मराठा समुदाय के लोगों को रोका नहीं जाना चाहिए। गणेशोत्सव के बीच होगा बड़ा आंदोलन जरांगे का मुंबई मार्च ऐसे समय में होने जा रहा है, जब महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का दौर रहेगा। राज्य में 14 से 25 सितंबर तक गणेशोत्सव मनाया जाना है। ऐसे में मुंबई में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने और आजाद मैदान में आंदोलन शुरू होने से प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था बनाए रखने की बड़ी चुनौती होगी। जरांगे ने कहा कि वे सरकार से बातचीत और नियमों के दायरे में रहने के लिए तैयार हैं, लेकिन मुंबई जाकर आंदोलन करने का फैसला वापस नहीं लिया जाएगा। उन्होंने मराठा समुदाय से बड़ी संख्या में एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि यह आंदोलन उनके अधिकार और आरक्षण की मांग को लेकर है।

ब्रिक्स ने एकतरफा व्यापारिक फैसलों पर जताई गंभीर चिंता

वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और प्रभावी बहुपक्षवाद पर दिया जोर

नई दिल्ली ।

ब्रिक्स देशों ने अपनी नई दिल्ली घोषणा में वैश्विक व्यापार में बढ़ते एकतरफा फैसलों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। समूह ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के विपरीत टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों के इस्तेमाल की निंदा की है, साथ ही अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ एकतरफा दबाव वाले कदमों की भी कड़ी आलोचना की। घोषणा में ब्रिक्स देशों ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करने वाले और ब्ल्यूटीओ के नियमों का उल्लंघन करने वाले एकतरफा उपाय अस्वीकार्य हैं। इसके अलावा, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में बढ़ रहे संघर्षों और परमाणु खतरे को लेकर भी चिंता जताई गई। समूह ने जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखने के लिए सिर्फ संघर्ष शुरू होने के बाद कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि संघर्षों को रोकने और उनकी मूल वजहों को दूर करने पर काम करने की आवश्यकता है। ब्रिक्स देशों ने अंतरराष्ट्रीय विवादों को बातचीत, आपसी सलाह और कूटनीति के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का आह्वान किया। समूह ने एक ऐसी बहुपक्षीय व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया जिसमें वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सभी देशों के विचारों और रुख का सम्मान किया जाए। आर्थिक सहयोग के तहत, ब्रिक्स देशों के बीच सीमा पार भुगतान को आसान बनाने के लिए चर्चा जारी रखने का भी समर्थन किया गया।

पेटेंट कार्यालय के लोगो के अनाधिकृत उपयोग पर नकेल, मंत्रालय की पूर्व-मंजूरी अनिवार्य

सरकारी पहचान का दुरुपयोग रोकने के लिए डीपीआईआईटी का सख्त कदम

नई दिल्ली ।

भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) की आधिकारिक पहचान और लोगो के अनाधिकृत उपयोग पर अब सख्त रोक लगा दी गई है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर स्पष्ट किया है कि आईपीओ के लोगो, प्रतीक चिह्न या उससे मिलते-जुलते डिजाइन का इस्तेमाल अब संबंधित मंत्रालय की पूर्व-मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकेगा। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। डीपीआईआईटी द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, कोई भी व्यक्ति, कारोबारी संस्था, डिजिटल मंच, ट्रेडमार्क या पेटेंट एजेंट अथवा कानूनी व्यवसायी किसी भी माध्यम - प्रिंट, डिजिटल, सोशल मीडिया, वेबसाइट या प्रायोजित ऑनलाइन विज्ञापन - में भारतीय पेटेंट कार्यालय के आधिकारिक लोगो का उपयोग, अनुकूलन या प्रदर्शन बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के नहीं कर सकेंगे। पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय (सीजीपीडीटीएम) के संज्ञान में आया था कि कई व्यक्ति, एजेंसियां और ऑनलाइन कानूनी सेवा मंच अपनी वेबसाइटों, सोशल मीडिया खातों और प्रचार सामग्री में भारतीय पेटेंट कार्यालय के लोगो का कथित रूप से अनाधिकृत इस्तेमाल कर रहे थे। डीपीआईआईटी ने चिंता व्यक्त की कि भारतीय पेटेंट कार्यालय का लोगो एक आधिकारिक सरकारी पहचान है और इसके अनधिकृत इस्तेमाल से आम लोगों, पेटेंट आवेदकों और अन्य हितधारकों के बीच सरकारी समर्थन या संबद्धता को लेकर गलत धारणा पैदा हो सकती है। डीपीआईआईटी ने सभी संस्थाओं और व्यक्तियों को अपनी वेबसाइट, प्रचार बैनर, विजिटिंग कार्ड और ऑनलाइन पोर्टलों से ऐसे लोगो या भ्रामक रूप से मिलते-जुलते डिजाइन को तत्काल हटाने का निर्देश दिया है। सरकार ने चेतावनी दी है कि भारतीय पेटेंट कार्यालय के लोगो का अनाधिकृत इस्तेमाल, गलत प्रस्तुतीकरण या उसकी नकल प्रतीक और नाम (अनुचित इस्तेमाल को रोकने वाला) अधिनियम 1950, ट्रेडमार्क अधिनियम 1999, कॉपीराइट अधिनियम 1957 और सूचना प्रौद्योगिकी कानून 2000 के तहत कार्रवाई का आधार बन सकता है। उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ दीवानी एवं आपराधिक कार्रवाई तथा प्रशासनिक दंड जैसी कठोर कार्रवाई की जा सकती है।

सेबी लाएगा डेरिवेटिव्स बाजार में बड़े बदलाव

- निपटान मूल्य गणना और ट्रेडिंग समय को लेकर कंसल्टेशन पेपर जारी

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट्स की प्रणाली, बाजार की टाइमिंग और क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) के परिचालन में बड़े बदलावों का प्रस्ताव दिया है। हाल ही में जारी कंसल्टेशन पेपर में, नियामक ने एक्सपायरी के दिनों में इंडेक्स और सिंगल-स्टॉक डेरिवेटिव्स की सेटलमेंट कीमत तय करने के लिए दो विकल्प सुझाए हैं। पहले विकल्प के तहत, सेबी ने ब्लेंडेड वीडब्ल्यूएपी (वॉल्यूम-वेटेड एवरेज प्राइस) का तरीका सुझाया है। इसमें सेटलमेंट की कीमत कंटीन्यूअस ट्रेडिंग सेशन (सीटीएस) के आखिरी 30 मिनट और 10 मिनट के सीएएस पीरियड के दौरान हुए ट्रेड के आधार पर तय की जाएगी, जिससे अधिक सटीक कीमत मिल सके। दूसरे विकल्प में, नियामक ने मौजूदा सीटीएस वीडब्ल्यूएपी तरीके को अंतरिम व्यवस्था के तौर पर बनाए रखने का प्रस्ताव दिया है।

इसके अलावा, सेबी ने क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) के दौरान इंडिकेटिव इंडेक्स वैल्यू (आईआईवी) के प्रदर्शन को हटाने का प्रस्ताव दिया है, क्योंकि कुछ बाजार प्रतिभागियों ने इसका गलत अर्थ निकाला था। नियामक ने सीटीएस और सीएएस के बीच के ट्रांजिशन समय को पांच मिनट से घटाकर एक मिनट करने का भी प्रस्ताव रखा है। सीएएस के बाद डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग विंडो को भी 10 मिनट से घटाकर पांच मिनट किया जाएगा, जिसे बाजार से मिले फीडबैक के आधार पर पर्याप्त माना गया है।

विक्टोरिया मिल्स डिविडेंड: रिकॉर्ड डेट पर नजर, 50 रुपए का फायदा

पात्र होने के लिए 17 सितंबर तक शेयर खरीदना होगा

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनी विक्टोरिया मिल्स लिमिटेड के शेयर डिविडेंड को लेकर निवेशकों के फोकस में हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने निवेशकों को 50 रुपये प्रति शेयर (फेस वैल्यू का 50 फीसदी) का लाभांश देने की सिफारिश की है, जिसकी रिकॉर्ड डेट जल्द ही आ रही है। विक्टोरिया मिल्स ने इस भारी-भरकम डिविडेंड के लिए 19 सितंबर को रिकॉर्ड डेट तय की है, जबकि 18 सितंबर 2026 को एक्स-डिविडेंड डेट रहेगी। इसका मतलब है कि यदि आप इस डिविडेंड के पात्र बनना चाहते हैं, तो आपको 17 सितंबर 2026 तक कंपनी के शेयर खरीदने होंगे। यह लाभांश कंपनी के 98,560 इक्विटी शेयरों पर दिया जाएगा, जिसे आगामी एनुअल जनरल मीटिंग में मंजूरी के बाद ही निवेशकों को वितरित किया जाएगा। कंपनी का यह शेयर बीते शुक्रवार को बीएसई पर 1.78 फीसदी की गिरावट के साथ 8471.00 रुपये पर बंद हुआ। हालांकि, कंपनी के शेयरों ने लंबे समय में अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। पिछले एक महीने में यह शेयर 64.48 फीसदी उछला है, जबकि 10 साल की अवधि में इसमें 218.56 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। 83.79 करोड़ रुपये के मार्केट कैप वाली इस कंपनी के शेयरों का लेन-देन बीते एक महीने में 100 से कम रहा है, जो इसकी कम तरलता को दर्शाता है।

आईटीसी का आशीर्वाद ब्रांड, पांच साल में 20,000 करोड़ का लक्ष्य

- रेडी-टू-कुक, फ्रोजन फूड और सत्तू सहित नई श्रेणियों में भी होगा विस्तार

बेंगलुरु ।

आईटीसी अपने प्रमुख खाद्य ब्रांड 'आशीर्वाद' को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य है कि अगले पांच साल में आशीर्वाद उत्पादों पर उपभोक्ता खर्च मौजूदा 10,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये हो जाए। मई, 2002 में पूरी तरह गेहूं के आटा ब्रांड के रूप में शुरू हुआ आशीर्वाद अब देश के प्रमुख रसोई ब्रांडों में से एक बन गया है, जिसके पोर्टफोलियो में 200 से अधिक एसकेयू (स्टॉक कीपिंग यूनिट्स) हैं। ब्रांड ने आटा के अलावा स्टेपल्स, मसाले, ताजे और फ्रोजन खाद्य पदार्थों में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। मलिक के अनुसार, आटा श्रेणी में विकास की असीमित संभावनाएं हैं। कंपनी मल्टीग्रेन, हाई-प्रोटीन, ऑर्गेनिक और मिलेट आधारित आटा जैसे प्रीमियम उत्पादों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो बेहतर गुणवत्ता, सुविधा और पोषण लाभ प्रदान करते हैं। आशीर्वाद अब बेसन, सेवईं, रवा, सोया चंक्स, फ्रोजन नान और पराठे के साथ-साथ ताजी चटनी और सांभर जैसे उत्पादों के माध्यम से नए उपभोक्ता वर्ग और उपयोग के अवसर तलाश रहा है। रेडी-टू-कुक श्रेणी में भी कंपनी ने कदम बढ़ाया है, जिसमें तैयार चपातियां विशेष रूप से युवा परिवारों को ध्यान में रखकर पेश की गई हैं। ये चपातियां बिना किसी अतिरिक्त प्रिजर्वेटिव के 5-6 दिनों तक उपयोग की जा सकती हैं। आईटीसी ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में आशीर्वाद चना सत्तू भी पेश किया है, जो प्रोटीन और फाइबर से भरपूर है। इसे पारंपरिक तरीके से बालू में भूनकर तैयार किया जाता है और जल्द ही इसे देशभर में उपलब्ध कराने की योजना है। कंपनी 10 रुपये का 'वैल्यू पैक' भी लाई है, जिसमें 10 ग्राम प्रोटीन मिलता है।

फेड के बयान, महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

- पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद बाजार के लिए अहम रहेगा आगामी सप्ताह

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों के लिए आगामी सप्ताह बेहद अहम होने वाला है। पिछले सप्ताह कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के कारण देखी गई गिरावट के बाद, अब निवेशकों की निगाहें तीन प्रमुख वैश्विक और घरेलू आर्थिक संकेतकों पर टिकी रहेंगी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक, भारत के खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े, और कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय चाल मिलकर इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मुक्त बाजार समिति की बैठक 15 और 16 सितंबर को निर्धारित है। इस बैठक में लिए जाने वाले नीतिगत फैसले और फेड चेयरमैन का बयान वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजारों के लिए भी एक अहम दिशा निर्धारित करेगा। ब्याज दरों पर कोई भी संकेत या अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर फेड का दृष्टिकोण दुनियाभर के निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित करेगा। फेड के किसी भी कठोर रुख से वैश्विक इक्विटी बाजारों में बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है। घरेलू मोर्चे पर, भारत के खुदरा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचकांक महंगाई के आंकड़े इसी सप्ताह जारी होने वाले हैं। ये आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी मौद्रिक नीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे। यदि महंगाई उम्मीद से अधिक रहती है, तो यह बाजार की चिंताएं बढ़ा सकता है, क्योंकि इससे ब्याज दरों में बढ़ोतरी की अटकलें तेज होंगी। वहीं, नियंत्रण में रहने पर निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा। कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर निवेशकों की प्राथमिक चिंता का विषय बनी हुई हैं। पिछले सप्ताह इसमें आई भारी तेजी घरेलू बाजारों में गिरावट का एक प्रमुख कारण रही थी। इस सप्ताह भी कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल कंपनियों की लागत बढ़ाती हैं, बल्कि महंगाई और रुपये पर भी दबाव डालती हैं, जिससे बाजार की धारणा प्रभावित होती है। कुल मिलाकर, आगामी सप्ताह में फेडरल रिजर्व की घोषणाएं, घरेलू महंगाई के आंकड़े और कच्चे तेल की कीमतें मिलकर भारतीय शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। निवेशकों को इन प्रमुख आर्थिक संकेतकों पर बारीकी से नजर रखनी होगी और उसी के अनुसार अपनी रणनीति बनानी होगी।

आरबीआई का टाटा संस को लिस्टिंग का आदेश, छूट की अर्जी खारिज

- बोर्ड में नेतृत्व की खींचतान के बीच फैसला, कुछ शेयरधारक पक्ष में तो कुछ विरोध में

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने का आदेश दिया है। केंद्रीय बैंक ने कंपनी की उस अर्जी को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने खुद को अनरजिस्टर्ड कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) की श्रेणी से छूट देने की मांग की थी। इस फैसले से टाटा संस के लिए शेयर बाजार में लिस्टिंग अनिवार्य हो गई है। आरबीआई ने 11 सितंबर को जारी एक पत्र में कहा कि टाटा संस की अर्जी स्वीकार नहीं की जा सकती। केंद्रीय बैंक ने टाटा संस की कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) का दर्जा छोड़ने की मांग को भी नामंजूर कर दिया, जिससे कंपनी के लिए शेयर बाजार में लिस्ट होना अब जरूरी हो गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए पद पर न बने रहने की इच्छा जताई है, जिसकी वजह बोर्ड में चल रही असहमति बताई जा रही है। कंपनी के भीतर नेतृत्व और रणनीतिक दिशा को लेकर खींचतान जारी है, जिसमें लिस्टिंग का मुद्दा भी एक बड़ा विवाद बन गया है। टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स, जिसके चेयरमैन नोएल टाटा हैं, लिस्टिंग के खिलाफ हैं। ट्रस्ट्स ने इस मुद्दे पर एक प्रस्ताव भी पारित किया था। वहीं, दूसरे सबसे बड़े शेयरधारक शापूरजी पालोनजी समूह लिस्टिंग के पक्ष में है, क्योंकि यह उन्हें अपनी हिस्सेदारी बेचकर कर्ज चुकाने और पूंजी जुटाने का अवसर देगा। RBI के इस आदेश से यह आंतरिक संघर्ष और गहराने की संभावना है।

एसएमएल लिमिटेड अगले 2-3 साल में हो सकती है सूचीबद्ध

पूंजी जुटाने के लिए शेयर बाजार में आने पर विचार

नई दिल्ली । कृषि आदान कंपनी एसएमएल लिमिटेड (पूर्व में सल्फर इंडिया लिमिटेड) अगले दो से तीन साल में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने पर विचार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य नई रासायनिक इकाइयों (एनसीई) के विकास के लिए आवश्यक पूंजी जुटाना है। हालांकि, कंपनी के एक अ धिकारी ने बताया कि इस संबंध में अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और कंपनी अगले एक-दो साल में स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद कर रही है। मुंबई स्थित एसएमएल लिमिटेड उन चुनिंदा भारतीय कंपनियों में से है जो नई और स्वामित्व वाली रासायनिक इकाइयों (एनसीई) पर काम कर रही है। ये सामान्य जेनेरिक उत्पादों से अलग कंपनी द्वारा विकसित किए गए नए अणु हैं। पिछले तीन वर्षों से कंपनी का यह एक महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र रहा है, हालांकि इसके विकास में प्रति एनसीई 7-8 करोड़ डॉलर का भारी निवेश होता है, जिसका खर्च कंपनी अब तक अपने आंतरिक शोध एवं विकास से उठा रही है। कंपनी फिलहाल करीब 450-470 करोड़ रुपये की नकदी के साथ लगभग कर्ज-मुक्त स्थिति में है। प्रबंधन इस पूंजी का उपयोग भविष्य में अधिग्रहण, नियामकीय परिसंपत्तियों या एनसीई कार्यक्रम में रणनीतिक साझेदारी के लिए कर सकता है। एसएमएल अपने पारंपरिक सल्फर उर्वरक कारोबार से आगे बढ़कर फसल पोषण, फसल संरक्षण और जैविक उत्पादों पर भी ध्यान दे रही है, जिसमें फसल पोषण अगले तीन वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ने वाला कारोबार होने की उम्मीद है। कमजोर मानसून, अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क और भू-राजनीतिक तनाव के कारण परिवहन में बाधाओं को देखते हुए, एसएमएल ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपना राजस्व लक्ष्य घटाकर 1,600 करोड़ रुपये कर दिया है, जो पहले 1,800 करोड़ रुपये था। हालांकि, यह पिछले वित्त वर्ष के 1,200-1,300 करोड़ रुपये के कारोबार से अधिक रहेगा। कंपनी ने उत्पादों की कीमतों में 15-20 प्रतिशत की बढ़ोतरी भी की है। कंपनी का अंतरराष्ट्रीय कारोबार 80 से अधिक देशों में फैला है, जिससे पिछले वित्त वर्ष में 600-700 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था। इस वित्त वर्ष में इसके 700-800 करोड़ रुपये और अगले दो वर्षों में 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें निर्यात राजस्व में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी फसल संरक्षण उत्पादों (कीटनाशक और फफूंदनाशक) की है।

फार्मा पेटेंट जांच के लिए नए दिशानिर्देश, गुणवत्ता और एकरूपता पर जोर

- अदालती फैसलों और नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मसौदा जारी

नई दिल्ली । भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) ने औषधि क्षेत्र में पेटेंट आवेदनों की जांच प्रक्रिया को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मौजूदा दिशानिर्देशों को अद्यतन करने का प्रस्ताव दिया है। जारी मसौदा दिशानिर्देशों में गुणवत्ता, निरंतरता और एकरूपता पर विशेष बल दिया गया है, साथ ही अदालतों के हालिया महत्वपूर्ण फैसलों को भी शामिल किया गया है। आईपीओ ने इस पहल का महत्व बताते हुए कहा कि भारत में फार्मास्युटिकल पेटेंट एक अत्यंत संवेदनशील विषय है। जहां खराब पेटेंट समाज पर अनावश्यक बोझ बन सकते हैं, वहीं मजबूत और उचित पेटेंट नवोन्मेषण तथा प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यालय ने बताया कि वह अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े तंत्र को लगातार बेहतर बना रहा है। दिशानिर्देशों का अद्यतन, विशेष रूप से उत्पाद पेटेंट से जुड़े कई मुद्दों पर अदालतों के स्पष्ट होते फैसलों को ध्यान में रखकर किया गया है। इन न्यायिक व्याख्याओं को शामिल कर, पेटेंट कार्यालय जांच प्रक्रिया में उच्च स्तर की गुणवत्ता और एकरूपता सुनिश्चित करना चाहता है, जिससे भारतीय फार्मा उद्योग में स्वस्थ नवाचार को प्रोत्साहन मिल सके। यह कदम पेटेंट प्रणाली को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने की दिशा में उठाया गया है।

एफपीआई ने सितंबर में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 13,000 करोड़ निकाले

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

परिचय वैश्विक अनिश्चितता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उछाल के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार से 13,138 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। यह निकासी जुलाई और अगस्त में हुई भारी खरीदारी के बाद हुई है, जब एफपीआई भारतीय शेयरों में शुद्ध निवेशक रहे थे। चालू वर्ष (2023) में अब तक भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई की कुल निकासी बढ़कर 2.37 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले पूरे वर्ष (2022) की 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से भी काफी अधिक है। एक निवेश मंच के अ धिकारी के अनुसार, सितंबर में बिकवाली का मुख्य कारण घरेलू नहीं, बल्कि वैश्विक घटनाक्रम हैं। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण उभरते बाजारों से पूंजी का बाहर निकलना स्वाभाविक है। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत बढ़कर 109.97 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। बाजार के जानकारों ने चेताया कि ऊंची कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ती महंगाई से मौद्रिक नीति सख्त हो सकती है, जिससे बॉन्ड प्रतिफल और बढ़ेंगे। यदि अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल पांच प्रतिशत तक पहुंचता है, तो वैश्विक शेयर बाजारों में तेज गिरावट आ सकती है और विदेशी निवेशक शेयरों से पैसा निकालकर अधिक रिटर्न देने वाले बॉन्ड में निवेश कर सकते हैं। इस दौरान विदेशी निवेशकों ने भारतीय ऋण बाजार से भी शुद्ध रूप से 2,305 करोड़ रुपये की निकासी की है।

तेल-तिलहन बाजार: सोयाबीन, बिनौला लुढ़के; मूंगफली में चमक

पाम-पामोलीन में मामूली सुधार, पर लागत से नीचे बिकवाली जारी

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख रहा। आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर बिकवाली और ब्रांडेड कंपनियों की कमजोर मांग के चलते सोयाबीन तेल-तिलहन व बिनौला तेल के दाम गिरे।

इसके विपरीत, मजबूत मांग से मूंगफली तेल-तिलहन में सुधार दर्ज हुआ। औद्योगिक मांग के कारण पाम-पामोलीन व सोयाबीन डीगम तेल में भी मामूली सुधार दिखा, जबकि सरसों तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, आयातकों को सोयाबीन डीगम तेल की लागत से 5-6 रुपये प्रति किलो कम (लगभग 119.50 रुपये प्रति किलो) पर बेचना पड़ा।

पाम-पामोलीन भी लागत से नीचे बिकवाली का शिकार हुआ। सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) के निर्यात में पिछले वर्ष के मुकाबले 12.5 फीसदी की कमी तथा ब्रांडेड कंपनियों की घटती मांग से बिनौला तेल के दाम भी प्रभावित हुए। वहीं, मांग बढ़ने और आवक कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में पर्याप्त सुधार आया। किसानों की कम दाम पर फसल न बेचने की प्रवृत्ति और ऊंची खरीद पर पेराई मिलों के घाटे के चलते सरसों तेल-तिलहन पिछले सप्ताहांत के स्तर पर ही स्थिर रहे। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 400-400 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,300-6,350 रुपये और 6,150-6,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।इसी प्रकार, आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,500 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम तेल 100 रुपये सुधार के साथ 11,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

अच्छी मांग के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 250 रुपये के सुधार के साथ 7,600-8,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये के सुधार के साथ 17,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 2,755-3,055 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 14,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

एशिया के बेस्ट वर्कप्लेस 2026: भारत का दबदबा कायम, टॉप-100 में 34 भारतीय कंपनियां

फ्लिपकार्ट, इंफोसिस समेत कई भारतीय कंपनियों का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

दुनियाभर की कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए कौन सा कार्यस्थल सबसे बेहतर है, इसका पता लगाने के लिए ग्रेट प्लेस टू वर्क ने एशिया के सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों की नई लिस्ट जारी की है। यह रैंकिंग कर्मचारियों की राय और उनके अनुभवों के आधार पर तैयार की गई है, जिसमें भारत ने अपना जबरदस्त प्रदर्शन किया है। इस लिस्ट में शामिल टॉप-100 बड़ी कंपनियों में 34 भारतीय कंपनियों ने जगह बनाई है, जो देश की मजबूत कार्य संस्कृति का प्रमाण है।

ग्रेट प्लेस टू वर्क की यह प्रतिष्ठित लिस्ट एशिया और मिडिल ईस्ट के लगभग 89 लाख कर्मचारियों के अनुभवों को शामिल करते हुए तैयार की गई है। कर्मचारियों से कंपनी में भरोसे, नेतृत्व, काम के माहौल, नए विचारों को बढ़ावा, कंपनी के मूल्यों और उनके कुल अनुभव के बारे में पूछा गया था। इस अध्ययन में कंपनियों के आकार या कमाई की बजाय कर्मचारियों के वास्तविक अनुभव को ही मूल्यांकन का आधार बनाया गया है।

बड़ी कंपनियों की श्रेणी में वैश्विक स्तर पर जिन 10 कंपनियों को सर्वश्रेष्ठ माना गया है, उनमें हिलटन, मैरियोट इंटरनेशनल, सिस्को, एब्वी, डीएचएल, इंटरकॉन्टिनेंटल होटल्स ग्रुप, माइक्रो टेक्नोलॉजी, टीपी, एसेंचर और कैपेला का नाम शामिल है। इस पूरी रैंकिंग में भारत का प्रदर्शन बेहद मजबूत रहा है। बड़ी कंपनियों की टॉप-100 लिस्ट में 34 कंपनियां भारत की हैं। इनमें फ्लिपकार्ट ग्रुप, इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, रिलायंस रिटेल, बजाज फाइनेंस, मैक्स हेल्थकेयर, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक, जेनसर टेक्नोलॉजीज, एक्सपीरियन, एडलवीज लाइफ और एचपी इंक जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा, छोटी और मध्यम कंपनियों की लिस्ट में एनआईए इंस्टीट्यूशंस, वहदम इंडिया, चैलेट होटल्स, सेरेंटिका रिन्यूबल इंडिया, किम्बल और एलएमएस (लॉर्ड महावीरा सर्विसेज इंडिया) सहित 6 भारतीय कंपनियों ने भी अपनी जगह बनाई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लिस्ट में शामिल लगभग 93 फीसदी कर्मचारियों ने अपनी कंपनी को काम करने के लिए एक बेहतरीन जगह बताया।

इंडियन बैंक जीवन बीमा एसेट मैनेजमेंट में उतरेगा

दुबई में प्रतिनिधि कार्यालय और नए देशों में मौजूदगी की भी योजना

- चेन्नई ।

सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक जीवन बीमा और संपत्ति प्रबंधन (म्यूचुअल फंड) कारोबार में उतरने की अपनी योजना को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। बैंक के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि इन क्षेत्रों में प्रस्तावित अनुषंगी कंपनियों या संयुक्त उद्यमों के लिए जल्द ही निदेशक मंडल से मंजूरी ली जाएगी। अ धिकारी ने पुष्टि की कि यह योजना पूरी तरह पटरी पर है। बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद, बैंक आवश्यक नियामकीय और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को शुरू करेगा।

कुमार ने इस पूरी कवायद में सही साझेदार की पहचान को सबसे महत्वपूर्ण बताया, जिससे तेजी से कारोबार का विस्तार और संपत्ति सृजन हो सके। उन्होंने अनुमान जताया कि इस पूरी प्रक्रिया में लगभग एक साल का समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि अनुषंगी कंपनियां या संयुक्त उद्यम रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होते हैं, जो संपत्ति सृजन के साथ-साथ ब्रांड को भी मजबूत करते हैं। इंडियन बैंक पहले से ही साधारण बीमा क्षेत्र में यूनिवर्सल सोमपो जनरल इंश्योरेंस कंपनी में 28.52 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ मौजूद है।

वैश्विक विस्तार के मोर्चे पर, इंडियन बैंक दुबई में एक प्रतिनिधि कार्यालय खोलने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य पश्चिम एशिया में बसे बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय से मिलने वाले कारोबारी अवसरों का लाभ उठाना है। बैंक के बोर्ड ने दुबई कार्यालय को मंजूरी दे दी है और अब नियामकीय मंजूरियां ली जा रही हैं। इंडियन बैंक की वर्तमान में सिंगापुर और श्रीलंका में अंतरराष्ट्रीय शाखाएं हैं, जबकि बैंक मलेशिया और इंडोनेशिया में भी अपनी मौजूदगी स्थापित करने की संभावनाएं तलाश रहा है। गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी की शाखा से भी अच्छा कारोबार मिल रहा है।

विनायक चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश को समर्पित है। यह पर्व हिन्दू धर्म के मानने वालों का मुख्य पर्व है। विनायक चतुर्थी को गणेशोत्सव के रूप में सारे विश्व में हर्षोल्लास व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। भारत में इसकी धूम यूं तो सभी प्रदेशों में होती है, परन्तु विशेष रूप से यह महाराष्ट्र में मनाया जाता है।

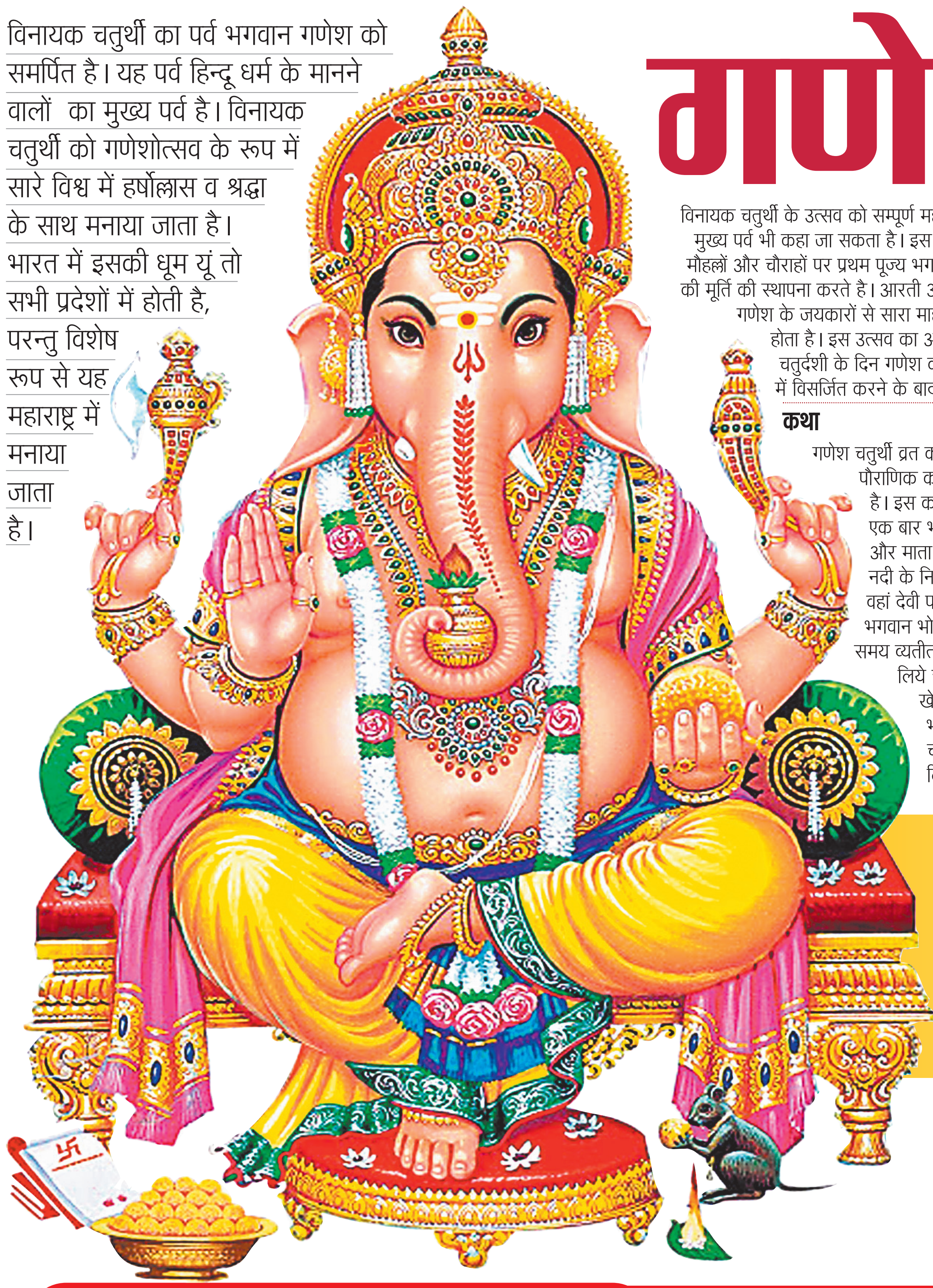

गणेशोत्सव

विनायक चतुर्थी के उत्सव को सम्पूर्ण महाराष्ट्र का मुख्य पर्व भी कहा जा सकता है। इस दिन लोग मौहल्लों और चौराहों पर प्रथम पूज्य भगवान गणेशजी की मूर्ति की स्थापना करते है। आरती और भगवान श्री गणेश के जयकारों से सारा माहौल गुंज रहा होता है। इस उत्सव का अंत अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश की मूर्ति समुद्र में विसर्जित करने के बाद होता है।

कथा

गणेश चतुर्थी व्रत को लेकर एक पौराणिक कथा प्रचलन में है। इस कथा के अनुसार एक बार भगवान शंकर और माता पार्वती नर्मदा नदी के निकट बैठे थे। वहां देवी पार्वती ने भगवान भोलेनाथ से समय व्यतीत करने के लिये चौपड़ का खेल खेलने को कहा। भगवान शंकर चौपड़ खेलने के लिये तैयार तो हो गये, परन्तु इस खेल मे हार–जीत का फैसला कौन करेगा? इसका प्रश्न उठा, इसके जवाब में भगवान भोलेनाथ ने कुछ तिनके एकत्रित कर उसका पुतला बनाकर, उस पुतले की प्राण प्रतिष्ठा कर दी और पुतले से कहा कि– फ्रबेटा हम चौपड़ खेलना चाहते है, परन्तु हमारी हार–जीत का फैसला करने वाला कोई नहीं है। इसलिये तुम बताना की हम में से कौन हारा और कौन जीता।

चौपड़ का खेल

यह कहने के बाद चौपड़ का खेल प्रारम्भ हो गया। खेल तीन बार खेला गया, और संयोग से तीनों बार पार्वती जी जीत गईं। खेल के समाप्त होने पर बालक से हार–जीत का फैसला करने के लिये कहा गया, तो बालक ने महादेव को विजयी बताया। यह सुनकर माता पार्वती क्रोधित हो गईं और उन्होंने क्रोध में आकर बालक को लंगडा होने व कीचड़ में पड़े रहने का श्राप दे दिया। बालक ने माता से माफ़ी मांगी और कहा– मुझसे अज्ञानता वश ऐसा हुआ, मैनें किसी द्वेष में ऐसा नहीं किया।फ्र बालक के क्षमा मांगने पर माता ने कहा– यहाँ गणेश पूजन के लिये नाग कन्याएं आयेंगी, उनके कहे अनुसार तुम गणेश व्रत करो, ऐसा करने से तुम मुझे प्राप्त करोगे। यह कहकर माता पार्वती भगवान शिव के साथ कैलाश पर्वत पर चली गई।

गणेश का प्रसन्न होना

ठीक एक वर्ष बाद उस स्थान पर नाग कन्याएं आईं। नाग कन्याओं से श्री गणेश के व्रत की विधि मालुम करने पर उस बालक ने 21 दिन लगातार गणेश जी का व्रत किया। उसकी श्रद्धा देखकर भगवान गणेश प्रसन्न हो गए और उन्होंने बालक को मनोवांछित फल मांगने के लिये कहा। बालक ने कहा– हे विनायक! मुझमें इतनी शक्ति दीजिए, कि मैं अपने पैरों से चलकर अपने माता–पिता के साथ कैलाश पर्वत पर पहुंच सकूं और वो यह देख प्रसन्न हों।फ्र बालक को यह वरदान देकर भगवान गणेश अन्तर्धान हो गए। बालक इसके बाद कैलाश पर्वत पर पहुंच गया और वहाँ पहुंचने की कथा उसने भगवान महादेव को सुनाई। उस दिन से पार्वती जी शिवजी से विमुख हो गईं। देवी के रुष्ठ होने पर भगवान शंकर ने भी बालक के बताये अनुसार गणेश का व्रत 21 दिनों तक किया। इसके प्रभाव से माता के मन से भगवान भोलेनाथ के लिये जो नाराजगी थी, वह समाप्त हो गई।

भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता–पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए।

कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता–पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मार्गलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता–पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करें या ना करें।

हर बाधा दूर करते हैं श्रीगणेश

प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी की मूर्ति के रूप में पूजा जाता था। हल्दी को मंगलकारी, धन व ज्ञान का प्रतीक माना जाता था। जिस देवता की स्तुति इन शब्दों से की जाती हो, ऐसे पूजनीय रिद्धि–सिद्धि के स्वामी विघ्नहर्ता के जप में हर शुभ मांगलिक कार्य व पूजन में सर्वप्रथम पूजे जाने वाले भालचंद्र यानी श्रीगणेश जी वैवाहिक कार्यों में भी सर्वप्रथम न सिर्फ पूजनीय हैं, अपितु वैवाहिक निमंत्रणों में निमंत्रित किए जाने वाले प्रथम अतिथि भी हैं। समस्त मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजनीय होने व हर विघ्न और कष्ट को दूर करने की उनकी महत्ता के कारण ही मंगलमूर्ति भी कहे जाते हैं।

यह माना जाता है कि श्रीगणेश जी समस्त दिशाओं में उपस्थित हैं एवं उनके पूजन के साथ शुरू किया गया कोई भी कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण होता है। अतः सबसे पहले उनकी स्तुति व पूजन कर कार्य शुरू किए जाते हैं। चाहे वैवाहिक कार्यक्रम हो अथवा गृह प्रवेश सभी में श्रीगणेश जी को याद किया जाता है। यहां तक कि वैवाहिक व अन्य मांगलिक कार्यों के विभिन्न चित्र सर्वप्रथम अंकित किए जाते हैं अथवा उनकी स्तुति से निमंत्रण–पत्र का आरंभ होता है। हमारे समाज में प्राचीन समय से यह मान्यता रही है कि श्रीगणेश जी के पूजन से शुरू किए गए कार्य में कभी कोई बाधा नहीं आती और कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न होता है। श्रीगणेश को समस्त गणों का अधिपति माना जाता है और इसी वजह से वे गणपति के नाम से भी जाने जाते हैं।

गणेश जी के मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजन को लेकर यह कथा प्रचलित है कि एक बार समस्त देवी–देवताओं को पृथ्वी का चक्कर लगाने को कहा गया, किंतु श्रीगणेश जी अपने भारी शरीर व छोटे से वाहन मूषक के कारण दुविधा में थे कि वे चक्कर कैसे पूर्ण करें। उन्होंने अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए माता–पिता पार्वती व शिवजी की परिक्रमा कर ली और सभी के पूछने पर कारण बताया कि माता–पिता तो समस्त संसार के तुल्य हैं। वे ब्रह्मा के सहायक हैं, अतः उनकी पूजा का विशेष महत्व है। प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी को मूर्ति स्वरूप पूजा जाता था। गणेश जी की उपस्थिति ओंमकार में मानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि गणेश जी के शुभागमन के साथ सारी बाधाएं खुद–ब–खुद खत्म हो जाती हैं। श्रीगणेश जी सभी का कल्याण करने वाले माने जाते हैं।

श्री गणेश पूजन की आसान विधि

श्रीगणेश पूजा अपने आपमें बहुत ही महत्वपूर्ण व कल्याणकारी है। चाहे वह किसी कार्य की सफलता के लिए हो या फिर चाहे किसी कामनापूर्ति स्त्री, पुत्र, पौत्र, धन, समृद्धि के लिए या फिर अचानक ही किसी संकट मे पड़े हुए दुखों के निवारण हेतु हो।

– अर्थात जब कभी किसी व्यक्ति को किसी अनिष्ट की आशंका हो या उसे नाना प्रकार के शारीरिक या आर्थिक कष्ट उठाने पड़ रहे हो तो उसे श्रद्धा एवं विश्वासपूर्वक किसी योग्य व विद्वान ब्राह्मण के सहयोग से श्रीगणपति प्रभु व शिव परिवार का व्रत, आराधना व पूजन करना चाहिए।

- पूजन से पहले नित्यादि क्रियाओं से निवृत्त होकर शुद्ध आसन में बैठकर सभी पूजन सामग्री को एकत्रित कर पुष्प, धूप, दीप, कपूर, रोली, मौली लाल, चंदन, मोदक आदि एकत्रित कर क्रमशः पूजा करें।
- भगवान श्रीगणेश को तुलसी दल व तुलसी पत्र नहीं चढ़ाना चाहिए। उन्हें, शुद्ध स्थान से चुनी हुई दुर्वा को धोकर ही चढ़ाना चाहिए।
- श्रीगणेश भगवान को मोदक (लड्डू) अधिक प्रिय होते हैं इसलिए उन्हें देशी घी से बने मोदक का प्रसाद भी चढ़ाना चाहिए।
- श्रीगणेश स्त्रोत से विशेष फल की प्राप्ति होती है।
- श्रीगणेश सहित प्रभु शिव व गौरी, नन्दी, कार्तिकेय सहित सम्पूर्ण शिव परिवार की पूजा षोड़षोपचार विधि से करना चाहिए।
- व्रत व पूजा के समय किसी प्रकार का क्रोध व गुस्सा न करें। यह हानिप्रद सिद्ध हो सकता है।
- श्रीगणेश का ध्यान करते हुए शुद्ध व सात्विक चित्त से प्रसन्न रहना चाहिए।
- शास्त्रानुसार श्रीगणेश की पार्थिव प्रतिमा बनाकर उसे प्राणप्रति?ष्ठित कर पूजन–अर्चन के बाद विसर्जित कर देने का आख्यान मिलता है। किन्तु भजन–कीर्तन आदि आयोजनों और सांस्कृतिक आयोजनों के कारण भक्त 1, 2, 3, 5, 7, 10 आदि दिनों तक पूजन अर्चन करते हुए प्रतिमा का विसर्जन करते हैं।
- किसी भी पूजा के उपरांत सभी आवाहित देवताओं की शास्त्रीय विधि से पूजा–अर्चना करने के बाद उनका विसर्जन किया जाता है, किन्तु श्री लक्ष्मी और श्रीगणेश का विसर्जन नहीं किया जाता है। इसलिए श्रीगणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन करें, किन्तु उन्हें अपने निवास स्थान में श्री लक्ष्मी जी सहित रहने के लिए निमंत्रित करें।
- पूजा के उपरांत अपराध क्षमा प्रार्थना करें, सभी अतिथि व भक्तों का यथा व्यवहार स्वागत करें।
- पूजा कराने वाले ब्राह्मण को संतुष्ट कर यथा विधि पारिश्रामिक (दान) आदि दें, उन्हें प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर दीर्घायु, आरोग्यता, सुख, समृद्धि, धन–ऐश्वर्य आदि को बढ़ाने के योग्य बनें।

भारतीय धर्म संस्कृति में किसी कार्य की सफलता हेतु पहले मंगलाचरण या फिर पूज्य देवों के वंदना की परंपरा रही है। किसी कार्य को सुचारू रूप से निर्विघ्नपूर्वक संपन्न करने हेतु सर्वप्रथम श्रीगणेश जी की वंदना व अर्चना का विधान है। इसीलिए सनातन धर्म में सर्वप्रथम श्रीगणेश की पूजा से ही किसी कार्य की शुरुआत होती है। जो भी भक्त भगवान गणेश का व्रत या पूजा करता है उसे श्रीगणेश प्रभु की कृपा और मनोवांछित फल की प्राप्ति अवश्य ही होती है।

श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां यः ईशः स्वामी सः गणेशः से। अर्थात,जो समस्त जीव जाति के ईश–स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं।

गणेश पुराण के क्रीड़ा खंड में युग–भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है, वे दस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है।

त्रेता युग में वाहन मोर है, छः भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है।

द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है, भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है।

कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है।

वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक(चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश,दूर्वा गणेश,शमी गणेश,गोमेद गणेश आदि।

कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि।

सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र,संकट नाशक स्तोत्र,गणपति अथर्वशीर्ष,गणेश कवच,शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्त्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

अलग–अलग होती है उपासना–

भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग–अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग–अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रोत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महार्णव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यतः दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू)अर्पित किए जाते हैं।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में आया एसआरएस के बल्लेबाज का तूफान

कप्तानी पारी खेलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया

सलिल अरोड़ा ने शेर-ए-पंजाह लीग में जड़ा शतक

मोहाली । शेर-ए-पंजाब टी20 लीग 2026 के बेहद रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस ने जालंधर वॉरियर्स को 17 रनों से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लुधियाना की जीत के असली हीरो कप्तान सलिल अरोड़ा रहे, जिन्होंने मुश्किल वक्त में आकर महज 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को खिताबी जंग में पहुंचाया।

साहिल भास्कर की घातक गेंदबाजी – 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जालंधर वॉरियर्स ने कप्तान प्रभसिमरन सिंह और हरजस टंडन के दम पर एक समय 154/3 का स्कोर बना लिया था और वे जीत की तरफ बढ़ रहे थे। लेकिन इसके बाद तेज गेंदबाज साहिल भास्कर का जादू चला। साहिल ने एक ही ओवर में 3 विकेट झटककर जालंधर के बैटिंग लाइन-अप की कमर तोड़ दी और 4 ओवर में 6/16 का करिश्माई स्पेल फेंककर जालंधर को 203/8 पर रोक दिया।

105 रन पर गिर चुके थे 5 विकेट, फिर आया सलिल का शतकीय तूफान

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लुधियाना लायंस की शुरुआत बेहद खराब रही। जालंधर के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए लुधियाना के टॉप ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया और टीम 105 रन के स्कोर पर अपने 5 अहम विकेट गंवाकर गहरे संकट में आ गई थी। ऐसे दबाव के समय कप्तान सलिल अरोड़ा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने माधव पठानिया के साथ मिलकर न केवल पारी को संभाला, बल्कि जालंधर के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। सलिल और पठानिया ने छठे विकेट के लिए महज कुछ ही ओवरों में 115 रनों की अटूट साझेदारी कर मैच का पासा पलट दिया। सलिल अरोड़ा अंत तक आउट नहीं हुए और उन्होंने 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसकी बदौलत लुधियाना ने 20 ओवर में 220/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

रविवार को अमृतसर सूरमाओं से होगा फाइनल मुकाबला – कप्तान सलिल अरोड़ा का यह नाबाद शतक लुधियाना की जीत का मुख्य आधार बना। अब फाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस का सामना अमृतसर सूरमाओं से रविवार को होगा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों ने अपने स्टार खिलाड़ियों (अर्शदीप सिंह और अभिषेक शर्मा) की अनुपस्थिति के बावजूद टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है।

अनाहत सिंह ने कतर क्लासिक स्क्वॉश में उलटफेर किया

वर्ल्ड नंबर-16 फरिदा मोहम्मद को चार गेम में हराया, अब टिन्ने जिलिस से मुकाबला

नई दिल्ली । भारत की युवा स्क्वॉश खिलाड़ी और वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने सीजन के पहले प्लैटिनम टूर्नामेंट कतर क्लासिक में जीत के साथ अभियान शुरू किया। विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 16वें नंबर की फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया।

दूसरे गेम में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी – मुकाबले की शुरुआत कड़ी टक्कर के साथ हुई। अनाहत ने पहला गेम 13-11 से जीता। दूसरे गेम में फरीदा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से जीत दर्ज की और स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद अनाहत ने संयम बनाए रखा। उन्होंने तीसरा गेम 11-7 और चौथा गेम भी 11-7 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

प्री-क्वार्टर फाइनल में टिने गिलिस से मुकाबला – पहले राउंड में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को हराने के बाद अनाहत अब प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से भिड़ेंगी।

मेंस कैटेगरी में अभय सिंह और वीर चोटरानी पर नजरें – पुरुष एकल में भारत की ओर से अभय सिंह और वीर चोटरानी चुनौती पेश करेंगे। अभय वर्ल्ड रैंकिंग में 24वें और वीर 38वें स्थान पर हैं।

एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम का हिस्सा – अनाहत सिंह हाल ही में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनी थीं। आगामी एशियन गेम्स में भारतीय स्क्वैश टीम में अनाहत के साथ अभय सिंह, वीर चोटरानी और तन्वी खन्ना भी शामिल हैं।

रायबकिना ने पहली बार यूएस ओपन जीता, वर्ल्ड नंबर-1 बनीं

सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूकीं, हार के बाद रैकेट तोड़ा

न्यूयॉर्क। कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार यूएस ओपन खिताब जीत लिया। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए फाइनल में रायबकिना ने सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ रायबकिना ने अपना तीसरा विमेंस सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और सोमवार को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएंगी। हार के बाद निराश सबालेंका ने अपना रैकेट तोड़ दिया।

सबालेंका का लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूटा – रायबकिना की जीत से सबालेंका का लगातार तीसरी बार यूएस ओपन चैंपियन बनने का सपना टूट गया। इसके साथ ही स ओपन में उनकी 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। सबालेंका पिछले 99 हफ्तों से दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी थीं।

पहले सेट में रायबकिना का दबदबा – पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन रायबकिना ने अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाया और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान गुस्से में गेंद स्टैंड की ओर मारने पर सबालेंका को चेतावनी भी मिली।

सबालेंका ने दूसरे सेट में की वापसी – दूसरे सेट में सबालेंका ने अपनी लय वापस हासिल की। उन्होंने रायबकिना पर लगातार दबाव बनाया और 5-5 के बाद ब्रेक हासिल कर सेट 7-5 से जीत लिया। इससे मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया।

तीसरे सेट में फिर हावी हुईं रायबकिना – निर्णायक सेट में रायबकिना ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने 5-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद मैच पॉइंट पर जीत कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। फाइनल 2 घंटे 21 मिनट चला।

इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम – रायबकिना ने इससे पहले 2022 में विंबलडन और 2026 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में भी उन्होंने सबालेंका को हराया था। यूएस ओपन जीतने के बाद अब रायबकिना के पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए सिर्फ फ्रेंच ओपन का खिताब जीतना बाकी है।

चोट से जूझने के बाद हासिल की बड़ी सफलता

रायबकिना यूएस ओपन से पहले चोट की समस्या से जूझ रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने न्यू यॉर्क में शानदार प्रदर्शन किया और पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर खिताब जीत लिया। रूस में जन्मी रायबकिना अब कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं।

रायबकिना को करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि

यूएस ओपन का खिताब जीतने पर रायबकिना को 55 लाख डॉलर यानी करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिली। वहीं, उपविजेता सबालेंका को 28 लाख डॉलर मिले। रायबकिना ने जीत के बाद कहा कि उनके पास अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 10 साल से न्यू यॉर्क आ रही हैं, लेकिन यहां उन्हें कभी ऐसी सफलता नहीं मिली थी।

सार-समाचार

चामिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच बन सकते हैं

टीम ने जहीर खान और कुंबले से भी बात की, युवराज बैटिंग कोच होंगे

नई दिल्ली । श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने इस पद के लिए जहीर खान और अनिल कुंबले से भी बातचीत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। युवराज सिंह को पहले ही बैटिंग कोच नियुक्त किया जा चुका है।

जहीर के साथ बातचीत अंतिम दौर तक पहुंची – मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहीर खान के साथ बातचीत सेवा की शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण रुक गई। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने चमिंडा वास को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया।

युवराज सिंह पहले ही बने बैटिंग कोच – दिल्ली कैपिटल्स ने अगले सीजन के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग कोच नियुक्त किया है। पिछले दो सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर नई शुरुआत करना चाहती है।

हेड कोच की तलाश जारी – बॉलिंग और बैटिंग कोच तय होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स नए हेड कोच की तलाश में जुटी है। फ्रेंचाइजी जल्द ही इस पद पर औपचारिक घोषणा कर सकती है। चमिंडा वास के अनुभव से टीम के तेज गेंदबाजों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

भारत जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब जीता

चीन को 1-0 से हराया, हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों-सपोर्ट स्टाफ के लिए कैश प्राइज का ऐलान किया

नई दिल्ली । भारत ने रविवार को चीन को 1-0 से हराकर जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब जीत लिया। फाइनल में जीत के तुरंत बाद हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपए कैश प्राइज का ऐलान किया। सपोर्ट स्टाफ के लिए भी कैश प्राइज घोषित किया गया।

फाइनल से पहले भारत का प्रदर्शन – भारत ने सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 5-1 और क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0 से हराया। इससे पहले टीम ने मेजबान चीन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला था। भारत ने जापान को 7-0 और मलेशिया को 11-1 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट के पहले मैच में भी भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराया था।

वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन की ग्लोबल चेस लीग में पहली हार

टीम फिर भी फाइनल में पहुंची, गंगेज ग्रैंडमास्टर्स से मुकाबला

बेंगलुरु । ग्लोबल चेस लीग के चौथे सीजन में मैग्नस कार्लसन को पहली हार मिली। बेंगलुरु में शनिवार को खेले गए मुकाबले में त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स के अलीरेजा फिरोजा ने उन्हें हराया। इसके बावजूद कार्लसन की टीम अल्पाइन पाइपर्स 18 मैच पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंच गई। रविवार को खिताबी मुकाबले में पाइपर्स का सामना गंगेज ग्रैंडमास्टर्स से होगा।

कार्लसन की चेतावनी के बाद अलीरेजा ने दी मात – टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले मैग्नस कार्लसन ने मजाकिया अंदाज में अलीरेजा फिरोजा को कम समय में हराने की चेतावनी दी थी। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। शनिवार को अलीरेजा ने कार्लसन को हराकर टूर्नामेंट में उनकी जीत का सिलसिला तोड़ दिया।जीत के बाद अलीरेजा ने कहा, 'यह टूर्नामेंट हमारे लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। हमारी टीम में फाइनल जीतने का दम था, लेकिन कुछ करीबी मुकाबलों ने खेल बिगाड़ दिया। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी के खिलाफ यह जीत बेहद खास है।

मोहम्मद सिराज हैदराबाद रणजी टीम के कप्तान बने

चामा मिलिंद उपकप्तान, 11 अक्टूबर को त्रिपुरा से पहला मुकाबला

नई दिल्ली । भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 2026-27 रणजी ट्रॉफी सीजन में हैदराबाद के कप्तान होंगे। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (HCA) ने शनिवार को इसका ऐलान किया। सीजन 11 अक्टूबर से शुरू होगा। हैदराबाद का पहला मुकाबला त्रिपुरा से होगा। तेज गेंदबाज चामा मिलिंद को टीम का उपकप्तान बनाया गया है।

हैदराबाद रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप B में – हैदराबाद को रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप क्रमें रखा गया है। इस ग्रुप में सौराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और त्रिपुरा भी हैं। सिराज ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी हैदराबाद की दो मैचों में कप्तानी की थी। सिराज हाल ही में तिलक वर्मा की कप्तानी में 2026 की दलीप ट्रॉफी में साउथ जोन के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते नजर आए थे।

रणजी ट्रॉफी की शुरुआत 11 अक्टूबर से होगी – रणजी ट्रॉफी 2026-27 11 अक्टूबर 2026 से 3 मार्च 2027 तक खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट दो लेग में खेला जाएगा, जिसमें एलीट ग्रुप में 32 टीमें और प्लेट ग्रुप में 6 टीमें शामिल हैं। BCCI के 2026-27 के डोमेस्टिक सीजन में कुल 1,788 मैच खेले जाएंगे। इस सीजन की शुरुआत दलीप ट्रॉफी से हुई थी और रणजी ट्रॉफी के अलावा इसमें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट भी शामिल हैं।

श्रीलंका दौरे पर कम हुई थी रफ्तार

श्रीलंका दौरे के दौरान सिराज की रफ्तार को लेकर चिंता जताई गई थी। उनकी रफ्तार सामान्य 140 किलोमीटर प्रति घंटे के मध्य स्तर से घटकर 120 किलोमीटर प्रति घंटे के आखिरी स्तर तक पहुंच गई थी। दो मैचों की सीरीज में सिराज ने 44 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्होंने इस दौरान चार विकेट लिए थे। दलीप ट्रॉफी फाइनल के बाद चेन्नई में सिराज ने कहा, दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे मैच में उतरने से मेरी लय पूरी तरह नहीं बन पाई थी। मैं पूरी तरह लय पर निर्भर रहने वाला गेंदबाज हूं। अगर मैं लय में नहीं हूं, तो क्रीज से पूरी ताकत के साथ गेंद नहीं फेंक पाता। उन्होंने कहा, श्रीलंका में यही परेशानी थी। मेरा रन-अप बिखरा हुआ लग रहा था। कुछ कदम बहुत छोटे थे और कुछ बहुत लंबे। इससे मेरा प्रवाह टूट गया और मेरी रफ्तार कम हो गई।

मेसी का 99वां गोल

इंजरी टाइम में गोल कर नेशविल टीम ने ड्रॉ खेला

इंटर मियामी को 2-2 पर रोका

बार्सिलोना । इंटर मियामी और नेशविल के बीच रात में मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। नेशविल ने आखिरी समय में बराबरी का गोल किया। लियोनेल मेसी ने 62वें मिनट में गोल किया। मेसी का इंटर मियामी के लिए यह 99वां गोल था।

सैम सरिज ने दो गोल किए – नेशविल के लिए दोनों गोल सैम सरिज ने किए। उन्होंने चौथे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद इंजरी टाइम में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इस नतीजे के बाद नेशविल मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में इंटर मियामी से 9 पॉइंट्स आगे है। इंटर मियामी और नेशविल पिछले तीन सीजन में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस के राइवल बन गए हैं। दोनों टीमें अहम कप मुकाबलों, प्लेऑफ और बड़े रेगुलर-सीजन मैचों में भिड़ चुकी हैं। MLS में नेशविल के खिलाफ मेसी का14 मैचों में उनका 17वां गोल था।

सरिज का शानदार प्रदर्शन – इंग्लैंड में जन्मे स्ट्राइकर सैम सरिज ने इस मुकाबले में पूरा प्रभाव छोड़ा। शनिवार को किया गया उनका पहला गोल इस सीजन का 15वां गोल था। मेसी 19 गोल के साथ MLS गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। वे लगातार तीसरी MLS मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवॉर्ड जीतने के सबसे मजबूत दावेदार भी हैं।

मियामी का खराब दौर – इसके बावजूद इंटर मियामी इस सीजन बेहद खराब प्रदर्शन रहा है। मुख्य कोच गिलर्मो होयोस के नेतृत्व में टीम पिछले 9 मैचों में सिर्फ एक बार जीती है। मेसी को इस हफ्ते 2026 बैलन डी'ओर के लिए नामांकित किया गया है। इसके बावजूद वह ड्रॉ के नतीजे से निराश दिखे।

नेशविल का मजबूत सीजन – नेशविल ने 2025 यूएस ओपन कप जीता था। 2020 में MLS में शामिल होने के बाद यह उसका पहला खिताब था। नेशविल 19 सितंबर को आत्मविश्वास से भरी शिकागो फायर टीम की मेजबानी करेगा। इंटर मियामी का अगला मैच 20 सितंबर को नू स्टेडियम में सैन डिएगो एफसी के खिलाफ है।

सिल्वरस्टोन रेस ट्रैक पर सीएम थलपति विजय का सरप्राइज!

दोस्त अजित कुमार को लगाया गले, तृषा संग वीडियो वायरल

चैन्नई । साउथ सिनेमा के मेगास्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनने तक का थलपति विजय का सफर बेहद दिलचस्प और ऐतिहासिक रहा है। राजनीति में पूर्ण रूप से कदम रखने के बाद उन्होंने अभिनय की दुनिया को पूरी तरह अलविदा कह दिया और राज्य की कमान संभाली। मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही वे अपनी भूमिका के साथ-साथ अपनी निजी और सामाजिक गतिविधियों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में तमिलनाडु के सीएम विजय ब्रिटेन के मशहूर सिल्वरस्टोन रेस सर्किट पहुंचे, जहां उनके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

सिल्वरस्टोन में अजित-विजय का भावुक पल – सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि तमिलनाडु के सीएम थलपति विजय, एक्टर और पेशेवर रेसर अजित कुमार का हौसला बढ़ाने पहुंचे। अजित कुमार प्रतिष्ठित मिशेलिन ले मैन्स कप रेस में भाग ले रहे थे। वीडियो में जैसे ही विजय ने रेस ट्रैक पर अजित कुमार को देखा, वे खुशी से दौड़ते हुए आए और अपने पुराने साथी व दोस्त अजित को कसकर गले लगा लिया। दोनों सुपरस्टार्स के इस भावनात्मक और आपसी सम्मान से भरे वीडियो को फैंस इंटरनेट पर जमकर शेयर कर रहे हैं।

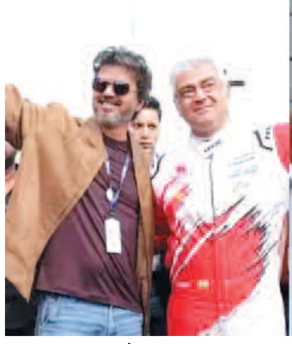

लंदन में विजय के साथ स्पॉट हुईं एक्ट्रेस तृषा कृष्णन – अजित कुमार की रेस के दौरान रेस सर्किट और लंदन के गलियारों से विजय के साथ मशहूर एक्ट्रेस तृषा कृष्णन की भी तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं। रेस से ठीक पहले तृषा कृष्णन की तस्वीरें सीनियर एक्ट्रेस राधिका सरथकुमार के साथ सामने आईं, जिसे राधिका ने खुद इंटरनेट पर शेयर किया था। इसके बाद सिल्वरस्टोन रेस ट्रैक पर भी विजय और तृषा को साथ देखा गया।

विजय और तृषा की पर्सनल लाइफ फिर चर्चा में

थलपति विजय और तृषा कृष्णन की नजदीकियों और अफेयर की खबरें पिछले कई सालों से मीडिया की सुर्खियों में बनी रही हैं, हालांकि दोनों ही कलाकारों ने कभी इन अफवाहों पर सार्वजनिक रूप से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। गौरतलब है कि जब थलपति विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, तब तृषा कृष्णन भी उस ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। समारोह के दौरान विजय की पहली राजनीतिक स्पीच सुनते वक्त तृषा का भावुक होना भी काफी चर्चा में रहा था। अब यूके में रेस ट्रैक से सामने आए इन नए वीडियोज ने एक बार फिर दोनों की मौजूदगी की ओर फैंस का ध्यान खींच लिया है।

बेबी और नाम शबाना के बाद खूब एक्शन रोल ऑफर हुए लेकिन...

दमदार अभिनय और बेबाक व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली अदाकारा तापसी पन्नू अब अपनी नई फिल्म 'गांधारी' में भी बेटी को तलाशती नेत्रहीन मां की मजबूत भूमिका में नजर आ रही हैं। खास बात यह है कि करियर के शुरुआती दौर में बेबी और नाम शबाना जैसी फिल्मों में ऐक्शन के लिए तारीफें बटोरने वाली तापसी इसमें लंबे अरसे बाद ऐक्शन भी करती दिख रही हैं। तापसी बताती हैं कि वह इस जॉनर से इसलिए दूर थीं, क्योंकि एक तो वह ऐक्शन करके शारीरिक-मानसिक रूप से थक गई थीं, दूसरे अलग तरह के इमोशंस भी एक्सप्लोर करना चाहती थीं।

एजेंट-कॉप के कई ऐक्शन रोल मना किए

बकौल तापसी, 'बेबी और नाम शबाना को जिस तरह का प्यार मिला, मेरे लिए वैसे ही रोल करना बहुत काफी लुभावना था, क्योंकि तब ज्यादा लोग ऐक्शन कर भी नहीं रहे थे। मुझे अंडर कवर एजेंट, कॉप, मिशन वाले ऐक्शन रोल ऑफर भी खूब हुए, लेकिन मुझे वो सब नहीं करना था, क्योंकि मैं बहुत थक गई थी। उन फिल्मों में सारा ऐक्शन मैंने खुद किया था। उसमें कोई इफेक्ट नहीं था, तो वो फिजिकली-मेंटली बहुत मेहनत का काम है। फिर, मैं वायलेंट इंसान भी नहीं हूं। मैं मारपीट देखकर घबरा जाती हूं। लोगों को ऐसा लगता नहीं है लेकिन ऐसा है। इसलिए भी मुझे उससे ब्रेक चाहिए था। साथ ही, मुझे बाकी इमोशंस को एक्सप्लोर करने वाले काफी अच्छे रोल भी मिल रहे थे, तो मैंने सोचा अब ऐक्शन तभी करूंगी, जब इससे ऊपर का कुछ होगा।'

हम हीरोइनों की जीत और हार साझा होती है

बॉलिवुड में बड़े बजट की फीमेल सेंट्रिक ऐक्शन फिल्म की मांग बहुत समय से उठ रही थी, लेकिन आलिया भट्ट की अल्फा के रूप में जब ऐसी फिल्म आई तो वह नहीं चली। नायिका प्रधान फिल्मों की लड़ाई पर इसके असर पर तापसी कहती हैं, 'इस मामले में एक की जीत हम सबकी जीत होती है, क्योंकि जब एक फीमेल सेंट्रिक फिल्म चलती है तो लोगों को साहस मिलता है कि हां, ऐसी पिक्चर चल सकती है। उसी तरह से जब एक नहीं चलती है, खासकर बड़े बजट की नहीं चलती तो नुकसान भी हम सबका होता है। इसलिए, बुरा लगता है कि यार, चलनी चाहिए थी। लोग बोलते हैं कि अच्छी फिल्में चलती हैं तो क्या हीरो सेंट्रिक सारी ऐक्शन फिल्में कमाल की ही होती हैं? वे क्या बहुत बढ़िया थीं, तभी चलीं? ऐसा जरूरी नहीं है। हीरो वाली काफी औसत बिग स्केल फिल्में भी चल जाती हैं, मगर दुर्भाग्य से हमें वह छूट नहीं होती। हम औरतों की कहानियां उन्नीस-बीस नहीं हो सकती। उसे इक्कीस होना पड़ेगा, तभी चलेगी।

कनिका और मैं एक-दूसरे को समझते हैं

गांधारी की लेखिका-निर्माता कनिका ढिल्लों संग तापसी मनमर्जियां, हसीन दिलरुबा, रश्मि रॉकेट, फिर आई हसीन दिलरुबा जैसी फिल्मों में भी साझेदारी कर चुकी हैं। इस बॉन्डिंग पर वह बताती हैं, 'कनिका ने मनमर्जियां की कहानी मुझे सीन के बीच में गाना तक सुनाकर पूरे डिटेल में नरेट की थी। जबकि, गांधारी में सिर्फ चार लाइन में स्टोरी बताई कि ये कहानी है। अगर तू कर रही है तो मैं आगे लिखती हूं, तो हमारी आपसी समझ और एक दूसरे पर इतना भरोसा बन गया है कि कनिका को पता है कि मैं क्या करना चाहूंगी और क्या नहीं करूंगी। वहीं, मुझे भी ये पता है कि अगर इसने मुझे दो लाइन भी सुना दी हैं ना, तो उसके बाद ये लिख लेगी। वहीं, निर्माता के तौर पर वह फिल्म को बेस्ट तरीके से बनाएगी। मुझे कोई लड़ाई नहीं लड़नी पड़ेगी। वो कनिका लड़ लेगी तो मैं काफी रिलैक्स होती हूं।'

साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं

बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है।' नैला ग्रेवाल ने फिल्म 'राका' की हिंट देते हुए कहा, 'आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है।' अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, 'राका भी बहुत बढ़िया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है।' यह फिल्म टाइम ट्रैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है।

संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में करीना कपूर की एंट्री पक्की

क्या करीना कपूर को संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में देखा जाएगा? क्या भंसाली की कोई फिल्म करीना साइन करने वाली हैं? क्या करीना और भंसाली का दो दशक पुराना मनमुटाव दूर हो गया है? कुछ ऐसे ही सवाल बी-टाउन में पूछे जा रहे हैं। वजह है कि करीना कपूर खान को भंसाली के दफ्तर के बाहर स्पॉट किया गया।

दो दशक पुराने गिले शिकवे दूर हो गए

फिल्म 'देवदास' के बाद से करीना कपूर खान और भंसाली के बीच मतभेद शुरू हो गए। दोनों को कभी साथ काम करते नहीं देखा गया। करीब दो दशक बाद आज अचानक करीना कपूर खान को भंसाली के ऑफिस के बाहर देखा गया तो अटकलें लगने लगीं कि दोनों साथ में किसी फिल्म के लिए काम करने वाले हैं। चर्चा ये भी है कि दोनों ने अपने पुराने मतभेद भुला दिए हैं। भंसाली के ऑफिस के बाहर करीना को देख कयास लग रहे हैं कि वे निर्देशक की फिल्म में नजर आ सकती हैं। बीते दिनों कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि भंसाली एक पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें करीना कपूर खान नजर आएंगी। उनके अलावा साउथ एक्टर धनुष भी लीड रोल में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान पीएस मित्रन संभालेंगे। हालांकि, आधिकारिक रूप से अभी ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

क्यों हुई करीना और भंसाली में अनबन?

संजय लीला भंसाली ने साल 2002 में फिल्म 'देवदास' बनाई थी। कथित तौर पर इस फिल्म के लिए करीना कपूर को पारो की भूमिका के लिए अप्रोच किया था। अभिनेत्री ने स्क्रीन टेस्ट भी दिया था। हालांकि, बाद में पारो के रोल के लिए भंसाली ने ऐश्वर्या राय बच्चन को चुन लिया। 2002 में फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा था, 'उन्होंने मेरे साथ जो किया, वह गलत था। उन्होंने 'देवदास' (2002) के लिए मेरा स्क्रीन टेस्ट लिया। मुझे साइनिंग अमाउंट दिया और फिर किसी और को ले लिया। यह गलत था और मुझे इसलिए ज्यादा बुरा लगा, क्योंकि मैं अपने करियर की शुरुआत में थी'।

माही विज ने बताया क्यों छोड़ा था 'सहर होने को है

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस माही विज इन दिनों 'बिग बॉस 20' को लेकर चर्चा में हैं। सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले इस रियलिटी शो में माही की एंट्री ने उनके फैंस को काफी उत्साहित किया है। शो में आने के बाद जहां दर्शक उनके अलग-अलग अंदाज को देखने के लिए उत्सुक हैं, वहीं उनके पिछले शो 'सहर होने को है' से बाहर होने को लेकर भी कई तरह की बातें सामने आ रही थीं। ऐसी चर्चा थी कि माही ने 'बिग बॉस' का हिस्सा बनने के लिए अपना पिछला शो छोड़ा है। अब एक्ट्रेस ने खुद इस बात पर चुप्पी तोड़ी है और बताया कि दोनों फैसलों का आपस में कोई लेना-देना नहीं है। बातचीत में माही विज ने कहा, ''मैं 'सहर होने को है' को जनवरी में ही छोड़ने का फैसला ले चुकी थीं। हालांकि, शो छोड़ने की प्रक्रिया में काफी समय लग गया। मेरा बाहर निकलना अचानक लिया गया फैसला नहीं था। शो के क्रिएटिव्स भी मुझे इतनी जल्दी छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। इसलिए शो से अलग होने में मुझे समय लगा।''

माही ने कहा, ''सच कहूं तो मैं खुद भी उस समय शो छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं थीं। 'सहर होने को है' मेरे दिल के काफी करीब था। मैं इस शो से भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई थीं और इसलिए इसे छोड़ना मेरे लिए आसान नहीं था। हालांकि, मैंने 'बिग बॉस' में एंट्री लेने के लिए अपना पिछला शो नहीं छोड़ा है। 'बिग बॉस' का ऑफर मुझे काफी बाद में मिला था।'' माही ने कहा, ''मैंने बहुत पहले ही शो छोड़ दिया था और 'बिग बॉस' का ऑफर मुझे बाद में आया। ऐसे में पुराने शो से बाहर होने और नए रियलिटी शो में आने के बीच सीधा संबंध जोड़ना सही नहीं है। मैं पहले ही अपना फैसला ले चुकी थीं और 'बिग बॉस' का फैसला बाद में आया।''

'बिग बॉस 20' का हिस्सा बनने को लेकर भी माही काफी उत्साहित नजर आईं। उन्होंने कहा, ''जिंदगी में समय-समय पर कुछ नया आजमाते रहना चाहिए। 'बिग बॉस' शो को देखना मुझे काफी पसंद हैं, लेकिन खुद इसमें आने को लेकर पहले कभी इतनी सीरियस नहीं थीं। इस बार मुझे खुद समझ नहीं आया कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि मैंने शो का हिस्सा बनने के लिए हां कह दी।'' माही ने कहा, ''हर काम का एक सही समय होता है और शायद मेरे लिए 'बिग बॉस' करने का समय अब आया है। यही वजह है कि इस बार मैंने इस मौके को स्वीकार कर लिया। अब मैं यह देखने के लिए भी उत्साहित हूं कि घर के अंदर मेरा सफर किस तरह आगे बढ़ता है।'' उन्होंने कहा, '''बिग बॉस' के घर में परिस्थितियां बदलती रहती हैं। अभी मैं नहीं जानती कि घर के अंदर मेरे व्यवहार का कौन सा रूप सामने आएगा। ऐसे में दर्शकों को मेरा एक ऐसा अंदाज भी देखने को मिल सकता है, जिसे उन्होंने पहले नहीं देखा होगा।''

जूही मूई के ऑफ एयर होने से टूटा ईशा सिंह का दिल

टीवी एक्ट्रेस ईशा सिंह के लिए 'जूही मूई' सिर्फ एक सीरियल नहीं था, बल्कि ऐसा सफर था जिसमें उन्होंने अपने किरदार के साथ खुद को भी काफी हद तक जोड़ा। यही वजह है कि जब इस शो के ऑफ एयर होने की खबर सामने आई, तो ईशा के लिए इसे स्वीकार करना आसान नहीं रहा। एक्ट्रेस का कहना है कि वह इस कहानी और अपने किरदार को अभी और आगे ले जाना चाहती थीं। उन्हें लगता है कि अभी किरदार में बहुत कुछ ऐसा था, जिसे पर्दे पर दिखाया जा सकता था। शो के खत्म होने से वह दिल से काफी दुखी हैं, लेकिन इस सफर से मिली यादों और दर्शकों के प्यार को हमेशा अपने साथ रखेंगी। आईएएनएस को दिए एक एक्सक्लूसिव बयान में ईशा ने शो के बंद होने पर अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, ''मैं इस समय बेहद दुखी हैं, क्योंकि मैं चाहती थी कि यह सफर अभी जारी रहे। बतौर एक्ट्रेस मेरे पास किरदार को लेकर अभी बहुत कुछ करने और समझने की गुंजाइश थी। मैं इस भूमिका में खुद को और ज्यादा तलाशना चाहती थी और दर्शकों को भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखाना चाहती थी। हर सफर इंसान को कुछ न कुछ सिखाकर जाता है।''

ईशा ने कहा, ''अगर 'जूही मूई' का ये सफर सच में खत्म हो रहा है, तो मैं इसे सिर्फ शो के बंद होने के तौर पर याद नहीं करना चाहती। मेरे लिए इस शो से जुड़ा प्यार, सेट पर बिताया वक्त, काम करने वाले लोग और बनी हुई यादें ज्यादा मायने रखती हैं। मैं उन फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जो शो को बचाने के लिए लगातार आवाज उठा रहे हैं। अगर मेरे फैंस अभी भी शो को बचाने की कोशिश कर रहे हैं तो मैं उनकी आवाज सुन रही हूं और उनकी इस कोशिश के लिए दिल से आभारी हूं।''

एक्ट्रेस ने कहा, ''जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी शो का हिस्सा रहता है तो वह प्रोजेक्ट धीरे-धीरे उसकी जिंदगी का हिस्सा बन जाता है। कलाकार सिर्फ कैमरे के सामने लाइन्स बोलकर अपना काम पूरा नहीं करता। वह किरदार को समझता है, उसकी भावनाओं को महसूस करता है और कई-कई घंटे सेट पर बिताता है। 'जूही मूई' का अनुभव मेरे लिए कुछ ऐसा ही रहा। मैंने शो को अपनी परफॉर्मेंस के साथ-साथ अपना समय और पूरी एनर्जी दी है। इसलिए अचानक यह सुनना कि शो खत्म होने जा रहा है, मेरे लिए काफी भावुक कर देने वाला है।''

पहलगाम हमले की कड़ी निंदा; मोदी बोले- तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों को हथियार बनाना दुनिया के हित में नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का रविवार को नई दिल्ली में समापन हो गया। दो दिन चले सम्मेलन में वैश्विक शांति, आतंकवाद, आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीक, महत्वपूर्ण खनिज, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक संस्थाओं में सुधार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मेलन के दूसरे दिन तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों के हथियारीकरण पर चिंता जताते हुए कहा कि इनका इस्तेमाल दबाव बनाने के साधन के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि महामारी, जलवायु आपदाओं और आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया के देश एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। एक क्षेत्र में उत्पन्न

संकट का असर दूसरे देशों तक भी पहुंच सकता है प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स देशों से आपसी सहयोग बढ़ाने और मजबूत तथा लचीली आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स अब अपने तीसरे दशक में प्रवेश कर रहा है और दुनिया को इस समूह से केवल विचार या वादे नहीं, बल्कि ठोस परिणामों की उम्मीद है। मोदी ने कहा कि सदस्य देश मिलकर इन अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। सम्मेलन की शुरुआत भारत मंडपम में सदस्य देशों के नेताओं के सामूहिक फोटो सत्र से हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी के दोनों ओर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिखाई दिए। सम्मेलन के दौरान विभिन्न मुद्दों पर नेताओं के बीच द्विपक्षीय बातचीत भी हुई। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद रविवार को दिल्ली से रवाना हो गए। ब्रिक्स देशों ने नई दिल्ली घोषणा को भी मंजूरी दी। इसमें पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई और आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहनशीलता का संदेश दिया गया। घोषणा में आतंकियों को सुरक्षित ठिकाने और वित्तीय मदद उपलब्ध कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया गया। आतंकवाद को किसी धर्म, राष्ट्रीयता या समुदाय से जोड़ने का भी विरोध किया गया। प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स के तहत रोजगार, कौशल विकास और महिलाओं के लिए अवसर बढ़ाने की दिशा में किए गए प्रयासों का भी उल्लेख किया। छोटे कारोबारों की मदद के लिए ब्रिक्स सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सहयोग मंच शुरू किए जाने की जानकारी दी गई। इसके माध्यम से छोटे कारोबारियों को जानकारी, वित्त और नए बाजारों से जुड़ने में मदद मिलने की उम्मीद है। शहरों में बेहतर आवागमन व्यवस्था के लिए भी सदस्य देशों के बीच अनुभव साझा करने पर जोर दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मेलन की सफलता के लिए सभी सदस्य देशों के नेताओं और उनकी टीमों का आभार जताया तथा अगले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहे चीन को शुभकामनाएं दीं।

मायावती ने भतीजी दीपिका आनंद को आगे बढ़ाने के दिए संकेत, बीएसपी में बड़ा फेरबदल; देश को तीन सेक्टरों में बांटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने शनिवार को पार्टी संगठन में बड़े बदलाव का ऐलान करने के साथ अपनी भतीजी दीपिका आनंद को भविष्य में पार्टी में अहम जिम्मेदारी देने के संकेत दिए। मायावती ने साफ किया कि उनके भतीजे आकाश आनंद और उनके छोटे भाई ईशान को फिलहाल पार्टी में कोई पद नहीं दिया जाएगा। इससे पहले आकाश को पद वापस देने के लिए उनके ससुर और पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने की शर्त रखी गई थी। इसके करीब 17 घंटे बाद अशोक सिद्धार्थ ने राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी थी। हालांकि, इसके बाद भी मायावती ने आकाश को पार्टी में पद नहीं दिया और एक पोस्ट के जरिए उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया। मायावती ने आरोप लगाया था कि आकाश को पार्टी और मिशन से ज्यादा अपने ससुर प्रिय हैं। अब शनिवार को मायावती ने एक भावुक पोस्ट में आकाश के साथ ईशान को भी पार्टी में कोई पद नहीं देने की बात कही। मायावती ने पार्टी संगठन को नए सिरे से मजबूत करने के लिए देश को तीन सेक्टरों में बांटा है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को पहले सेक्टर में रखा गया है, जिसकी जिम्मेदारी मायावती खुद संभालेंगी। बाकी 19 राज्यों को दो सेक्टरों में बांटा गया है। सेक्टर-एक में 10 और सेक्टर-दो में 9 राज्यों को शामिल किया गया है। सेक्टर-एक की जिम्मेदारी रामजी गौतम और सुरेश राव को दी गई है। इसमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब-चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड शामिल हैं। सेक्टर-दो की जिम्मेदारी राजाराम और अतर सिंह राव को दी गई है। इसमें पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल शामिल हैं। इसके साथ ही बसपा में मुख्य सेक्टर प्रभारी का पद भी खत्म कर दिया गया है। मायावती ने अपनी पोस्ट में चीन के साथ सीमा विवाद जल्द सुलझाने की जरूरत बताई। उन्होंने दिल्ली में हुए 18वें ब्रिक्स सम्मेलन के घोषणा पत्र को कूटनीतिक उपलब्धि बताया। साथ ही लखनऊ के ईको गार्डन में आंदोलन कर रहे करीब 58 हजार पंचायत सहायकों की मांगों पर सरकार से विचार करने की अपील की।

एशियन गेम्स में बदला पुरुष क्रिकेट मैचों का समय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागोया। जापान के आइची-नागोया में 9 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियन गेम्स 2026 में पुरुष क्रिकेट के कुछ नॉकआउट मुकाबलों के समय में बदलाव किया गया है। अब ये मुकाबले निर्धारित समय से 30 मिनट पहले शुरू होंगे। इसका सीधा असर भारतीय पुरुष टीम के कार्यक्रम पर भी पड़ा है। भारत का क्वार्टरफाइनल मुकाबला पहले सुबह 10:30 बजे शुरू होना था, लेकिन अब यह मैच भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे से खेला जाएगा। महिला टीम के मैचों के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आयोजकों के अनुसार जापान में सितंबर और अक्टूबर के दौरान शाम जल्दी होने तथा कुछ मुकाबलों के लिए फ्लड लाइट की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण पुरुषों के नॉकआउट मुकाबलों के समय में बदलाव किया गया है। स्थानीय समय के अनुसार भारत का क्वार्टरफाइनल मुकाबला दोपहर 2 बजे शुरू होना था, लेकिन अब इसे 30 मिनट पहले कराया जाएगा। भारतीय पुरुष टीम को एशियन गेम्स के क्रिकेट मुकाबलों में सीधे क्वार्टरफाइनल में जगह मिली है। टीम की कमान श्रेयस अय्यर के हाथों में होगी, जबकि तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाया गया है। भारतीय टीम में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है। टीम के पास अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है, जिससे भारत को खिताब का मजबूत दावेदार माना जा रहा है। सुबह होने वाले मुकाबलों के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ये मैच जापान के स्थानीय समय के अनुसार सुबह 9 बजे शुरू होंगे, जो भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 बजे होगा। आगे बढ़ने की स्थिति में भारत को दूसरा सेमीफाइनल और स्वर्ण पदक मुकाबला भी सुबह के समय खेलना पड़ सकता है। दूसरा सेमीफाइनल 1 अक्टूबर और स्वर्ण पदक मुकाबला 3 अक्टूबर को खेला जाएगा। इन दोनों मुकाबलों का भारतीय

समयानुसार शुरुआत का समय सुबह 10 बजे रहेगा। ।किस्तान का पहला क्वार्टरफाइनल, पहला सेमीफाइनल और कांस्य पदक मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 बजे से शुरू होगा। वहीं पुरुष वर्ग के प्रारंभिक दौर के मुकाबले अपने निर्धारित समय पर ही खेले जाएंगे। इस चरण में अफगानिस्तान, जापान, नेपाल, हांगकांग, मलेशिया और ओमान की टीमें शामिल हैं। इन्हें दो समूहों में बांटा गया है। एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला टीम की भी घोषणा हो चुकी है। हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तान और स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। महिला टीम के मुकाबलों के समय में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। पुरुष टीम में श्रेयस अय्यर, तिलक वर्मा, वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, यश ठाकुर और अर्शदीप सिंह शामिल हैं।महिला टीम में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, जी. कमलिनी, भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयांका पाटिल, राधा यादव और नंदनी शर्मा को जगह मिली है। अब पुरुष टीम के बदले हुए कार्यक्रम के बीच सभी की नजरें भारत के क्वार्टरफाइनल मुकाबले पर रहेंगी।

विजय-तृषा की मौजूदगी ने फिर बढ़ाई अफेयर की चर्चा सिल्वरस्टोन में अजीत कुमार ने रेस में लिया हिस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तमिलनाडु। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता थलापति विजय ने शनिवार को सिल्वरस्टोन में मिशेलिन ले मैन्स कप रेस की हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की। इस रेस में दक्षिण भारतीय अभिनेता अजीत कुमार भी शामिल हुए और उन्होंने 38वां स्थान हासिल किया। हालांकि, रेस के दौरान विजय के साथ अभिनेत्री तृषा कृष्णन की मौजूदगी ने एक बार फिर दोनों के बीच कथित रिश्ते की चर्चाओं को हवा दे दी। सोशल मीडिया पर रेस से जुड़े कई वीडियो सामने आए हैं। कुछ वीडियो में विजय और तृषा एक साथ रेस का आनंद लेते दिखाई दे रहे हैं। वहीं कुछ अन्य वीडियो में विजय को रेस से पहले अजीत कुमार से मुलाकात करते और बाद में रेस को हरी झंडी दिखाते हुए देखा गया। तृषा की मौजूदगी के कारण सोशल मीडिया पर विजय और उनके कथित रिश्ते को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं। विजय-तृषा के अफेयर की चर्चाओं के बीच उनकी पत्नी संगीता का नाम भी पहले सुर्खियों में आ चुका है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, संगीता ने फरवरी 2023 में विजय से तलाक की मांग को लेकर याचिका दायर की थी। याचिका में उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके पति का एक अभिनेत्री के साथ विवाहेतर संबंध है और उन्हें इसकी जानकारी अप्रैल 2021 में हुई थी। हालांकि, उन्होंने अभिनेत्री का नाम सार्वजनिक नहीं किया था। संगीता ने विजय पर मानसिक प्रताड़ना, उपेक्षा और भावनात्मक दूरी के आरोप भी लगाए थे। उनका कहना था कि उनका वैवाहिक रिश्ता पूरी तरह टूट चुका है और विजय उनके साथ अपमानजनक व्यवहार करते थे। उन्होंने यह भी कहा था कि परिस्थितियां ऐसी हो गई थीं कि दोनों को एक ही घर में अलग-अलग रहना पड़ रहा था। तमिलनाडु चुनाव के दौरान विजय के निजी जीवन को लेकर भी खूब चर्चा हुई थी। इसी दौरान विजय और तृषा की साथ मौजूदगी ने भी सुर्खियां बटोरी थीं। विजय की चुनावी जीत के बाद तृषा के उनके नीलांकरई स्थित घर पहुंचने की खबरों ने भी दोनों के कथित रिश्ते को लेकर चर्चाओं को और बढ़ा दिया था।

रायबकिना ने सबालेंका को हराकर पहली बार जीता यूएस ओपन महिला एकल खिताब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

न्यूयॉर्क। कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार यरायबकिना ने सबालेंका को हराकर पहली बार जीता यूएस ओपन महिला एकल खिताब, फाइनल में तीन सेट तक चला मुकाबला यूएस ओपन महिला एकल का खिताब अपने नाम कर लिया। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए फाइनल मुकाबले में रायबकिना ने सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से शिकस्त दी। तीन सेट तक चले मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन निर्णायक सेट में रायबकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। रायबकिना ने पहले सेट में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने महत्वपूर्ण मौकों पर अंक जुटाए और सबालेंका को लगातार दबाव में रखा। रायबकिना ने पहला सेट 6-4 से

जीतकर मुकाबले में शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद दूसरे सेट में सबालेंका ने जोरदार वापसी की। उन्होंने अपने खेल में आक्रामकता बढ़ाई और रायबकिना को कड़ी चुनौती दी दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कई रोमांचक रैलियां देखने को मिलीं। सबालेंका ने अहम मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए सेट 7-5 से अपने नाम किया। इसके साथ ही फाइनल मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया और दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई। तीसरे सेट में रायबकिना ने एक बार फिर मुकाबले पर नियंत्रण हासिल किया। उन्होंने शुरुआत से ही अंक जुटाने की रफ्तार बनाए रखी और सबालेंका को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। रायबकिना ने निर्णायक सेट 6-2 से जीतते हुए यूएस ओपन की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ रायबकिना ने अपने करियर की एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए फाइनल में उन्होंने दुनिया की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल सबालेंका को हराकर पहली बार यूएस ओपन महिला एकल खिताब जीता। मुकाबले में सबालेंका ने दूसरे सेट में वापसी जरूर की, लेकिन निर्णायक सेट में रायबकिना की निरंतरता और आक्रामक खेल के सामने वह टिक नहीं सकीं। यूएस ओपन जैसे प्रतिष्ठित ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में मिली यह जीत रायबकिना के लिए खास रही। तीन सेट के रोमांचक मुकाबले के बाद उन्होंने 6-4, 5-7, 6-2 के स्कोर के साथ खिताब पर कब्जा जमाया।

20 सितंबर को आरपीएससी उपनिरीक्षक/प्लाटून कमांडर री-एग्जाम, पहली बार फेस रिकग्निशन और थंब इम्प्रेशन से होगी पहचान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से उपनिरीक्षक/प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा-2021 की पुनर्परीक्षा 20 सितंबर को आयोजित की जाएगी। इस पुनर्परीक्षा में आयोग भर्ती परीक्षाओं की व्यवस्था में पहली बार चेहरे की पहचान और अंगूठे के निशान आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन लागू करने जा रहा है। इसके साथ ही ओएमआर उत्तर पुस्तिका में पांचवें विकल्प को भरना भी अनिवार्य होगा। आयोग ने परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों के लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह भर्ती परीक्षा कुल 859 पदों के लिए आयोजित की जाएगी। परीक्षा में करीब 2 लाख 35 हजार अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना है। परीक्षा के लिए आवंटित केंद्र के जिले की जानकारी आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। अभ्यर्थी अपने एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर परीक्षा केंद्र संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। प्रवेश-पत्र 17 सितंबर को आयोग की वेबसाइट और एसएसओ पोर्टल पर जारी किए जाएंगे। उपनिरीक्षक/प्लाटून कमांडर परीक्षा-2021 का विज्ञापन 3 फरवरी 2021 को जारी हुआ था। भर्ती की पहली परीक्षा के लिए करीब 7 लाख 97 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इनमें से 3 लाख 83 हजार 97 अभ्यर्थी 13 से 15 सितंबर 2021 के बीच आयोजित परीक्षा में शामिल हुए थे। बाद में पेपर लीक के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई थी।पुनर्परीक्षा का निर्णय होने के बाद 8 मई 2025 को पहले केवल उन अभ्यर्थियों को मौका देने का निर्णय लिया गया था, जो पहले आयोजित परीक्षा में शामिल हुए थे।

'वीर जन्मे' के जयघोष से गूंजा शांतिनाथ जिनालय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। पर्युषण पर्व के अवसर पर रविवार को जैन कॉलोनी स्थित श्री शांतिनाथ जिनालय में भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। चातुर्मास के लिए विराजित साध्वीश्री अहर्मव्रता श्रीजी म.सा. एवं साध्वीश्री की निश्रा में आयोजित वीर जन्मवाचन समारोह में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं शामिल हुए। जन्मवाचन के साथ श्रद्धालुओं ने अक्षत वर्षा कर भगवान महावीर को वधाया। 'कुंडलपुर में बधाई, नगरी में वीर जन्मे' जैसे मंगल गीतों और जयघोष से जिनालय परिसर भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में वार्षिक चढ़ावे भी हुए। केसर पूजन का लाभ भंवरलाल-अमिष कुमार गांग परिवार ने लिया, जबकि पालना, आंगी, धूप पूजन और अखंड दीपक सहित अन्य लाभ कांतीलाल-सौभाग्यमल गेलड़ा परिवार ने लिए।

अंबाजी मंदिर ट्रस्ट ने भद्रवी महाकुंभ के दौरान दर्शन का समय बढ़ाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। शक्ति पीठ अंबाजी में भद्रवी पूनम मेले में अब कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में सात दिनों में लाखों भक्तों के अंबाजी आने की उम्मीद है। मेला 20 सितंबर से शुरू होकर 26 सितंबर तक चलेगा। मेला 7 दिनों तक चलेगा। मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को शांति और आराम से दर्शन का लाभ मिले, इसके लिए मेले के सातों दिनों के लिए मंदिर के दर्शन और आरती का समय बदल दिया गया है। मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को दर्शन का लाभ मिले, इसके लिए दर्शन का समय भी बढ़ा दिया गया है। आम दिनों में सुबह 7:30 बजे शुरू होने वाली आरती की जगह, यह मेले के सातों दिन सुबह 6 बजे

होगी और मंदिर दोपहर 5 बजे की जगह शाम 4.30 बजे तक दर्शन के लिए खुला रहेगा। मंदिर रात 9 बजे खुलने की जगह अब रात 12 बजे तक खुला रहेगा। हालांकि, श्रद्धालुओं की भीड़ की वजह से दर्शन में कोई दिक्कत न हो, इसके लिए मंदिर ट्रस्ट ने एक बड़ा फैसला लिया है, जिसमें मंदिर चाचरचौक की हवन शाला में होम हवन नहीं होगा और माताजी को चढ़ाया जाने वाला अन्नकूट भी इस मेले में नहीं मिलेगा।

इज्जत के नाम पर बेटी की हत्या का आरोप, हादसा दिखाने की कोशिश का खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। 22 वर्षीय सोफिया की निजी और अश्लील चैट सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कथित रूप से उसके पिता और भाई ने उसकी हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि दोनों सोफिया को बाइक पर बैठाकर सुनसान रास्ते पर ले गए और चलते वाहन के दौरान उसके सिर पर हथौड़े से वार किए। गंभीर रूप से घायल सोफिया सड़क पर गिर गई, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। आरोप है कि घटना को हादसा दिखाने के लिए शव सड़क पर फेंक दिया गया। शुरुआत में मामला सड़क दुर्घटना का लगा, लेकिन पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच में सिर पर वार के निशान मिलने से हत्या की आशंका गहराई।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में मूर्तिकार राजूराम ने तैयार कीं आकर्षक गणेश प्रतिमाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। गणेश चतुर्थी के साथ ही शहर में भगवान गणेश के स्वागत की तैयारियां पूरी हो गई हैं। बाजारों से लेकर घरों तक उत्साह का माहौल है। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में मूर्तिकार राजूराम की कार्यशाला में गणपति की आकर्षक प्रतिमाएं श्रद्धालुओं का ध्यान खींच रही हैं। रंग-बिरंगे परिधानों, चमकदार मुकुट और मनमोहक मुस्कान से सजे गणेशजी की प्रतिमाएं अब घरों और पूजा पंडालों में विराजने के लिए तैयार हैं। मूर्तिकार राजूराम के अनुसार, इस बार गणेश प्रतिमाओं की एडवांस बुकिंग पहले ही हो चुकी है। श्रद्धालुओं की मांग और पसंद को देखते हुए अलग-अलग आकार व स्वरूप की प्रतिमाएं तैयार की गई हैं। यहां 100 रुपए से लेकर 20 हजार रुपए तक की गणेश प्रतिमाएं उपलब्ध हैं।

20 से 26 सितंबर तक मंदिर सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक खुला रहेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद: साबरमती नदी में एक युवक की लाश मिली, हाथ पर लिखा था - 'मेरे पापा को मेरी बॉडी पहुंचाना' आज सुबह अहमदाबाद में साबरमती नदी में एक आदमी की लाश तैरती हुई मिली। जब फायर डिपार्टमेंट ने लाश बाहर निकाली, तो उसके हाथ पर 'मेरे पापा को मेरी बॉडी पहुंचाना' और एक मोबाइल नंबर लिखा हुआ था। पुलिस जांच में पता चला कि मरने वाला राजस्थान के डूंगरपुर का रहने वाला रोहित प्रजापति था। परिवार ने लाश को अपना लिया है। कल जमालपुर के पास एक इंसानी खोपड़ी भी मिली थी, जिसकी जांच जारी है। आज सुबह (13 सितंबर) साबरमती नदी में आदमी की लाश तैरती हुई मिलने के बाद फायर डिपार्टमेंट और पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा। जब रिवर

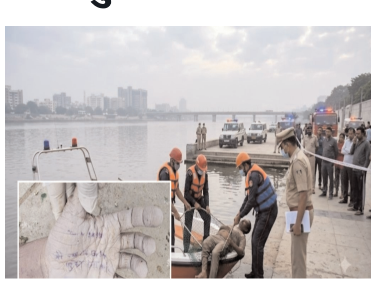

रेस्क्यू टीम ने लाश को पानी से बाहर निकाला और उसकी जांच की, तो उसके पास कोई पहचान का कागज़ नहीं मिला। हालांकि, मरने वाले के हाथ पर एक मोबाइल नंबर लिखा हुआ था और उस पर हिंदी में लिखा था, 'मेरे पापा को मेरी बॉडी पहुंचाना।' पुलिस ने इस बारे में केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। रिवरफ्रंट ईस्ट पुलिस ने इस लिखावट और मोबाइल नंबर के आधार पर आगे की जांच करते हुए मृतक की पहचान कर ली। पुलिस जांच में पता चला कि मृतक युवक राजस्थान के डूंगरपुर का रहने वाला रोहित प्रजापति है। पुलिस ने उसके परिवार से संपर्क करके उन्हें इस बारे में बताया है और अब पोस्टमॉर्टम प्रोसेस के बाद बॉडी उसके परिवार को सौंपने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि इस घटना के साथ ही कल दोपहर जमालपुर के पास नदी में एक इंसानी कंकाल भी तैरता हुआ मिला था। जब फायर टीम ने इस कंकाल को बाहर निकाला तो उसके शरीर के ऊपरी हिस्से पर कुछ कपड़े दिखे। पुलिस के शुरुआती अंदाजे के मुताबिक, यह कंकाल करीब 10 दिन पुराना हो सकता है। रिवरफ्रंट पुलिस फिलहाल इन अनजान कंकालों की पहचान और दो अलग-अलग घटनाओं की जांच कर रही है।

डिगेश्वर साहू और सुरेश साहू बने प्रदेश सहसंयोजक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बालोद। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ में संगठनात्मक विस्तार के तहत डिगेश्वर साहू और सुरेश साहू को प्रदेश सहसंयोजक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू, प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक बी.सी. साहू और प्रदेश महामंत्री शंकर साहू की अनुशंसा पर की गई। दोनों नवनियुक्त पदाधिकारी लंबे समय से समाज के विकास, शिक्षा और सामाजिक उत्थान के कार्यों में सक्रिय रहे हैं। संघ ने उम्मीद जताई कि उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता से अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ को मजबूती मिलेगी तथा शिक्षा और जनसेवा के कार्यों को नई गति मिलेगी। डिगेश्वर साहू और सुरेश साहू ने नियुक्ति पर संगठन का आभार जताते हुए पूरी निष्ठा और समर्पण से जिम्मेदारी निभाने की बात कही। नियुक्ति की जानकारी मिलते ही साहू समाज में खुशी का माहौल है। वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और समाजसेवियों ने दोनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.